



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 22, 1975 (अग्रहायण 1, 1897)
No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 22, 1975 (AGRAHAYANA 1, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग
नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

सं० पी०/1855-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डा० जोसफ पी० जान को 1 अक्टूबर 1975 से 30 नवम्बर 1975 तक (दोनों दिन सहित) अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० एन० मुखर्जी,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम)
इलाहाबाद, दिनांक 24 अक्टूबर 1975

सं० प्रशासन 1/11-144 (XI)/3281—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से श्रागामी श्राद्धेषों पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है:—

सर्वश्रेष्ठ,
1. राजकुमार घोष 18-10-1975 (प्रपराह)
2. पुरुषोत्तम प्रसाद तिपाठी 18-10-1975 (प्रपराह)

य० रामचन्द्र राव,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० 2/21/75-प्रशासन—श्री बहू दत्त, सहायक, जिनको केन्द्रीय सतर्कता आयोग की अधिसूचना संख्या 2/21/75-प्रशासन दिनांक 9 सितम्बर 1975 द्वारा स्थानापन्न रूप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया था, 6 अक्टूबर 1975 अपराह्न से सहायक प्रत्यावर्तित हो गए।

बी० छी० दिघे,
अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयोग

केरल के महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 29 अक्टूबर 1975
१०/vii/6-8/Vol. II/202—केरल के महालेखाकार ने इस कार्यालय के निम्न लिखित स्थानापन्न लेखाधिकारियों को १० 840-40-1000-८००-४०-१२०० ग्रेड में प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीख से मौलिक कपेसिटी में नियुक्त किया है।

1. श्री सी० पी० देवस्ती	1-3-1974
2. श्रीमती के० पोनम्मा	1-3-1974

3. श्री जी० वासुदेव कम्मत्त	1-3-1974
4. श्री एन० अन्द्रेखरन नायर	1-3-1974
5. श्री एन० रामचन्द्रन नायर (नं० 1)	1-3-1975
6. श्री वै० रवीन्द्रनाथन	1-3-1975
7. श्री एस० सुब्रह्मण्यमणिय अव्वर (नं० 1)	1-3-1975
8. श्री एस० राजगोपालन	1-3-1975
9. श्री आर० कुमारन नायर	1-3-1975
10. श्री एन० एस० नीलकंठन नायर	1-8-1975
11. श्री टी० गोपालकृष्णन नायर	1-9-1975

कृ० गणेशन,

उप भाष्यकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएँ

नई विल्ली-110001, दिनांक अक्टूबर 1975

सं० ए० प्रशासन/130/75—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएँ निम्नलिखित स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारियों को

गिरिजा ईश्वरन,
वरिष्ठ उप-निदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई विल्ली-22, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० 40011(1)/75/प्रशा०-ए० (II)—रक्षा महालेखा नियन्त्रक निम्नलिखित स्थायी प्रनुभाग अधिकारियों (लेखा) को स्थानापन्थ लेखा अधिकारियों के रूप में आगामी आदेश पर्यन्त प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन जिसमें सेवारत है	तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)
सर्वेश्वरी			
1.	जीत सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	1-10-74 (पूर्वाह्न)
2.	तेज प्रकाश नन्दा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पैशन) इलाहाबाद।	28-8-75 (पूर्वाह्न)
3.	वजीर चन्द्र	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्रीज) कलकत्ता।	17-6-75 (पूर्वाह्न)
4.	एम० आर० श्रीनिवास राधवाचारी	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	2-6-75 (पूर्वाह्न)
5.	ओ० पी० चौपड़ा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रेंक) उत्तर, मेरठ।	25-6-75 (पूर्वाह्न)
6.	के० एस० अस्थाना	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पैशन) इलाहाबाद।	2-6-75 (पूर्वाह्न)
7.	जे० एन० देव भक्त	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	16-6-75 (पूर्वाह्न)
8.	हर कृष्ण लाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	2-6-75 (पूर्वाह्न)
9.	लक्ष्मन सिंह सोही	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) देहरादून।	2-6-75 (पूर्वाह्न)
10.	देशराज भाटिया	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	2-6-75 (पूर्वाह्न)
11.	राजा राम वर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान, मेरठ।	4-6-75 (पूर्वाह्न)
12.	राम लाल मवान	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रेंक) उत्तर, मेरठ।	30-6-75 (पूर्वाह्न)
13.	पी० राम मोहन राव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	11-6-75 (पूर्वाह्न)
14.	संसांक मोहन देव	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (वायु सेना) वेहराबून।	1-8-75 (पूर्वाह्न)
15.	रघुवीर सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद।	2-6-75 (पूर्वाह्न)
16.	डी० डी० कवि	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना।	30-6-75 (पूर्वाह्न)
17.	हरी भगत शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद।	12-6-75 (पूर्वाह्न)
18.	गुरबक्ष सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	7-6-75 (पूर्वाह्न)
19.	देवकीनन्दन धावन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रेंक) उत्तर, मेरठ।	6-6-75 (पूर्वाह्न)
20.	सरदारी लाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, मध्य कमान मेरठ।	11-7-75 (पूर्वाह्न)
21.	राम लाल गोपल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।	14-7-75 (पूर्वाह्न)
22.	सत्य प्रकाश गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	16-7-75 (पूर्वाह्न)
23.	गुरबक्ष सिंह रोशा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।	28-7-75 (पूर्वाह्न)
24.	राधेश्वरम गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद।	4-7-75 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)	(4)
25.	के० के० राय चौधरी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	14-7-75 (पूर्वाह्नि)
26.	जी० नटेसन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	11-7-75 (पूर्वाह्नि)
27.	राज कुमार तलवार	रक्षा लेखा नियन्त्रक (आयु सेना) बेहरादून ।	4-7-75 (पूर्वाह्नि)
28.	एन० वी० अर्द्धनारी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (नौ सेना) बम्बई ।	28-7-75 (अपराह्नि)
29.	राम देव वर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	11-8-75 (पूर्वाह्नि)
30.	कशमीरी लाल धावन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	15-7-75 (पूर्वाह्नि)
31.	प्रेम चन्द शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (आयु सेना) देहरादून ।	4-7-75 (पूर्वाह्नि)
32.	जोगिन्द्र सिंह तलवार	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	28-7-75 (पूर्वाह्नि)
33.	प्रेम सानार गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।	3-7-75 (पूर्वाह्नि)
34.	शिव लाल केटियाल	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, पूना ।	14-7-75 (पूर्वाह्नि)
35.	चिरंजीलाल गुप्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।	31-7-75 (पूर्वाह्नि)
36.	एस० के० दत्ता	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	8-8-75 (पूर्वाह्नि)
37.	जे० एस० ए० सत्यनारायन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास ।	16-8-75 (पूर्वाह्नि)
38.	जगदीश सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	29-8-75 (पूर्वाह्नि)
39.	ए० मादा स्वामी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (आयु सेना) देहरादून ।	26-8-75 (पूर्वाह्नि)
40.	देवी राम	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद ।	8-9-75 (पूर्वाह्नि)
41.	जी० सी० बैन	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	21-8-75 (पूर्वाह्नि)
42.	डी० एल० खड्डे	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	13-8-75 (पूर्वाह्नि)
43.	हरी सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	23-8-75 (पूर्वाह्नि)
44.	लच्छा सिंह	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना ।	18-8-75 (पूर्वाह्नि)
45.	टी० एम० कृष्णन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	11-8-75 (पूर्वाह्नि)
46.	रेवाधर जोशी	रक्षा लेखा नियन्त्रक (पैशन) इलाहाबाद ।	2-6-75 (पूर्वाह्नि)
47.	एम० शंकरन	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) दक्षिण, मद्रास ।	2-6-75 (पूर्वाह्नि)
48.	शिव वत्त शर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अन्य रैक) उत्तर, मेरठ ।	29-8-75 (पूर्वाह्नि)
49.	एस० सी० वर्मा	रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।	13-8-75 (पूर्वाह्नि)

सं० 18332/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री डी० एम० केला रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 31 जनवरी 1976 (अपराह्नि) से पैशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा, और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

सं० 18301/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री वी० नागराजन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 31 दिसम्बर 1975 (अहराह्नि) से पैशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार सेवा निवृत्ति पूर्व 16 अक्टूबर 1975 से 31 दिसम्बर 1975 तक 77 दिन की मंजूर की गई छह्ती समाप्त होने पर 31 दिसम्बर 1975 (अपराह्नि) से पैशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

सं० 18219/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री मंगल सेन कपूर, रक्षा लेखा उप नियंत्रक (फै०) को 31 दिसम्बर 1975 (अपराह्नि) से पैशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

सं० 18237/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री निखिलेश बनर्जी, रक्षा लेखा उप नियन्त्रक (फै०) को 15 अक्टूबर 1975 से 78 दिन की मंजूर की गई सेवा निवृत्ति पूर्व छह्ती समाप्त होने पर 31 दिसम्बर 1975 (अपराह्नि) से पैशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और तदनुसार उनका नाम विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा ।

सं० 18231/प्रशा०-II—श्री एस० सी० श्रीवास्तव, रक्षा लेखा उप नियंत्रक द्वारा, रक्षा लेखा सेवा से दिया गया त्वानपत्र, 27 सितम्बर 1975 (पूर्वाह्नि) से स्वीकार कर लिया गया है । तदनुसार, उन्हें उसी तारीख से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया ।

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय
आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना
नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० 6/935/71-प्रशासन (जी) — सेवा निवृत्ति की आमु प्राप्त होने पर, श्री सर्वजीत सिंह ने 30 सितम्बर, 1975 को दोपहर बाद इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० डी० कुमार,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति विभाग
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
प्रशासन शाखा—I

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० प्र-1/1(990) — पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक (सूचना पुनः प्राप्ति) (प्रेड-1) श्री जी० एल० खान्दना ने दिनांक 4 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सशीत पर्यवेक्षक के पद पर अवनति होने पर अपना पदभार छोड़ दिया।

के० एल० कोहली,
उप-निदेशक (प्रशासन)

आकाशवाणी महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० 2/12/75-एस-तीन — महानिदेशक, आकाशवाणी 1 एसद्वारा निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनके नामों के आगे उत्तिवित तारीखों से अप्रेतर आदेशों तक उन में से प्रत्येक के नाम के आगे दिए गए केन्द्रीय/कार्यालयों में तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :—

क्र०	नाम	तैनाती का स्थान	नियुक्ति की सारीख
सं०			
1.	श्री रत्न सिंह	दूर दर्शन, आकाशवाणी, दिल्ली	15-9-75
2.	श्री आर० एस० डागर आकाशवाणी, इम्फाल		8-9-75
3.	श्री आर० जी० पाटिल	दूर दर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर	17-9-75

प्रेम कुमार सिंह,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975
सं० एफ० 30014(4)/75-एस-छ:— महानिदेशक, आकाशवाणी, एसद्वारा श्री के० आर० कुरूप, कृषि रेडियो अधिकारी को 17 फरवरी 1975 से उसी पद पर स्थायित्र पद-क्षमता में नियुक्त करते हैं।

शांति लाल,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० 5-5/74-एडमिन-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री आर० वैकल्पिकासुनाहनियन को 11 मई, 1974 से बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरणी, मद्रास में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सुरज प्रकाश जित्तल,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० 20/6(2) 75-सी०जी०एच०एस०-1— अपना त्याग-पत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० डी० उमरैया, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) ने 28 अगस्त, 1975 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 20/6(2) 75-सी०जी०एच०एस०-1 भाग-3— अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) टी० कल्याणी सचिवदानन्दन, ने 20 अगस्त, 1975 (अपराह्न) को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 9-42/75-सी०जी०एच०एस०-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री कुलभूषण गुप्त को 25 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा योजना, दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सा के पद पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल,
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 34-46/74-सी०एच०एस०-1— केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जनरल ड्यूटी अधिकारी ग्रेड-2 के पद पर संघ लोक सेवा आयोग के निमित प्रत्याक्षी द्वारा कार्यभार संभाल लेने के फलस्वरूप डा० रविशंकर ने 19 अप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न को विलिंगड़न अस्पताल, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी,
उप-निदेशक प्रशासन (सी०एच०एस०)

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 12 अक्टूबर, 1975

सं० पी० ए०/८१(७५)/७५-प्रार ४—भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री सुभाष प्रह्लाद हिरवे को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से १ अगस्त, १९७५ के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए वैज्ञानिक अधिकारी इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उमीष्विज्ञन,
उप-स्थाना अधिकारी (भ)

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 15 सितम्बर 1975

संदर्भ सं० भापाप/संस्था/१/बी-३०/६११९—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, तारापुर परमाणु विज्ञानी-घर के श्री चन्द्रकान्त रत्नलाल वालिया, स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायकलेखा अधिकारी को, श्री प्रार० बी० कुलकर्णी, लेखा अधिकारी II, जो २६ मई, १९७५ से ११ जुलाई, १९७५ तक छुट्टी पर है के स्थान परभारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में उसी वेतनमान में लेखा अधिकारी II के रूप में प्रतिनियुक्त करते हैं।

पर्यटन और नागर विमानन मंदिरालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-110003, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० ए० ३१०१४/१/७५-ई०-१—निम्नलिखित अधिकारी भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी २ में, प्रत्येक के सामने दिये गए दिनांकों से मौलिक रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त किए जाते हैं:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	मौलिक नियुक्ति का दिनांक	तैनाती कार्यालय
1	2	3	4
सीधी भर्ती			
1. श्री बी० कृष्णमूर्ति	.	1-12-1969	कृषि मौसम विज्ञान, पुना के निदेशक का कार्यालय (श्री भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति पर)।
2. श्री बी० के० श्रीधर	.	1-12-1969	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, गोहाटी।
3. श्री ओ० पी० अग्रवाल	.	1-12-1969	निवेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई
4. श्री ए० डी० रवीशंकर	.	1-12-1969	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, हैदराबाद।
5. श्री टी० के० बालकृष्णन	.	1-12-1969	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) पुना।
6. श्री एस० के० शाह, (अनुसूचित जाति)	.	1-12-1969	निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पुना।
7. श्री जलीयस जोसफ	.	1-12-1969	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेद्रम।
8. श्री प्रार० नटराजन	.	1-3-1970	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास।

दिनांक 19 सितम्बर 1975

संदर्भ सं० भापाप/संस्था/१/के-४८/६२४—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री श्रीकृष्ण श्रीहरि खानोलकर, भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजनाएं (बम्बई कार्यालय) के स्थानापन्न वरण श्रेणी लिपिक को उसी परियोजना में, श्रीमती के० पी० कल्याणी कुट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो मार्च ३, १९७५ (पूर्वाह्न) से अप्रैल १९, १९७५ (प्रत्याह्न) तक के लिए भारी पानी परियोजना (कोटा) में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त की गई है, के स्थान पर स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी परियोजना नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अक्टूबर, 1975

सं० ०५०००/जे-४६/२२३४—भारी पानी परियोजनाओं, विशेष कार्य अधिकारी, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के श्री कलमकशी थामस जोस, अर्धस्थायी वरण श्रणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी को भारी पानी परियोजना (कोटा) में १५ अक्टूबर, १९७५ (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

1	2	3	4
9.	श्री पी० एम० फकीर मोहम्मद	1-3-1970	निदेशक, उपकरण, पूना ।
10.	श्री वी० भावनरायन	1-3-1970	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, हैदराबाद ।
11.	श्री आर० के० वर्मा	1-3-1970	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
12.	श्री सी० एल० अग्रिहोत्री	1-3-1970	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
13.	श्री वी० पी० काम्बले (अनुसूचित जाति)	1-3-1970	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
14.	श्री आर० एस० भारतीय (अनुसूचित जाति)	1-6-1970	वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली ।
15.	श्री बी० विश्वास (अनुसूचित जाति)	1-10-1972	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।
16.	श्री सी० पी० जोसेफ	1-12-1972	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, लियेन्ड्रम ।
17.	श्री एल० कृष्णमूर्ति	1-1-1973	वैधशालाओं के महानिदेशक मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
18.	श्री टी० के० रे	1-1-1973	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
19.	श्री श्रवण कुमार	1-1-1973	निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।
20.	श्री एस० एम० सूद	1-1-1973	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
21.	श्री वी० नटराजन	1-1-1973	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली ।
22.	श्री ए० टी० दास	1-1-1973	वैधशालाओं के उप-महानिदेशक पूर्वानुमान), पूना ।
23.	श्री सी० वी० वी० सर्पनारायन राव	1-5-1973	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई ।
24.	श्री पी० के० जैन	1-11-1973	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई (अभी सी० वी० डब्ल्यू० वी० में प्रतिनियुक्त पर) ।
25.	श्री श्रो० पी० चावला	1-12-1973	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली ।
26.	श्री टी० एन० नरायन स्वामी	1-3-1974	वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली ।
27.	श्री एम० जी० गुप्ता	1-6-1974	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय नई दिल्ली ।
28.	डा० एस० एन० चटर्जी	1-7-1974	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
29.	श्री वी० लक्ष्मण स्वामी (अनुसूचित जाति)	1-7-1974	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
30.	श्री के० पी० दावले (अनुसूचित जाति)	1-7-1974	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य, कार्यालय नई दिल्ली ।
31.	श्री जी० के० बहुगुणा	1-8-1974	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
32.	श्री ए० नरायण कुमारी	1-2-1975	निदेशक, उपकरण, पूना ।
33.	श्री नाशाराजा राव	1-2-1975	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली (अभी भारत से बाहर प्रतिनियुक्त पर) ।

(1)	(2)	(3)	(4)
पदोन्नति वाले			
1. श्री के० पी० मुकर्जी	.	1-12-1969	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
2. श्री एच० एन० गुप्ता	.	1-12-1969	निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली ।
3. श्री बी० बी० सेन	.	1-12-1969	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
4. श्री डी० एन० दास	.	1-12-1969	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
5. श्री के० कृष्णमूर्ति	.	1-12-1969	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायुविज्ञान और भू-भौतिकी) पूना ।
6. श्री एस०एस० सिन्हा (सेवा निवृत्त हो गए)	.	1-12-1969	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली ।
7. श्री जी० एस० श्रद्धर	.	1-3-1970	प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, हैदराबाद ।
8. श्री बी० एस० सर्मा	.	1-3-1970	प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, विशाखापत्तनम ।
9. श्री एम० नटराजा पिले	.	1-3-1970	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना ।
10. श्री एम० पंडुरंगा राव	.	1-3-1970	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना ।
11. श्री रामशरण दास (सेवा निवृत्त हो गए)	.	1-3-1970	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
12. श्री श्रीम प्रकाश	.	1-3-1970	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।
13. श्री एम० एन० गोखले	.	1-11-1971	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना ।
14. श्री बी० वेनकटाचलम्	.	1-10-1972	निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास ।
15. श्री ग्रार० जी० रत्नापारखी	.	1-1-1973	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना ।
16. श्री ज० एस० प्रभावालकर	.	1-1-1973	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना ।
17. श्री एस० एन० बोस (सेवा निवृत्त ही गए हैं)	.	1-1-1973	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली ।
18. श्री पी० ई० मोरे (अनुसूचित जाति)	.	1-1-1973	प्रावेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, अहमदाबाद ।
19. श्री ग्रार० बाई० मोकाशी	.	1-1-1973	वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), पूना ।
20. श्री के० सी० अब्दुर रहीम	.	1-1-1973	निवेशक, भारतीय खगोल भौतिकी संरणीन, कोडेकेनाल ।
21. श्री एस० पार्थसारथी	.	1-3-1973	निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास ।
22. श्री के० के० कपूर	.	1-11-1973	प्रावेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, लखनऊ ।
23. श्री डी० भट्टाचार्य	.	1-12-1973	निदेशक, प्रावेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता ।
24. श्री के० के० श्रीयास्तव	.	1-1-1974	वेधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली ।

(1)	(2)	(3)	(4)
25. श्री के०एस० शंकरन्	.	1-5-1974	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशक के अधीन आर०एस०/आर०डब्ल्य० स्टेशन, मंगलूर।
26. श्री य० एन० सहगल	.	1-7-1974	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर।
27. श्री एन० एस० श्रीवास्तव	.	1-7-1974	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली*।
28. श्री बी० एन० दीवान	.	1-7-1974	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली।
29. श्री बी० पी० घोष	.	1-8-1974	वैधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली (अभी भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण संस्था में प्रतिनियुक्ति पर)।
30. श्री टी० एस० गोविन्दस्वामी	.	1-8-1974	* (अभी मुख्य नियंत्रक, आयात एवं मूर्यत के साथ प्रतिनियुक्ति पर)।
31. श्री एस० य० शंकर राव	.	1-2-1975	निदेशक, कृषि मौसम विज्ञान, पुना।
32. श्री एस० सेन गुप्ता	.	1-3-1975	निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर।

*उपरोक्त अधिकारियों की वरीयता सामान्य नियमों के अनुसार निर्दिच्छत की जाएगी।

वाई० पी० राव,
वैधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 नवम्बर 1975

सं० ई० (I) 04270—वैधशालाओं के महानिदेशक, मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन बंगलौर मौसम केन्द्र, के व्यवसायिक सहायक श्री एच०एस० राघवाचार्य को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्थ रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एच०एस० राघवाचार्य मद्रास प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (I) 06902—वैधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबाड़ी के स्थानापन्थ व्यवसायिक सहायक श्री टी० के० सरकार को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्थ रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री टी० के० सरकार प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय, मोहनबाड़ी में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05821—वैधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय, के व्यवसायिक सहायक श्री अशोक कुमार बनर्जी को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्थ रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री अशोक कुमार बनर्जी, स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05890—वैधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय, पोर्टब्लेयर के व्यवसायिक सहायक श्री जे० बनर्जी को 22 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्थ रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्थ सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री जे० बनर्जी प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के अधीन मौसम केन्द्र, भुवनेश्वर में तैनात किए गए हैं।

एम० आर०एन० मनियन
मौसम विशेषज्ञ
कूटे वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० ए०-३२०१३/३/७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने तदर्थ अधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे निम्नलिखित 12 तकनीकी अधिकारियों को 29 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से, स्थायी रूप से आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग

में नियुक्त आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है :—

1. श्री पी० एल० मोदगिल
2. श्री एम० एस० कृष्ण
3. श्री एस० के० दास
4. श्री ए० एन० नाथ
5. श्री बी० एस० प्रेवाल
6. श्री सी० आर० नरसिंहम्
7. श्री बी० आर० चतुर्वेदी
8. श्री ओ० सी० अलेगजेंडर
9. श्री जे० के० भट्टाचार्य
10. श्री सी० बी० बेंकटेशन
11. श्री पी० एस० धुन्ता
12. श्री एस० बी० अम्यर

2. इस विभाग की दिनांक 18 अगस्त, 1975 की अधिसूचना
सं० ए० 32013/3/75-ई० सी० एतद्वारा रह की जाती है ।

सं० ए०-12025/4/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री
नरसिंह राव को 23 सितम्बर 1975 (पूर्वाह्नि) से अगले
आदेश होने तक अस्थायी आधार पर रेडियो निर्माण और विकास
एकक, सफदरजंग एक्सपोर्ट, नई दिल्ली में तकनीकी अधिकारी
के रूप में नियुक्त किया है ।

सं० ए०-32013/9/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक,
रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के
श्री के० बेंकटेशवर राव, तकनीकी अधिकारी को 10-10-75,
से, तथा अगले आदेश होने तक, तदर्थं आधार पर वरिष्ठ तकनीकी
अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उसी स्टेशन पर तैनात
किया है ।

हरबंस लाल कोहली
उत्तरान्देशक (प्रशासन)
कृते महान्देशक नागर विमानन

नई दिल्ली-110022, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० ए०-32013/8/73-ई० (एच०)—केन्द्रीय सिविल
सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के
उपनियम (i) के अधीन नागर विमानन विभाग के श्री एन०
राधाकृष्णन, वैज्ञानिक अधिकारी की सेवाएं 10 अक्टूबर, 1975
से समाप्त कर दी गई हैं ।

टी० एस० श्रीनिवासन
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालिय

चण्डीगढ़, दिनांक 1 नवम्बर 1975

सिवबन्दी

सं० 126—श्री के० एल० कट्टाल निरीक्षक (सलेक्शन
ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय चण्डीगढ़, की नियुक्ति
2-336GI/75

श्रीधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रमः
रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-
ई० बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है । उन्होंने
श्रीधीक्षक श्रेणी II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क पटियाला के पद का
कार्यभार, दिनांक 11-8-1975 के पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया है ।

सं० 127—श्री सरदार सिंह निरीक्षक (सलेक्शन ग्रेड)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय चण्डीगढ़, की नियुक्ति श्रीधीक्षक
श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम रु० 650-30-
740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-
1200 पर अगले आदेश तक की गई है । उन्होंने श्रीधीक्षक श्रेणी-II
केन्द्रीय उत्पादन जम्मू के पद का कार्यभार, दिनांक 12 अगस्त
1975 के पूर्वाह्नि से ग्रहण कर लिया है ।

सं० 128—श्री बी० एम० राय निरीक्षक (सलेक्शन ग्रेड)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय चण्डीगढ़, की नियुक्ति श्रीधीक्षक
श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम रु० 650-
30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-
40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है । उन्होंने श्रीधीक्षक श्रेणी-II
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क गुडगांव के पद का कार्यभार, दिनांक 22 अगस्त
1975 के पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया है ।

सं० 129—श्री पी० पी० सिंह निरीक्षक (सलेक्शन ग्रेड)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय चण्डीगढ़ की नियुक्ति श्रीधीक्षक
श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम रु० 650-30-
740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-
1200 पर अगले आदेश तक को गई है । उन्होंने श्रीधीक्षक श्रेणी-II
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क जलन्धर के पद का कार्यभार दिनांक 1-9-
1975 पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया है ।

सं० 130—श्री रविंद्र लाल निरीक्षक (सलेक्शन ग्रेड)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय नई दिल्ली, की नियुक्ति
श्रीधीक्षक श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम :
रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-
बी०-40-1200 पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने
श्रीधीक्षक श्रेणी-II केन्द्रीय, उत्पादन शुल्क फरीदाबाद के पद का
कार्यभार दिनांक 4-9-75 के पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया है ।

सं० 131—श्री ओ० पी० जरैथ निरीक्षक (सलेक्शन ग्रेड)
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालिय चण्डीगढ़, की नियुक्ति श्रीधीक्षक
श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम : रु० 650-30-
740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-
1200 पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने श्रीधीक्षक श्रेणी-
II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क रोहतक, के पद का कार्यभार दिनांक
6-8-1975 के पूर्वाह्नि में ग्रहण कर लिया है ।

बी० के० सेठ
समाहर्ता

पटना, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० 11(7) 5-स्था०/75—केन्द्रीय उत्पादन तथा सीमा शुल्क
समाहर्तालिय, पटना के निम्न स्थानापन्थ अधीक्षक, द्वितीय श्रेणी-

अपने नामों के समक्ष निर्दिशित तिथि तथा समय से सेवा-निवृत्ति
द्वारा ।

क्र० सं०	नाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री बी० सी० दास	31-8-75 (अपराह्न)
2.	श्री एक० सिंहौकी	30-9-75 (अपराह्न)
3.	श्री एस० डी० दास	30-9-75 (अपराह्न)

हस्ताक्षर अपडनीय
समाहृता,
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

दिल्ली-12, दिनांक 30 सितम्बर 1975

सं० 10/1975—कुमारी एन० सुन्दूलकमी, रसायन सहायक
ग्रेड-I-, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला मद्रास को दिनांक 27 सितम्बर,
1975 से आगामी आदेषों के जारी होने तक केन्द्रीय राजस्व
नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली में सहायक रसायन परीक्षक,
के पद पर सामरिक (प्राविजनल) रूप से नियुक्त किया गया
है।

वै० सा० रामनाथन
मुख्य रसायनज, केन्द्रीय राजस्व

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० ई० आर० बी० 1/75/10/5—रेलवे बोर्ड में सहायक
श्री तिलक राज गुजराल को 2-7-1975 के पूर्वाह्न से 18-8-
1975 के पूर्वाह्न तक स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी के रूप में
पदोन्नत किया गया था।

अमृत लाल गुप्त
सचिव, रेलवे बोर्ड

एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव
मध्य रेल

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बी० ई० बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० एच० पी० बी०/220/जी०/1/टी० सी०—भारतीय
रेलवे ग्रातायात सेवा के निम्नलिखित परिवीक्षाधीन अधिकारियों
को अपनी परखावधि पूरी करने पर अवर वेतनमान/श्रणी-I में
दृष्टके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से स्थायी किया गया है:—

क्र० सं०	नाम	तारीख
1.	श्री जे० जे० मल्होत्रा	29-10-71
2.	श्री पी० सी० जोशी	2-11-71
3.	श्री आर० एन० आगा	7-11-71
4.	श्री एम० एन० चोपड़ा	14-10-72
5.	श्री असित	1-2-73

अर्जुन परसाद
कृते महाप्रबन्धक

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एथ्यू/ 1/एस० आर० - 111/
मार्च-1/653 (21) /75-76:—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली,
जो दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखी राम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
हर राम, निवासी जोनापुर गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली, (अन्तरक)

(2) श्री जी० डी० तिवारी, सुपुत्र श्री० शिव दयाल तिवारी,
एफ० ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीगा तथा 1
विसवा (वरीब 6081 वर्ग गज) है, मुस्तातील नं० 15, किला
का भाग जिसका नं० 11, है और जोकि जोनापुर, गांव, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/1/एस० आर०-111/
मार्च-1/ 650 / (18) /75-76:—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली,
है, जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखी राम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
हत राम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई
दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मै० दिवान चन्द 33-बी, पूसा रोड, नई दिल्ली-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीगास तथा 6 बिसवा
(करीब 6048 वर्ग गज) है और मुस्तातील नं० 14, किला
का भाग जिसका नं० 13/2 तथा 14 है तथा जो कि जोनापुर
गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 1/एस० आर० -111/
मार्च - 1 /651/(19) /75-76:—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, महरौली, नई दिल्ली, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई-
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखी राम, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री हत राम, निवासी जोनापुर गांव, तहसील
महरौली, नई दिल्ली, दिल्ली-1 (अन्तरक)

(2) मैसर्स अनसल एण्ड सैगल (प्रा०) लि०, अनसल भवन,
कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीगास तथा 1
बिसवा (करीब 6100 वर्ग गज) है और मस्तातील नं० 13,
किला का भाग जिसका नं० 6 तथा 7/1 है तथा जोकि
जोनपुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली, दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज - 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१ /एस० आर० -111/
(37) /अप्रैल-111/736/75-76:—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 9/5 है, जो कालका जी नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-4-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा के
लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लै० कं० रीशी बार चैटरजी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस०
एन० चैटरजी, निवासी 8/9, कालकाजी, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरण सिंह सिकन्द, निवासी 4, टैलीग्राफ लेन,
नई दिल्ली-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

लीजहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 353-33 वर्ग गज
है और नं० 9/5 है तथा जोकि कालकाजी, नई दिल्ली-110019
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

उत्तर-पश्चिम :	लेन
दक्षिण-पूर्व :	सड़क
पूर्व-उत्तर :	प्लाट नं० 9/4
पश्चिम-दक्षिण :	प्लाट नं० 9/6

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-75
मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एस०/1/एस० आर०-111/
मई-11/681/(35)/75-76/-पतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा, 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस -266 है, जो ग्रेटर कैलाश -11, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 31-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपो में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री करनल हरीश सी० तनेजा, सुपुत्र श्री वासदेव
तनेजा, निवासी ए-11/1 वसन्त विहार, नई दिल्ली 1
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कला देवी, पत्नी श्री० गुलाब सिंह, निवासी
4-ए/29, बंगलो रोड, जवाहर नगर, नई दिल्ली,
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अमुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 299 वर्गगज है
और नं० एस-266, ग्रेटर कैलाश -11, नई दिल्ली में दिल्ली मुन्य-
सिपल कारपोरेशन की सीमा के अन्दर, बहारपुर गांव के राजस्व
राज्य में, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: सङ्क
उत्तर	: प्लाट नं० एस-264
दक्षिण	: प्लाट नं० एस-268

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 1-11-1975
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

नईदिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० री० /एक्य०/1/एस० आर०-111
मार्च-11/670/(9) /75-76:— यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);
की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० ई-507 है, जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण और रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एस० डी० शर्मा, सुपुत्र पं० बुश्रादत्ता, निवासी
डी-14 ए/18, माडल टाउन, दिल्ली-1 (अन्तरक)

(2) सतीश कुमार तथा मोहिन्द्र कुमार भुरारीया, राकेश
कुमार भुरारीया, सुपुत्र श्री मन्दीलाल भुरारीया,
निवासी 43-ए, कमला नगर, सब्जी मण्डी,
दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के इक्षेन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्रांकोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 400 वर्गगज है
और नं० 507 ब्लाक 'ई' है तथा जोकि ग्रेटर कैलाश-11, नई
दिल्ली-48, मुन्यसिपिल कारपोरेशन के अन्तर्गत राजस्व राज,
बहादुरपुर गांव, दिल्ली राज्य में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: सड़क
पश्चिम	: सर्विस लेन
उत्तर	: प्लाट नं० ई-509
दक्षिण	: प्लाट नं० ई-505

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नईदिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /2 एम/आर०-111/
मार्च-1/654/(13)/75-76:—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० जोनपुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली, नईदिल्ली
है, जो नईदिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नईदिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 6-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-336GI/75

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
हतराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नईदिल्ली
(अन्तरक)

(2) मै० कान्टीनेनटल कनस्ट्रक्शन क० (प्रा०) लि० ई०-11,
डिफेन्स कालोनी, नईदिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बींगास तथा 5 बिसवा है
है और मुस्तातील नं० 13, किले का भाग जिसका नं० 25 तथा
26 है तथा जो कि जोनपुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली
की यूनियन टेरोटरी में, नईदिल्ली में स्थित है

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नईदिल्ली-1.

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नईदिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०एक्य०/१ एस० आर० - 111/
मार्च-1/ 652 (20) /75-76/—प्रतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- हू० से अधिक है

और जिनकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नईदिल्ली,
दिल्ली है, जो नईदिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नईदिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) अधीन तारीख 6-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीचन्द, बालूतपा लखी चन्द, सुपुत्र स्वर्गीय, श्री
हत राम, निवासी जोनापुर, गांव, तहसील महरौली
नईदिल्ली, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री सतीश्वर कुमार मारवाह, सुपुत्र लालाहजारी लाल
मारवाह, सी०-२, राजौरी गार्डन, नईदिल्ली १
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्डलाइट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 बीगास तथा 1 बिसवा
(करीब 6081 वर्गगज) है और मुस्तासतील नं० 15, किला का
भाग जिसका नं० 12 तथा 19 है तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील
महरौली, नईदिल्ली, दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नईदिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली

4/14 ए आसफग्रामी रोड़ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक, 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१ एस० आर०-III/
मार्च-1/643 (11) /75-76:—यतः, मुझे, क० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, दिल्ली, नई-
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरीबन्द, बालू, तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय,
श्री। हत्तराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री किरणजीत सिंह, सुपुत्र च० अमरजीत सिंह, सी-
95, न्यू दिल्ली राउथ एक्सटैक्शन, नई दिल्ली-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फी होल्ड भूमि जिसका धेत्रफल 5 वीधा तथा 5 वीसवा
(करीब 5290 वर्गगज) है और मुस्तातोल नं० 14, किले
का भाग जिसका नं० 5 तथा 6 है तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली

4/14 ए आसपगली रोड नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निदान सं० आई० ए० सी० /एम्यु० /१/एस० आर०-III/
मार्च-1/647/(15)/75-76:—यतः मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 5-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और और यह अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहें था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय,
श्री० हृतराम जोनापुर, गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह गम्भीर, सुपुत्र श्री० गियान सिंह
गम्भीर, बी-8/4, पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीदोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघा तथा 15 बिसवा
(करीब 5794 वर्गगज) है और मुस्तातोल नं० 12, किला का
भाग जिसका नं० 10 तथा है तथा जो कि जोनापुर गांव,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975
मोहर :

प्रलेप ० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली
4/14-ए आसाफगढ़ी रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
मार्च -1/644/(12)/75-76—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मुस्तातोल नं० 13 तथा 14, किला
नं० 25 तथा 5, जो जोनापुर गांव, महरौली तहसील,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
6-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखोराम, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री० हत्तराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली। (अन्तरक)
(2) श्री प्यारे लाल हरी सिंह, सदर बाजार, दिल्ली कैन्ट,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका धोत्रफल 5 बीघा तथा 5 बिसवा
(करीब 5290 वर्गमीटर) है और मुस्तातोल नं० 13, किले का
भाग जिसका नं० 25 और मुस्तातोल नं० 14, किले का भाग जिसका
नं० 5 जो कि है तथा जो कि जोनापुर गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

तारीख : 1-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

4/14-ए आसफग्रामी रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०० /१/एस० आर० -III
मार्च-11/677/ (27) /75-76—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० आर-5 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्वी रूप रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-3-75 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

गत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जंगबहादुर सिंह, सुपुत्र श्री जगदीश सिंह (डायरेक्टर)
मैं० श्रीटानीया विरक्ट कं० लि० बम्बई, आर-5,
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री रवी खसा, सुपुत्र श्री अमलोक राम खसा, टोक टी
इस्टेट, टेक्नोक, पौ० आकिस सबसागर, जिला आसाम
(अन्तरिती)
- (3) मैसर्स आई० टी० सी० लि०, (होटल डिवीजन)
डी-151, डिफेंस कालौनी, नई दिल्ली (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) 1. श्री ए० पी० मादवनकर, टी० सी० लि०
(होटल डिवीजन) डी-151, डिफेंस कालौनी, नई
दिल्ली 2. श्री० के० मुकरजी, माकैटिंग मैनेजर
आई० टी० सी०, लि० डी-151, डिफेंस कालौनी,
नई दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक मकान जो कि निम्न मंजिल पर है और जिसका न० ५-आर
ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में है जिसमें वह सभी अधिकारी, टाइरी-
टलस, इन्ट्रोस्ट इत्यादि हैं तथा जोकि कालकाजी रोड पर, दिल्ली
राज्य में, मुन्यसिपल कारपोरेशन (दिल्ली) की सीमा के अन्तर्गत
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: मकान न० आर-4
पश्चिम	: मकान न० आर-3
उत्तर	: सड़क
दक्षिण	: सर्विस लेन

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-1
तारीख : 1-11-1975
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

4/14 ए आसफाली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/१ /एस आर-III
मार्च-1/655 (23) /75-76—यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रमाण निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीचन्द्र वालू तथा लखी राम, सुपुत्र स्वर्णीय श्री हत्तराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री रवीकन्द तरेहन, सुपुत्र श्री जगदीश राम तरेहन, बीएन्स प्रकाश, सुपुत्र श्री जगत राम, तरेहन, जै० कुमार, तरेहन सुपुत्र श्री जगदीश राम तरेहन, जयत कुमार तरेहन, सुपुत्र श्री जगत राम तरेहन, निवासी 27/13, शक्ति नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बीघे तथा 4 बिसवा (करीब 7256 वर्गगज) है और मुस्तातोल नं० 14, किले का भाग जिसका नं० 15 तथा 16/1 है जोकि ग्रोन ब्लेट के नीचे है तथा जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

चं० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1,

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, दिल्ली

5/14 ए आसफशाली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु/१/ एस० आर०-III/
मार्च-1/646/ (52) /75-76—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई
दिल्ली है, में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत¹
'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री हतराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मै० अमर नाथ चिरंजी लाल, सनलाइट ब्लिंडिंग,
(पहली मंजिल) आसफ अली रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया, करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बावर में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एव्वटीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में व्याख्यायिक हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 बीघे तथा 5 विसवा
(करीब 5290 वर्गगज) है और मुस्तातोल नं० 13, किला का
भाग जिसका नं० 15 तथा 16 है तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 1-11-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली

4/14 ए आसफगढ़ी रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० /१/एस० आर० -III/
अप्रैल/11/(21)/727/75-76:— यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० किला नं० 22 तथा 21/2 है, जो जोनापुर
गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 21-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—336GI/75

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
हुतराम जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली
(जरनल एटारनी श्री प्रेम नाथ, सुपुत्र श्री हंस राज,
1656, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली तथा श्री
नरेन्द्र आनन्द, सुपुत्र श्री गियाण चन्द, निवासी
1632 नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल आनन्द, पत्नी श्री० नरेन्द्र आनन्द,
1632, नाईवाला, करौल बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 7 बीघे (करीब 7037 वर्गमील) है
और मुस्तातोल नं० 15, किले का भाग जिसका नं० 22 तथा 21/2
है तथा जोकि जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित
है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा।
269-व (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 दिल्ली

4/41 ए आसफाबाली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० ८०/एक्य०/१/ एस० आर० -III/
भार्च-1 /655/(23) /75-76:— यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा २६९-व के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य २५,०००/रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जोनापुर गांव, है, जो तहसील महरौली, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,
तारीख ६-३-१९७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(३) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरीचन्द, बालू राम तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री हतराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली,
नई दिल्ली। (अन्तरक)
(2) श्री राजीन्द्र कुमार हंस विजय कुमार हंस, सुपुत्र
श्री रामलाल हंस, १७०४, प्रताप स्ट्रीट, पहाड़गंज
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल ६ बीघे तथा १ बीसवा
(करीब ६१०० वर्गगज) है और जोकि ग्रीन बैल्ट के नीचे है और
मुस्तातोल नं० १३, किले के भाग जिसका नं० ४/२ तथा ५ है तथा
जो कि जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

च० वि० गुप्ते
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज/१ दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : १-११-१९७५

मोहर :

प्ररूप आई० दी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1.

नई दिल्ली, दिनांक, 1 नवम्बर 75

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्ष० 1/एस० आर० -111/
मार्च -1/ 648 (16) /75-76 :—यतः, मुझे अं० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

जिसकी सं० जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरीचन्द्र, बालू तथा लखीराम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री
हत्तराम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलजीत कौर, पत्नी एस० हरभजन सिंह, ए०
डी-22, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्तकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्रीहोल्ड भूमि जिसका थेट्रफल 5 बिगास तथा 15 बिसवा
(करीब 5794 वर्ग गज) है और मुख्तातोल नं० 12, किला का
भाग जिसका नं० 1 तथा 10 है तथा जो कि जोनापुर गांव, तहसील,
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 1-11-1975
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज 1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 1 /एस० आर०-111/
मार्च -1/ 642 (10) /75-76:--पतः, मुझे, चं० चिं० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० जोनापुर गांव, जो तहसील महरौली, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 6-3-1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री हरीचन्द, बालू तथा लखी राम, सुपुत्र स्वर्गीय श्री०
हरताम, जोनापुर गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली
अन्तरक)

(2) (जैसा कि सलग्न है)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(1) भगत कनस्ट्रक्शन कं० लि०, सी-136, डिफेन्स कालीनी,
नई दिल्ली ।

(2) श्री० सतीश कुमार मारवाह, सुपुत्र लाला हजारी लाल
मारवाह, सी-2, राजीरी गाड़न, नई दिल्ली ।

(3) श्री० जी० डी० तिवारी, सुपुत्र श्री शिव दयाल, ति-
वारी, एफ०-68, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(4) श्री रवीकान्त तरेहन, सुपुत्र श्री जगदीश राम तरेहन,
बीएन्स प्रकाश, सुपुत्र श्री० जगत राम तरेहन, जै कमार
तरेहन, सुपुत्र श्री जगदीश तरेहन, जयंत कुमार तरेहन,
सुपुत्र श्री० जगत राम तरेहन, सभी निवासी 27/13,
शक्ति नगर, नई दिल्ली ।

(5) मै० दिवान चन्द, 33-बी०, पूसा रोड, नई दिल्ली ।

(6) श्री किरणजीत सिंह, सुपुत्र चं० अमरजीत सिंह, सी-
95, एन० डी० एस० सी०, पार्ट, 11, नई दिल्ली ।

(7) मै० प्यारे लाल हरि रिह, सदर बाजार, दिल्ली केन्द्र ।

(8) कान्टोनेंटल कनस्ट्रक्शन कं० (प्रा० लि०, ई-11,
डिफेन्स कालीनी, नई दिल्ली ।

(9) मै० अमरनाथ चरिनजी लाल, पहली नजिल, सनलाइट
ब्लिंडिंग, आस्फ अली रोड, नई दिल्ली ।

(10) अनसल तथा सैगल प्रापरटीइंस (प्रा०) लि० अनसल
भवन, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(11) श्री० रायजन्क कुमार हंस तथा श्री० विजय कुमार
हंस, सुपुत्र श्री रामलाल हेम पाटनरस आफ राम लाल
हंस एण्ड संस, 1704, प्रताप स्ट्रीट, पहाड़ गज, नई
दिल्ली ।

(12) श्री सुखदेव सिंह गम्भीर, सुपुत्र श्री गियान
सिंह, बी-8/4, पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली ।

(13) श्रीमती कुलजीत कौर, पत्नी श्री० हरभजन सिंह,
एन० डी० /22, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पर तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघास तथा 19 बीसवा
(करीब 3982 वर्गजग) है और मुस्तातोल नं० 13 तथा 14, किले
का भाग जिसका नं० 5, 6, 15, 16 तथा 25 है तथा जोकि जोना-
पुर, गांव, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

चं० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज 2, दिल्ली - 1.

नई दिल्ली, दिनांक, 31 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 11/2112 (918)/
75-76/4505 :—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जी-10 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-6-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहनद्विंशी, सुपुत्र श्री एस० नानक रिह, 2537-48, चुना मण्डी, पहाड़गांव, दिल्ली (अन्तरक)
(2) श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किशोरी राम, एम० -40 कीति नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री होल्ड प्लाट की भूमि जिल्हा नं० 10, ब्लॉक, नं० 'जी' है और क्षेत्रफल 233 वर्गगज है तथा जोकि बाली नगर के बसाए बारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से विवरा है:—

पूर्व :	सड़क 15' चौड़ी
पश्चिम :	प्लाट नं० जी-9
उत्तर :	सड़क 15' चौड़ी
दक्षिण :	सर्किल लेन

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31-10-1975

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 75

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 11/1944/ 75ब76/
916/4505:— यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-3078 है, जो प्रताप स्ट्रीट, दरयां गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपांग अनुसूची में और पूर्वी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीषण ऐसे अंतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रकाशवती, पनी श्री० मल चन्द, 3078-ए, प्रताप स्ट्रीट, दरयांगंज, दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल, सुपुत्र श्री० रामलाल, 1546 सुईवाला, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बुमंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 42.5 वर्गमीटर है और नं० 3078 ए है तथा प्रताप स्ट्रीट, दरयांगंज दिल्ली में स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 31-10-1975
मोहर :

प्र० र० आ० ई० टी० ए० न० ए० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1.

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आ० ई० ए० सी० /एक्य० 11/292 (915)/
75-76/4505 :— यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जे-2/9 है, जो कृष्णा नगर, गानडाली गांव,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-3-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधाके लिए ; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कमल नारायण मल्होत्रा, सुपुत्र डा० र० नारायण
मल्होत्रा, 4 सी, गोवन कालौनी, रामपुर (यू० पी०)
(अन्तरक)

(2) श्री काशमीर सिंह, सुपुत्र श्री अमर सिंह, निवासी
भागना गांव, जिला कापूरथला (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो कि जमीन के टुकड़े पर जिसका क्षेत्रफल 299.15
वर्गगज है और जोकि प्लाट नं० ब्लाक नं० जे-2 में पूरी जमीन
जिसका कुल क्षेत्रफल 458.3 वर्गगज पूर्वी भाग है तथा खसरा
नं० 506 है और जोकि गानडाली गांव में निवासी कालौनी कृष्णा
नगर, दिल्ली में स्थित है ।

एस० एन० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1.

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 11/1828 (91)/
75-76/4505:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी०-36 क 1/2 भाग है, जो बाली नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में शूरू पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 7-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह, सुपुत्र एस० प्रेम सिंह, डी-37,
बाली नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
(2) श्रीमती वर्षा रानी चावला, पत्नी श्री विरेन्द्र कुमार
चावला, 2377, चिप्पीचाला, कालन, दिल्ली-6
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर
जिसका क्षेत्रफल 150 वर्गगज है और नं० 36, ब्लाक नं० 'सी'
बाली नगर, नई दिल्ली में बसाए दारापुर गांव दिल्ली राज्य,
दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: सड़क
उत्तर	: प्लाट सी-35
दक्षिण	: सर्विस लेन

एस० एन० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्य०/11/1828 (913)/75-
76/4505:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी-36 का 1/2 भाग है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—336GI/75

(1) श्री हरभजन सिंह, सुपुत्र एस० प्रेम सिंह, डी-37, बाली नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री विरेन्द्र कुमार चावला, सुपुत्र श्री मुलख राज चावला 2377, चिप्पीचाला कालन, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 150 वर्गमीटर है और नं० 36, ब्लाक नं० 'सी', बाली नगर, नई दिल्ली में वसाए दारापुर गांव दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: सर्विस लेन
पश्चिम	: सड़क
उत्तर	: प्लाट नं० सी-35
दक्षिण	: सर्विस लेन

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-2, दिल्ली,
4/14-ए, आसफ ग्राउंड रोड,
नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1840(912)/
75-76—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० 28/89 है, जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण लाल सुपुत्र श्री मथुरा दास, 28/89, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रानी आनन्द, सुपुत्र श्री विश्वा मीतर आनन्द, निवासी 28/89, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्पादारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

प्रब्लीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सरकारी बने मकान जिसका नं० 28/89, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली है तथा जोकि लीजहोल्ड प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 100 वर्गगज है तथा निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	गली
पश्चिम :	सड़क
उत्तर :	जी० बी० पी०
दक्षिण :	गली

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1

4/14 ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2083(917)/
75-76—प्रतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-10 है, जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री बिरेन्द्र कुमार (2) बच्चन सिंह (3) रत्नबीर सिंह, सुपुत्र श्री रामा नन्द पंडित, निवासी बसाए दारापुर, दिल्ली (अन्तरक)
(2) श्री गियान चन्द, सुपुत्र श्री सन्त लाल, निवासी ए-106, शारदापुरी, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का 3/4 अविभाजित भाग जिसका धेनफल 312 बर्ग गज है और प्लाट नं० 10 ब्लाक नं० ई कालोनी जोकि बाली नगर के नाम से जानी जाती है, नई दिल्ली के गांव, बसाए दारापुर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 11
पश्चिम : प्लाट नं० 9
उत्तर : सड़क तथा पार्क
दक्षिण : गली 15' चौड़ी

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 सितम्बर 1975

निदेश सं० 40-पी० /एक्यु—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गोलाबाजार वार्ड नं० 4 है, तथा जो खलीलाबाद, बस्ती में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खलीलाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्कह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्षतः—

(1) श्री केदारनाथ

(अन्तरक)

(2) श्रीप्रेम चन्द्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान—जिसका क्षेत्रफल 284 फीट 6 इंच है जो कि गोला बाजार वार्ड नं० 4 तहसील खलीलाबाद जिला बस्ती में स्थित है।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-9-75
मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 41-के० /एक्टु :—अतः मुझे, विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
जिसकी सं०— है तथा जो जिला-नैनीताल में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
मध्यने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की
उपावद्धा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,
अधिकृत :—

(1) श्री चन्द्र लाल साह

(अन्तरक)

(2) श्री करम माया दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 177 नाली है जो जिला नैनीताल
में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 25-10-75

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निदेश नं० 85 - एस/एक्यू—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० 17 है तथा जो हैस्टिग रोड, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ई० ए० एन० मुकर्जी (अन्तरक)

(2) श्री एस० शर्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नूजूल प्लाट नं० 17 जो नसीबपुर भगतीपारा, हैस्टिग रोड पर स्थित है जिसके साथ बंगला, बाहरी हिस्सा गैरेज बाग तथा बाउण्डरी बाल भी है जिसका क्षेत्रफल 2420 गज है।

विशम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश नं० 42-पी /एक्यु—श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ,
आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है जिसकी सं० 386 है तथा जो ग्राम—हीमपुर तह० धामपुर जिला बिजनौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चदापुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अब्दुल हक व अल्ला

(अन्तरक)

(2) श्री फत्तू सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या लसांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि—जिसका क्षेत्रफल 36 बीघा 14 बिस्ता है जो कि ग्राम हीमपुर बुर्जग प० बुरपुर तह० धामपुर जिला बिजनौर में स्थित है ।

विशम्भर नाथ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-9-75

मोहर :

प्रस्तुप्राई० दी० एन० एस० ——

(1) श्री अब्दुल हक व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पूरन सिंह

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश नं० 41-पी/एक्यु—अतः मुझे, विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 386 है तथा जो ग्राम हीमपुर तहसील धामपुर जि० विजनीर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि—जिसका क्षेत्रफल 36 बीघा 14 बिस्त्रा है जो कि ग्राम हीमपुर बजुर्ग प० बूढ़पुर तह० धामपुर जिला विजनीर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-9-1975
मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना
पटना, दिनांक 31 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० III-114/अर्जन / 75-76 / 1459—अतः
मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी प्लाट सं० 4 एवं 1 (हिस्सा) है, तथा जो मुजफ्फर
पुर शहर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रवि नन्दन सहाय बल्द श्री कृष्ण नन्दन सहाय
तथा श्रीमती शकुन्तला सहय जौजे श्रीकृष्ण नन्दन सहाय
सां/पो० -बाधी, ना कुड़ी, जिला मुजफ्फरपुर,
(अन्तरिती)

(2) सहाय प्रोपर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० द्वारा
रवि नन्दन सहाय, प्रबन्ध निवेशक, सहाय भवन
मुजफ्फरपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवेदी अधि-
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस 'संस्कृतीय'
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ मकाने, पे० - पौधे इत्यादि जिसका रक्का
19 कट्टा 16धूर 44बर्गफीट, प्लाट सं० 4 (पुरा), 1 (हिस्सा)
हो० सं० 13 'ब' का हिस्सा, 13 स, 14 का हिस्सा सर्किल
सं० III-डी, वार्ड सं० 26 है जो शहर मुजफ्फरपुर में है तथा
जिसका विवरण दस्तावेज सं० - 4178 दिनांक 7-3-75 में
पूर्ण तया है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार पटना

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जत्:—
6—336GI/75

तारीख : 31-10-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक, 31 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० III - 113/अर्जन / 75-76 / 1458—यतः
मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है

जिसकी हो० सं० 13 "ब" का हिस्सा है, तथा जो मुजफ्फरनगर
शहर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 8-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, प्रियाने में सुविधा के लिए

(1) श्री रवि नन्दन सहाय वल्द श्री कृष्ण नन्दन सहाय
सा० /पो० -बांधी, थाना -कुड़नी, जिला मुजफ्फर-
पुर
(अन्तरक)

(2) सहाय प्रोपर्टीज एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०, द्वारा
श्री रवि नन्दन सहाय, प्रबन्ध निवेशक, "सहाय
भवन" मुजफ्फरपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितन
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ मकाने, पेंड-पौधे इत्यादि जिसका रकमा०
2कत्ता 2धूर एवं 30 वर्गफीट है जो स्टाफ क्वार्टर है, जिसका हो०
सं०-13 थ का हिस्सा है, सर्किल सं०-III डी, वार्ड सं०-26, तथा जो०
मुजफ्फरपुर शहर में स्थित है जिसका विवरण दस्तावेज
सं०-4226, दिनांक 8-3-75 में पूर्णतया है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटा०

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
म, यै, [उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 31-10-75

मोहर :

प्रख्यात आई० ट्र० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० III -992 /अर्जन/ 75-76 /1457 :—यतः
मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

जिसकी सं० प्लाट सं० 3, 5, तथा 2 का (भाग) है, तथा जो मुजफ्फरपुर शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-85 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यद्यपि उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात् :—

(1) श्रीमती स्नेह लता देवी जौजे स्व० हरि नन्दन सहाय, सा० /पो० बाधी, थाना-कड़नी, जिला मुजफ्फरपुर (अन्तरक)

(2) सहाय प्रोपटीज एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० लि० द्वारा श्री रवि नन्दन सहाय, प्रबन्ध निदेशक, सहाय भवन, मुजफ्फरपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ मकानें पैड़ पौधे इत्यादि जिसका रकबा 12 कट्टा 3 धूर और 26 वर्गफीट है और जिसका प्लाट सं० 3, 5, (पुरा) तथा 2 का हिस्सा, हो० सं० -13 ब (हिस्सा), 14 (हिस्सा), 16, 17 तथा सक्किल, सं० III डी, वार्ड सं० 26 है और जो शहर मुजफ्फरपुर में है तथा जिसका विवरण दस्तावेज सं० 4228 दिनांक 8-3-75 में पूर्ण तया है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विहार पटना

तारीख : 31-10-75

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० III -999 /अर्जन/75-76/1456:—यतः
मूझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी शे० सं० 184 (नया,) 167 (पुराना) है, तथा
जो आरा शहर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
भोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन, तारीख 17-7-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करत या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सत्यदेव प्रकाश सिंह वल्द स्व० सी०पी० सिंहा
एडवार्ड घर, आरा, जिला भोजपुर, द्वारा श्री एस० जे०
शास्त्री वल्द स्व० श्री एस० राजगोपालन (आटार्नी)
(अन्तरक)

(2) श्री भगवत प्रसाद वल्द स्व० श्री रमानन्द लाल (निदेशक)
कृते एम०/ एस० इन्डो वर्मा एंजेंसिज प्रा० लि०,
इस्टर्न विंग, एडवार्ड घर, आरा शहर, जिला भोज-
पुर (अन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बास्त
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पक्के दो मंजिला मकान का एक हिस्सा जिसके साथ वाहरी
घर बाग वगैरह और जिसका रकबा 81 कट्टा 8 धूर, जो कि
एडवार्ड हाउस आरा शहर, ओ० सं० - 184 (नया)
167(पुराना) वा सं०-13 (नया 15) सकिल सं० 6, सीट सं० 9
और 17 खाता सं० - 610 प्लाट सं० 2780, 2781,
2784, 2785, 2786, पूरा एवं० -2782, 2779 3521,
3529, 3530, 3531, 2783(पार्ट) का हिस्सा है जो दस्तावेज
दिनांक 17-5-75 में वर्णित है।

ज्योतीबद्ध नाथ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना,
पटना, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निवेश सं० III ब110 /अर्जन/ 75-76/1455:—यतः
मुझे, ज्योतीन्द्रनाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी हो० सं० 184 (नया), 167 (पुराना) है, तथा जो प्रारा शहर में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 17-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ल) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शैलेन्द्र प्रकाश सिंह वल्द स्व० श्री सी० पी० सिंह एडवार्ड घर, आरा, जिला भोजपुर, द्वारा श्री कामेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव वल्द स्व० श्री सिद्धेश्वरी प्रसाद (अटार्नी) (अन्तरक)

(2) श्री भगवत् प्रसाद नल्द श्री रमानन्द लाल (निदेशक) कृते, एम० /एस० इन्डोवर्मा एजेंसिज प्रा० लि०, इस्टर्न बींग एडवार्ड घर, आरा शहर, जिला -भोज-पुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला पक्के, मकान का एक हिस्सा, जिसके साथ बाहरी घर, बाग बगैर ही और जिसका रकबा 920 कट्टा और 13 घूर जो कि एडवार्ड हाउस आरा, शहर, हो० सं० -184 (नया) 167 (पुराना) वा० सं० -13 (नया 15), सकिल सं० -6, सीट सं० 9 और 17 खाता सं० 610, प्लॉट सं०-3531, 3532, 2786 पूरा एवं 3528, 3529, 3530, 3533 तथा 2669 (पार्ट) का हिस्सा है जो दस्तावेज दिनांक 17-5-75 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार पटना

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक, 4 नवम्बर 75

निदेश सं० III 115/ अर्जन /75-76 /1499 :—यतः,
मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-प के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी हो० सं० 205 (पुराना) 198/203(नया) है, तथा
जो कुन-कुन सिंह गली, पटना-6 में स्थित है (और इससे उपलब्ध
ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-3-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प के
ग्रन्तिसूचना में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोरंजन धोष, महल्ला, मिखनापहाड़ी, थाना-
पीरवहोर, पटना प्रोपराइटर-एम० /एस० म० धोष
कोटोग्राफर अशोकराज पथ, पटना कालेज, पटना के
विपरित में (अन्तरक)

(2) श्री सत्येन्द्र कुमार, श्रीमती कौशल सिंहजीजे श्रीएस०-
के० सिंहा महल्ला पलकार नगर, पटना, श्रीमती नील
श्रीवास्तवा जीजे - श्री विजय शंकर, श्रीमती रुप श्रीजीजे
श्री बृज किशोर मिश्रा, श्री अरुण कुमार बसन्त
महल्ला महेन्द्र, पटना, सभी पार्टनर हैं एम० /एस०
मेडिकल ओपिंग इन्स्टीट्यूट, कुन-कुन सिंह गली,
साइन्स कालेज, के विपरित में, पटना-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विशाल वी मंजिला मकान जो कुन-कुन सिंह गली पटना में है
तथा जिसका रकवा 2418 वर्गफीट, एवं हो० सं० 205 (पुराना)
198/203 (नया), सर्किल सं० 32, वा० सं० 12, है और
जिसका विवरण दस्तावेज सं० 2693 दिनांक 20-3-75 में
पूर्णतया है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

तारीख : 4-11-1975

मोहर :

प्रकृष्ट शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 31 अक्टूबर, 1975

निवेश सं० 296/एकुरे III/ 75-76 /कल० :—अतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को यह
विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
मूल्य बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० 14 है तथा जो बालीगंज टेरास, कलकत्ता स्थित
है (और इससे उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, सियालदह, 24 परगणा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के मूल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्ध आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

(1) श्री प्रसान्त कुमार मुखार्जी 17, हिन्दुस्तान पार्क,
कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) श्री संकर लाल पाल और मदनगोपाल पाल 11 बि,
डॉटी० एन० मजुमदार, स्ट्रीट कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी गन्ध व्यक्ति द्वारा अधिहस्तात्मकी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2 कड़ा 11 छटांक 17 स्को० फुट जमीन जो पौर सं०
14 बालीगंज टेरास, कलकत्ता पर अब स्थित और उसका हिस्सा
है और जो सब रजिस्ट्रार, सियालदह द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल
सं० 571/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निवेश सं० 297/एकुरे III /75-76/कल०:—अतः मुझे,
एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
मूल्य बाजार मूल्य 25,000/- स्पेस से अधिक है और
जिसकी सं० 14 है, तथा जो बालीगंज टेरास, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालद, 24 परगणा
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 15-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, लेसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रति-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्रसान्त कुमार मुखार्जी, 17 हिन्दुस्तान पार्क,
कलकत्ता
(अन्तरक)
- (2) श्री संकर लाल पाल और मदन लालगोपाल पाल, 11
बिं, डॉ टी० एन० मजुमदार स्ट्रीट, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में यथो-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 6 छटाक 7 स्को० फुट खाली जमीन जो पौर
सं० 14 बालीगंज टेरास, कलकत्ता पर अब स्थित और उसका
हिस्सा है और जो सब-रेजिस्ट्रार, सियालदह द्वारा रेजिस्ट्रीकूत
दलिल सं० 966/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख : 31-10-1975

मोहर :

प्रूप शाई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० 208/एकुरे III /75-76 / कलकत्ता :—अतः
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० 82/9 डिं है, तथा जो बालीगंज प्लेस, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24
परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित रद्दैश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—336GI/75

(1) श्री बानी राय, (2) बन्द राम और (3) ग्राणीषराय,
सब का पता 176/14/3, रिजेन्ट एस्टेट, यादवपुर,
कलकत्ता - 32
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कविता राय 53, क्रीकरो, कलकत्ता - 14
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 10 छटाक 10 स्को० फीट जमीन जो 82/9
डिं, बालीगंज प्लेस, कलकत्ता पर अब स्थित और जो डिस्ट्रिक्ट
रजिस्ट्रार, आलिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दिलिल सं० I - 3254/
1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 31-10-1975

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अक्टूबर 75

निदेश सं० ए० सि० - 226 /आर०-4/कल० /75-76:—

अतः मुझे, ए० के० बटबियाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० 6 है तथा जो मूक्तारामबाबू स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3

1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण में, मेरे 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवान सिंह और श्रीमती सुरजबाला देवी (अन्तरक)

(2) श्री आनन्द लाल पोद्दार और सरस्वती देवी (अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग ये सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6, मुक्तारामबाबू स्ट्रीट, कलकत्ता में 2 कट्टा 90 छटाक 24 स्कोयर फिट जमीन और उसपर मकान।

ए० के० बटबियाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 30-10-1975

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक, 31-10-1975

निदेश स० ए० सी० 23/अ० रे० 5, / कल०/ 75-76:—

अतः मुझे, एस० एस० ईमानदार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० 1/ए है तथा जो बी० के० पाल लेन, कलकत्ता-30
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24
परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 31-3-75 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुबल चन्द्र पाल (2) चण्डी चन्द्र पाल (3)
निताई चरन पाल। (अन्तरक)

(2) सर्व श्रीमती सुलेखा गांगुली 2. रत्ना श्री चक्रवर्ती 3.
साधना राय 4. श्री प्राण गोबिन्द साहा 5. सर्व श्रीमती
मजु श्री पास 6. रमा सरकार 7. श्री हेम लाल साहा
8. श्रीमती कल्याणी रानी साहा 9. सर्वश्री नरेश
चन्द्र पाल 10. चन्द्रन दत्ता 11. बिष्णुपद मुखर्जी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खाली भूमि जिसका खेत्रफल 14 क० है तथा जो पूर्व विशा में
1/ए० बी० के० पाल लेन, कलकत्ता -30, स्थित है। दलील सं०-
2515 ता० 31-3-75

एस० एस० ईमानदार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 5, कलकत्ता ।

तारीख: 30-10-75

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 5, कलकत्ता

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 30-10-75

निर्देश सं० १० सी० २२/अ० रे० ५/कल०/७५-७६:—अतः
मुझे, एस० एस० ईमानदारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रभावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है और जिसकी
सं० १/ए है तथा जो बी० के० पाल लेन, कलकत्ता-20
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर, 24 परगना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-3-1975 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—(1) श्री सुबल चन्द्र पाल, 2, चण्डी चरन पाल, 3. निताई
चरन पाल (अन्तरक)(1) सब श्रीमती सुलेखा गंगली 2. रत्नाश्री चक्रवर्ती
3. साधना राय 4. श्री प्रान गोबिन्द साहा 5. सर्व-
श्रीमती मंजुश्रीदास 6. रमा सरकार 7. श्री हेमलाल
साहा 8. श्रीमती कल्याणी रानी साहा 9. सर्वश्री
नरेश चन्द्र पाल 10. चन्दन दत्ता 11. विष्णुपद
मुखर्जी (अन्तरिक्ति)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 के० १ छ० २९ वर्गफीट है
तथा जो परिचय में १/ए, बी० के०, पाल लेन, कलकत्ता, स्थित
है। बलील सं० २२६१ ता० २१-३-७५ कोएस० एस० ईमानदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 5, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16तारीख: 30-10-75
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता

54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक, 3-11-1975

निर्देश सं० ए० सी० 228/आर-4/कलकत्ता / 75-76:—
अतः, मूले, ए० के० बटथाल

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० 176-178 है तथा जो रबीन्द्र सरनी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से ऐसे दूसरमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री आशोक कुमार दत्त, (अन्तरक)
 (2) मैर्सर्स अमर नाथ धिरां एण्ड आर्डस (अन्तरिती)
 (3) श्री सुरेश कुमार धिरा, नरेश कुमार धिरा, धनराज-धिरा, सतीश अरोरा, पशुपति चन्द्र, कानाई लाल साधु निमाई चन्द्र साधु खां, रामप्रकाश अरोरा, कानाईलाल आगड़कल, बचन सिंह, कलावसर सिंह, गुप्त लाल खारवारी छेदी लाल सनबेदी, अमरनाथ भांरा, रामरत्न साड़, अशोक कुमार चावला, शेखर चन्द्र गाड़न (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समंदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 176 व 178 रबीन्द्र सरनी, कलकत्ता का 1/2 व्हिस्सा ।

ए० के० बटथाल
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4

54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16
तारीख : 3-11-75
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 3-11-1975

निर्देश सं० ए० सी० 227 /आर-4/कलकत्ता/75-76:—
अतः मुझे, ए० के० बट्थाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 176+178 है तथा जो रबीन्द्र सरनी में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अशोक कुमार दत्त (अन्तरक)
- (2) मैसर्स अमर नाथ धिरा एण्ड आदर्स (अन्तरिती)
- (3) श्री सुरेण कुमार धिरा, नरेण कुमार धिरा, धनराज-
धिरा, सतीश कुमार अरोरा, पण्पति चन्द्र, कानाईलाल
साधु निमाई चन्द्र साधु खाँ, रामप्रकाश अरोरा,
कानाईलाल आगलाल, बचन सिंह, कलाबसत सिंह,
गुप्तलाल खासारी छेदीलाल सनबेदी, अमरनाथ
भांरा, रामरत्न साँड़, अशोक कुमार चावला, शोभरचन्द्र
गाईन। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 176 व 178 रबीन्द्र सरनी, कलकत्ता, का 1/2
हिस्ता।

ए०के० बट्थाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 3-11-75
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, कलकत्ता
 54, रफीअहमद किटवाई रोड, कलकत्ता-16
 कलकत्ता, दिनांक 31-10-75

निर्देश सं० 295 /एकुरे III / 75-76/कल०:—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 39/2 है तथा जो बड़ स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, (सियालदह, 24 परगणा), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भासीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचान्ति :—

(1) श्री नव कुमार सील 13 ए, दुर्गापियुरी लेन, कलकत्ता-12
 (अन्तरक)
 (2) श्रीमती कनिका घोष, स्वामी अरुण कुमार घोष 36/7, बड़ स्ट्रीट, कलकत्ता-16
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा 10 छटांक 40 स्को: फुट खाली जमीन जो पौर सं० 39/2, बड़ स्ट्रीट, कलकत्ता पर अबरियत और जो दलिल सं० 464 / 1975 सब-रजिस्ट्रार सियालदह द्वारा-रजिस्ट्रीकृत हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियन
 सक्षम प्राधिकारी
 असहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III
 54, रफीअहमद किटवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 31-10-75
 मोहर :

प्ररूप आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, कलकत्ता
54, रफीश्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 1-11-1975

निर्देश सं० 299 /एकरे-III/कल०/ 75-76:—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 9 ए है तथा जो तपसिया ईस्ट लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-3-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के ग्रन्तुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गरजनारायण सिंह, 2. श्री नारायण सिंह, 3. रमि नारायण सिंह 4. मेघनारायण सिंह 5. शामशेर बहादुर सिंह 6. लालन सिंह 7. भूपनारायण सिंह 8. विश्वनाथ सिंह 9. लाल साहेब सिंह स्टेट बैंक कोयाटास 195, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता-7 (अन्तरक)

(3) मैसर्स प्रेसिभ ल्यान्ड इंडिपेन्ट को: प्रा० लिमिटेड रेजि० आफिस 91 मधेश्वर तला रोड, थाना, यादवपुर कल-46, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 2.92 एकड़ या 8 विधा 15 कट्टा 10-छटांक सलाब और नीचा जमीन जो पौर सं० 9 ए, लपविया लेन, कलकत्ता का अंश और उसपर अवस्थित है जो पहले मौजा पूर्व तपसिया, थाना, यादवपुर, 24 परगना में दाग सं० 35/41, 51, 36/43, 37/48, 51/73, 36/44, 37, 37/47, और 132 द्वारा परिवित थे जो जिला रजिस्ट्रार, आलिपुर, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 2390/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III

54, रफीश्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16
तारीख: 1-11-1975
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28-10-1975

निर्देश सं० आई० 1/1113-16/मार्च 75-76:—ग्रतः मुझे, एल० के० शास्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० सी० टी० सब० नं० १५ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षणित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब उक्त अधिनियम, की, धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्—

8—336GI/75

- (1) श्रीमती मुलवाई भगवानदास और श्रन्य (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मधु वासुदेव अहुजा और श्रन्य (अन्तरिती)
- (3) किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रक्रियों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले में रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित जमीन का वह समाम भाग जिसे अब बूहतर बम्बई में शामिल कर लिया गया है, तथा टाउन प्लानिंग स्कीम सं० 3, बान्द्रा की फाइनल प्लाट सं० 155 है तथा जो माप में 790 वर्गगज अर्थात् 660 वर्ग-मीटर के बराबर अथवा उसके समकक्ष है, उस पर बड़ी बिल्डिंग सहित जिसे 'राजन निवास' कहते हैं तथा जिसका नगर सब० एफ०/695 है तथा एच० वार्ड सं० 5428 (1) तथा (1ए) है तथा चारों ओर से इस प्रकार घिरा हुआ है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर फाइनल प्लाट सं० 154 है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर फाइनल प्लाट सं० 156 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर 30 वीं सड़क है और पूर्व में अथवा पूर्व की ओर वाटर फील्ड मार्ग है।

एन० के० शास्त्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई

तारीख: 28-10-1975

मोहर।

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29-10-75

निर्देश सं० आई०टी०एन०एस०/75 23 :—अतः मुझे, जे० एम० मेहरा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० एस० नं० 164 (अंश) सी० टी० एस० नं० 3 है, जो भांडूप में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्ना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरंक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरेण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरेण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरेण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रत्नसी करसनदास 2 प्रताप सिंह मथुरावास 3. पुष्पावाई 4. जर्मिह विठ्ठल दास 5. प्रतापसिंह-शुरजी बल्लभदास 6. दिलीपसिंह शुरजी बल्लभदास 7. भानजी सरजी 8. गोपालजी वीरजी सुरजी 9. मनीबाई विधवा स्व० विरजी 10. दमयंती लड़की स्व० विरजी 11. बच्चाई 12. सरस्वती 13. दमयंती पत्नी -लिलाधर कानजी 14. स्कमीनीबाई 15. कल्याणनजी उर्फ अरुणकुमार पुरुषोत्तम भानजी 16. वसंतकुमार पुरुषोत्तम भानजी (अन्तरंक)

(2). श्री राजा रामसहाराम श्रोहल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में व्यापारिकारिता के लिए वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरेण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

अनुसूची

बृहत्तर बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में तथा बम्बई नगर के रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले, मैं, तासुका कुली में ग्राम भांडूप में स्थित है वह समाम उपजाऊ खाली जमीन प्रथवा मंदान जोकि माप में 15195 वर्गगज अर्थात् 12708 के समतुल्य या उसके समकक्ष है तथा जिसका सर्वे सं० 164 (पाटे) और सी० टी० एस० नं० 3 है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है : उत्तर में सरकारी जमीन है जिसका सर्वे सं० 150 ए है, पूर्व में न्यूलेन्स पाइप लाइन है, पश्चिम में पुरानी उक लाइन है और उसके पीछे भूमि है जिसका सर्वे सं० 161 है तथा दक्षिण में भूमि है उसकी सर्वे सं० 162 और 163 है ।

राजाराम सहाराम श्रोहल -फाईल सं० ए० आर० 5/291-ए/75 के मामले में धारा 269-घ (1) के अधीन नोटिस का अनुबंध ।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, 5 बम्बई

तारीख: 29-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30-10-1975

निर्देश सं० अई० 5/271/74-75:—अतः मुझे, जे० एम०
मेहरा, 1

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सी० टी० सर्वे० न० 68, 32 है, जो घाटकोपर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्टरिंग अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्टर-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
7-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ज्ञावेर पुरषोत्तम नथु चेरेटेबल इस्ट (अन्तरक)

(2) दि जुश्र औरे गांव रहिवासी को० ओ० पू० हाउस
सो० लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्ण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा
चक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम कीरोल, जीवदया लेन भटवाडी, घाटकोपर (पश्चिम),
बूहतर बम्बई में स्थित 1000/- कीमत था उसके आसपास अर्थात्
836. 3 वर्गमीटर का यथास्थित भूमि का वह भूभाग जिसका
बम्बई उपनगर जिले के बान्द्रे रजिस्ट्रेशन उपजिले का सर्वेक्षण
नं० 27 हिस्सा नं० 3 (अंश) नगर सर्वेक्षण नं० 68 और 32 (अंश)
है जो इन सीमाओं से विचार है—उत्तर में सर्वेक्षण सं० 27 हिस्सा
नं० 3 बाली भूमि से पश्चिम में सर्वेक्षण सं० 27 हिस्सा नं० 3 (अंश)
और सर्वेक्षण सं० 24 हिस्सा नं० 4 के भू प्लाट से पूर्व में सर्वेक्षण सं०
27 हिस्सा नं० 3 (अंश) के भू प्लाट से और दक्षिण में सर्वेक्षण नं०
27 हिस्सा नं० 3 (अंश) वाले भू प्लाट से।

जे० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 30-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 30-10-1975

निर्देश सं० आई० 5 /286 /74-75:—अतः, मुझे, जे०-
एम० मेहरा, 17

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और

जिसकी सं० है, जो मोहिली तालुकी कुर्ला में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अन्जेला फान्सीस डीसोजा 2. श्री अंगेस सायमन
जोग्स 3. श्री केला डग्गुमिंग और्ग और
4. श्री ब्होयेलेट अलेक्सी रेमिंग्स (अन्तरक)

(2) 1. श्री रतिलाल बल्लभजी बोरा, 2. श्री किर्ति त्रिभुवनदास
बोरा 3. श्री मनीलाल जीवराज मेहता 4. श्री किशोर
मनीलाल मेहता 5. श्री दिनेश मनीलाल मेहता 6. श्री
शांतीलाल अमृतलाल वैद 7. श्री विजय शांतीलाल
वैद 8. श्री कावसजी जमरजी उमरीनगर 9. श्री
लक्ष्मनदास लगनलाल भाटिया 10. श्री प्रेम
लक्ष्मनदास भाटिया 11. श्री मदन लक्ष्मनदास भाटिया
12. श्री मुकेश लक्ष्मनदास भाटिया (अन्तरिती)

(3) शपाना गंगाराम (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में
सम्पत्ति है)

(4) श्याना गंगाराम (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितवद्धि
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बम्बई उपनगर जिले, बांद्रे उप रजिस्ट्रेशन जिले में, जो कुला
तालुका में अब ब्रह्मस्तर बम्बई क्षेत्र में है, कुला अन्धेरी रोड से हट-
कर मोहिली ग्राम में अवस्थित खाली पड़ी कृषि भूमि अथवा ग्राउण्ड
का वह समूचा भूभाग अथवा भूखण्ड जिसकी माप 21 वर्गगज अथवा
उसके आसपासलगभग 1. 755. 87 वर्गमीटर के समकक्ष है, तथा
जिसका सर्वेक्षण नं० 50 हिस्ता नं० 2 (अंश)।

अनुसूची धारा 269 डी (1) के अधीन नोटिस का अनुबंध
रतिलाल बल्लभजी बोरा और आई० 5 286 /74-75:—

17

जे० एम० मेहरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5 बम्बई।

तारीख: 30-10-75

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29-10-75

निर्देश सं० अई 5/291-13/74-75:—अतः मुझे, जै० एम० मेहरा, 24

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वेन० 77 (अंश) 88 (अंश) सी० टी० एस० न० 470 और 479 है, जो नाहुर छीलेज में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रत्नसी करसनदास 2. प्रतापसिंह मथुरादास
3. पुष्पाभाई. 4. जयसिंह विठ्ठलदास 5. प्रतापसिंह
शूरजी वल्लभदास 6. दिलीपसिंह शूरजी वल्लभदास
7. भानजी सुरजी 8. गोपालजी बीरजी सुरजी
9. मनीबाई विधला स्व० विरजी सुरजी 10. दम-
यंती लड़की स्व० विरजी 11. बदुबाई. 12. सरस्वती
13. दमयंती पत्नी-लिलाधर कानजी 14. रुक्मीणी-
बाई 15. कल्याणजी उर्फ अरुणकुमार पुरोषत्तम
भानजी 16. वसंतकुमार पुरोषत्तम भानजी

(अन्तरक)

(2) श्री राजाराम सखाराम ओहल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले रजिस्ट्रेशन जिले और उपजिले में कुला० तालुका० में नाहर (मुसुङ्ड और भांडुप के मध्य में) ग्राम में स्थित वह तमाम उपजाऊ खाली जमीन अथवा मैदान जो कि माप में 14890 वर्गमीटर अर्थात् 12452 वर्गमीटर के समतुल्य अथवा उसके समकक्ष है तथा जिसका सर्वे सं० 77 (पार्ट) और 88 (पार्ट) तथा सी० टी० एस० न० 470 और 479 है तथा जो इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर में ऐसी जमीन जिसकी सर्वे सं० 88 (पार्ट) है में 120 फुट की प्रस्तावित सड़क है पूर्व में पाषप लाइन है, पश्चिम में वह जमीन है जिसका सर्वे सं० 88 है तथा 90 फुट की प्रस्तावित सड़क है और जिसका दक्षिण में भूमि है जिसकी सर्वे सं० 88 (पार्ट) है।

राजाराम सखाराम ओहल-फाइल सं० ए० आर० 5/291-1/75 के मामले में धारा 269 घ(1) के अधीन नोटिस का अनुबंध

जै० एम० मेहरा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 5, बम्बई।

तारीख : 29-10-1975

मोहर :

प्रकल्प अमृ० ढी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31-10-1975

सं० आर० ए० सी० 152/75-76:—यतः मुझे, के० एस०
बेकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3-6-69/4/3 बशीर बाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध घनुसूची में और सूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्म करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी बन वा अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त कानूनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, तिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कृष्ण रेडी, जमीनदार चितलजानी सीताराम रेडी पुत्र स्वर्गीय डामेरा मोजा हुजूराबाद तालुका, करीमनगर जिला

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एन० रेडी पुत्र बेकट नरसिंहा 3-6-543, हिमाचल नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिलबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तल मंजले पर म० न० 3-6-69/4/3, तथा खुली जमीन, 547 बर्गमज, शहीदगार जंग गली, बशीर बाग, हैदराबाद।

के० एस० बेकट रामन,
सभास प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 31-10-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5-11-1975

सं० आर० ए० सी० 156/75-76:— यतः मुझे, के० एस०-
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-289/7/बी शांती नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 25-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

(1) श्री नवाब मिर नकी अली खान (2) सहव जादा रफीया
बेगम दोनों बनजारा हीलस हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री एम० गौतम रेडी बाप एम० वेंकटरेडी छोटा होने
की बजाए दादा एम० चीनाकेशव रेडी 3-4-130
लीनगंग पाली हैदराबाद
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितशुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्तीकारी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 10-2-289/7 और बी शांती नगर हैदराबाद और
जमीन 260 बर्ग-याड़ है।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5-11-1975

सं० आर० ए० सी० 154/75-76:—यतः मुझे, के० एस०
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

श्रीराजिका सं० बाग 10-2-289/7 शांती नगर है, जो
हैदराबाद में स्थित है (श्रीराजिका उपाबद्ध अनुसूची में श्रीराजिका
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीराजिकर (अन्तरकों)
श्रीराजिकर (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; श्रीराजिका

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री नवाब मिर नकी ग्रती खान काम साहब (2) सहिव
जावी रफीया बेगम साहब दोनों बानजारा हीलस
हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनदादी विजयलक्ष्मी पत्नी एम० वेंकट रेहु
नं० 3-4-130 लीनगम पैली हैदराबाद (जी पी ए)
बाप चीनाकेशव रेड्डी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बाग नं० 10-2-289/7 शांती नगर हैदराबाद जमीन
और अतराफ दिवार के साथ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5-11-1975

सं० आर० ए० सी० 155/75-76:— यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भाग -10-2-289/7/एफ० शांती नगर है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9—336GI/75

(1) श्री नवाब मिर नकी अली काम (2) श्रीमती साहब जादी रफीय बेगम दोनों बनजार हील्स हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री विकरम रेणी ने 3-3-130 लिमरामपली हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति:—मकान का भाग सं० 10-2-289/7 ए०, शांतिनगर, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामनट,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-5, हैदराबाद।

तारीख : 5-11-75

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5-11-1975

सं० आर० ए० सी० 153/75-76:—यतः मुझे, के० एस० बेंकट रामन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12/5-9-29/27 बशीरबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-1975

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) मैसर्स ग्रानन्ड बिल्डिंग कारपोरेशन भागीदार अनील कुमार सिकन्दरबाबाद (जी पी ए) मिस रुक्मीणी लक्ष्मीचन्द्र । (अन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामला रामचारी आशरीत पत्नी डा० ए० रामचारी पत्ता नं० 12, 5/9/29/27 पहली भाग बशीर बाग हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

प्रत्येकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 12 नं० 5-9-29/27 पहला असंस्त ग्रानन्ड बुलिंग बशीर बाग हैदराबाद ।

के० एस० बेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 5-11-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० अमृतसर/170/75-76 ——यतः मुझे, वी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 44 आर० वी०
प्रकाश चंद्रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथस्थ में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री खुशाल चन्द्र सुपुत्र श्री आर० वी० रत्न चन्द्र मेहरा
तथा श्री महिन्द्र चन्द्र सुपुत्र श्री लाभ चन्द्र मेहरा,
माल रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री घनशाम दास, गली
ग्रान्थियां, प्रताप बाजार अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्छि रखत हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 44 आर० वी० प्रकाश चन्द्र रोड अमृतसर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4053 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आरा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० अमृतसर /171/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारम्परात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 44 आर० वी० प्रकाश चन्द्र रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

(1) श्री खुशाल चन्द मेहरा सुपुत्र आर० वी० रत्न चन्द मेहरा तथा श्री मोहिन्दर चन्द मेहरा सुपुत्र श्री लाल चन्द मेहरा माल रोड अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री हुन्द राज सुपुत्र श्री अर्जन दास गली ग्रन्थियां, प्रताप बाजार अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति ने हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थानिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 44 आर० वी० प्रकाश चन्द रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर विलेख नं० 4052 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 31 अक्टूबर 1975

निवेश नं० अमृतसर / 172/75-76—प्रतः मुझे, बी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से
अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 3 रोज एवेन्यू
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन,
तारीख, मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें
सुविधा के लिए

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपस्थाता
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुरमुखिंसि॒ सिंह चावला सुपुत्र श्री सन्तोष सिंह 7 सन्तोष
सिंह रोड अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राधा रमण सुपुत्र श्री शोरी लाल अग्रवाल कनक
मण्डी, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक अवधिप्राप्ति नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3 रोज एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 3918 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर
में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 31-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निवेश नं० अमृतसर/173/75-76:— यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 3 रोज एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धार्य या किसी घन या प्रस्तुति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गुरमुख सिंह चावला सपुत्र श्री सन्तोख सिंह वासी 7 सन्तोख सिंह रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री विश्वामित्र सपुत्र श्री शोरीलाल अग्रवाल कनक मण्डी अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिस अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3 रोज एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3905 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर.

तारीख : 31-10-1975

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अमृतसर/174/75-76—यतः मुझे, वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 34 आर० वी० रत्न चन्द रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दविन्द्र चन्द मेहरा (डी० सी० मेहरा) सपुत्र श्री लाल चन्द मेहरा, 47-ए माल रोड, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमवती पली नारायण शास शिकारपुरी चौक श्री दरबार साहिब, गली तरखानां, अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट नं० 43 आर० वी० रत्न चन्द रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 3994 मार्च, 1975 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अमृतसर रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निवेशनं० अमृतसर/175/75-76:— यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है और जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो 502 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्तेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजानार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्त:—

(1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी हरदयाल सिंह, कोट बाबा दीपसिंह आस श्री चतरसिंह सुपुत्र लहना सिंह, वासी कोट बाबा दीप सिंह अन्तसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरभजन कौर सुपुत्री श्री सरूप सिंह, तथा पत्नी साहिब जीत सिंह अब वासी 502 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सम्पत्ति नं० 502 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 4045 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० [सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 31-10-75

मोहर:

प्रलूप आई०टी०एन०एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक, 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अमृतसर/176/75-76—यतः मुझे, बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जितकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो 502 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात्—

- (1) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी हरदयाल सिंह कौट बाधा दीप सिंह द्वारा श्री चत्तर सिंह सपुत्र लहना सिंह बासी कौट बाबा दीप सिंह अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्री साहिब जीत सिंह सपुत्र खेल सिंह (बासी 913 बी-II, कटड़ा लक्ष्मी नारायण लुधियाना) प्रब्र बासी 502 ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हथि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अप्रित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 सम्पत्ति नं० 502 ईस्ट मोहन नगर अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 4063 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर प्राधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० बी० टी० डी० / 178 / 75-76—यतः मुझे, बी०
आर० सगर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मानसा में रियत है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री नोहार चन्द्र सपुत्र मनीराम सपुत्र सरामा मल
श्री सतपाल सपुत्र अमृतपाल सपुत्र नोहार चन्द्र सपुत्र
मनीराम क्लाथ मजैंट्स नजदीक मन्दिर, मानसा
मण्डी, मानसा
(अन्तरक)
- (2) हरबंस लाल सपुत्र बृजलाल, चन्द्र मोहन सपुत्र
रघवीर दपाल वासी मानसा।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4400 मार्च 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० बी टी डी / 179 / 75-76:—यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मानसा में रिथत है (और इसमें उमात्रद्वय अनुमूल्यी में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की वादत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आंय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नोहार चन्द्र सपुत्र मनीराम सपुत्र सरभा मस श्री सतपाल सपुत्र अमृतपाल सपुत्र नोहार चन्द्र सपुत्र मनीराम क्लाय मर्चेन्ट्स, नजदीक मन्दिर, मानसामंडी, मानसा (अन्तरक)

(2) श्री ओमप्रकाश सपुत्र बृज लाल सपुत्र मिलखी राम वासी मानसा । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वीकृत है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्न सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4399 मार्च, 1975 की रजिस्ट्रीकरी अधिकारी मानसा में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अमृतसर/180/75-76—यतः मुझे, वी० आर० सगर प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 2/5 सम्पत्ति है तथा जो 80 आबादी अजीत नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपार्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पूरन सिंह, बाबा सिंह सपुत्रान गुरदित्त सिंह वासी बाजार नं० 5/6 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण कीर पत्नी श्री हजारा सिंह वासी भोसोके तहसील बटाला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानला है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/5 भाग मकान जो प्लाट नं० 80 आबादी अजीत नगर अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4175 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर

सक्रम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं०ए०एस०आर०/181 150/75-76 :—यतः मुझे, वी०

आर सर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2/5 सम्पत्ति है तथा जो 80 आबादी अजीत नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में व्यास्तिक से रूप कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः, यद्य, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग की उच-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री पूरन सिंह, बाबा सिंह, सपुत्रान गुददित सिंह, वासी बाजार नं० 5/6 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर ।
(अन्तरक)

(2) बलजीत सिंह सपुत्र श्री हुजारा सिंह वासी ब्यास तहसील अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखत है । वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव्यधि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2/5 भाग मकान जो प्लाट नं० 80 आबादी अजीत नगर अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर लिखे थे नं० 4176 मार्च, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अन्तर्गत रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975 ।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अमृतसर/182/75-76 :—यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो 80 आवादी अजीत नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पूरन सिंह, बाबा सिंह सुपुत्रान गुरदित सिंह वासी बाजार नं० 5/6 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर । (अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी हजारा सिंह वासी भोलोके तहसील बटाला श्री बालजीत सिंह सुपुत्र हजारा सिंह वासी व्यास तहसील अमृतसर । श्रीमती सुरिन्द्रकौर पत्नी गुलाब सहवासी तुर खुरद तहसील अजनाला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हित रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

नुसूची

मकान, प्लाट नं० 80, आवादी अजीत नगर अमृतसर जसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4175, 4176, तथा 4177 मार्च, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अबोहर/183/75-76:— यतः मुझे, वी० आर०

सगर, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारें है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 मकान है तथा जो गली नं० 9 अबोहर मण्डी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाश्चाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, शब्द उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के मान्यता निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) श्री तारा चन्द सपुत्र गोपाल दास सपुत्र भाग मल वासी अबोहर अब वासी वी०-203 कस्तूरवा गांधी मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज आहुजा पत्नी श्री बन्सी लाल आहुजा मार्फत विकटोरिया मैमोरियल हस्पताल, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरारदानान, यदि हों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 मकान गली नं० 9 अबोहर मण्डी जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 2704 मार्च, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबो-हर में है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अक्टूबर 1975
निदेश नं० अबोहर 184/75-76 :— यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है किसकी सं० 1/2 मकान है तथा जो गली नं० 9 अबोहर मण्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधाति :—

(1) श्री ताराचन्द सपुत्र गोपालदास सपुत्र भागमल वासी अबोहर अब वासी बी०-203 कस्तूरबा गांधी मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अलोक आहुजा सपुत्र डा० बन्सी लाल आहुजा मार्फत विक्टोरिया भवारियल हस्पताल, जालन्दर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदारान, यदि हों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 मकान गली नं० 9 अबोहर मण्डी में, जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2660 मार्च, 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्र० प्र० आर० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अबोहर/185/75-76:—यतः मुझे, वी० आर० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है तथा जो गली नं० 9 अबोहर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16)

के अधीन तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, प्रथात् :—

11—336GI/75

(1) श्री ताराचन्द्र सपुत्र गोपालदास सपुत्र भागमल वासी
अबोहर अब वासी वी०-203 कस्तूरबा गांधी मार्ग
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज आहुजा सपुत्र बन्सी लाल आहुजा
श्री अलोक आहुजा सपुत्र ड० बन्सी लाल आहुजा
मार्फत विक्टोरिया मैमोरियल हस्पताल, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदारान यदि हों ।
(वह व्यक्ति, जिस अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वप्नीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क ने परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान गली नं० 9 अबोहर मण्डी जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख
नं० 2704 तथा 2660 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अबोहर में है ।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निवेश नं० अमृतसर/186/75-76:—यतः भुजे, वी० आर० सरार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०

से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 कोठी है तथा जो 40 ए० कैनेन्यू
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च,

1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती अजायब कौर विधवा गुरदिता सिंह वासी
मकान नं० 537 सैकटर, 10-डी अण्डीगढ़ द्वारा
अमरजीत सिंह सपुत्र कुलदीप सिंह कटड़ा शेरमिह
वासी मकान नं० 1234 बाजार टाहली वाला सुलतान
बिंड रोड अमृतसर तथा रामलाल सहगल सपुत्र मथरा
दास सहगल, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह सपुत्र जगत सिंह वासी मजीठा
तहसील अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदारान यदि हों (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किमी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

1/3 कोठी एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं०
4051 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में
है।

वी० आर० सरार
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 31 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्र० र० आ० ई० टी० ए० न० ए० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अमृतसर/187/75-76 :— यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 कोठी है तथा जो 40ए कैनेडी एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्स्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती अजायब कौर विधवा गुरदित्त सिंह वासी मकान नं० 537 सैकटर 10-डी चण्डीगढ़ द्वारा श्री अमरजीत सिंह सपुत्र कुलदीप सिंह कट्टा शेरसिंह वासी मकान नं० 1234 बाजार टाहलीवाला मुलतान विंड रोड अमृतसर तथा रामलाल सहगल सुपुत्र मथरादास सहगल, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सुखपाल सिंह सपुत्र मोहन सिंह सपुत्र जगत सिंह वासी मजीठा तहसील अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदारान यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3 कोठी नं० 40 कैनेडी एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 4067 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी. आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 31 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

निदेश नं० अमृतसर/188/75-76:— अतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/3 कोठी है तथा जो केनेडी एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती अजायब कौर विधवा गुरदित्ता सिंह वासी मकान नं० 537 सैकटर 10-डी चण्डीगढ़ द्वारा अमर-जीत सिंह सपुत्र कुलदीप सिंह कटड़ा शेर सिंह वासी मकान नं० 1234 बाजार टाहली वाला अमतसर तथा रामलाल सहगल सपुत्र मथरावास सहगल, दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री तलजीत सिंह सपुत्र करतार सिंह सपुत्र जगत सिंह वासी मजीठा तहसील अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदारान यादहों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 कोठी 40 ए केनेडी एवेन्यू अमृतसर जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 31 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अक्टूबर 1975

निवेश सं० ए एस आर/189/75-76—ग्रत: मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी है तथा जो 40 एकड़ी एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिमिट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रसः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रजायब कौर विधवा गुरदित्त सिंह वासी मकान नं० 537 सैकटर 10-डी चण्डीगढ़ द्वारा अमरजीत सिंह सपुत्र कुलदीप सिंह कटडा जोर सिंह वासी मकान नं० 1234 बाजार टाहटी साहिब अमृतसर तथा राम लाल सहगल सपुत्र मथरा दास बिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह सपुत्र जगत सिंह सुखपाल सिंह सपुत्र मोहन सिंह सपुत्र जगत सिंह, तलजीत सिंह सपुत्र करतार सिंह सपुत्र जगत सिंह वासी मजीठा तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदारान यदि हों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह व्यक्ति सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रान्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 40 ए कैनेडी एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4051, 4067 तथा 4107 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 31 अक्टूबर 1975

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अक्टूबर 1975

निदेश सं० ए एस आर/190/75ब76-यतः मुझे, बी०आर० सागर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो कट्ठा शेर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपागद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राधा अरोड़ा सपुत्री खेम सिंह पत्नी शाम दास अरोड़ा वासी बम्बई 70, मेरीन ड्राइव आ श्री गुलजारा सिंह, सपुत्र लक्ष्मन सिंह 43 माल रोड अमृतसर। श्रीमती हस कौर सपुत्री खेम सिंह पत्नी तरलोक सिंह, 5 ब्रह्म नगर अमृतसर अब बम्बई द्वारा बूज कुमार सपुत्र श्री कृष्ण, आर० बी० प्रकाश चन्द रोड अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री मंगत राम सपुत्र तरलोक चन्द जैन, अन्दरून लोहगढ़ गेट, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। तथा किराएदारान (1) मैसर्स फेयर फैन्डेज वाच कं० (2) श्री मोहन लाल (3) श्री मनी लाल (4) श्री जुगिन्द्र सिंह (5) श्री प्रकाश दुआ (6) मैसर्स रलिया राम तिलक राज, 48ए तथा 48बी कट्ठा शेर सिंह अमृतसर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग सम्पत्ति नं० 48 ए तथा 48 बी कट्ठा शेर सिंह अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1 मार्च 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 31 अक्टूबर 1975
मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 260/J-No. Eg. 134/75-76.—

यतः मुझे, B. V. SUBBARAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7-9-22, Sivalayam Street है, तथा जो Ramaraopetam Kakinada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kakinada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिकाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Smt. Chavali Suvarchala Devi,
W/o Ramarao, Door No. 8-1-305,
Sivajinagar, Secunderabad.

2. Ch. Sitamahalaxmi, W/o Suryanarayana.

(अन्तरक)

(2) Dr. K. S. R. N. V. Subbarao,
Reader, Dept. of Anatomy,
Rangaraya Medical College, Kakinada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 3652/75 of the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख: 31-10-75

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 259/J. No. 643/EG.—

पता: मस्ते B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 29/1 2-00 Amalapuram

है, तथा जो Amalapuram में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, Amalapuram में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) Shri Kona Anjaneyulu S/o Venkataraju,
Amalapuram.

(अन्तरक)

(2) Shri Yendigela Subbarao S/o Vccrana,
Amalapuram.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 877/75 of S.R.O. Amalapuram.

B. V. SUBBARAO,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2/, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु/11/2015 (924)/
75-76/—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी-28 के 1/4 भाग, जो रजौरी गार्डन, नई-
दिल्ली में स्थित है (और इसे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14-5-75 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा-269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

12—336GI/75

(1) श्री सोहन सिंह, सुपुत्र श्री० हरी सिंह, निवासी सी-
28, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री बचशीश सिंह, सुपुत्र श्री० अमरकीत सिंह चन्दोक,
निवासी छी -12/बी, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्तियों के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान में 1/4 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका
क्षेत्रफल 1062 वर्ग गज है और नं० 28-ब्लॉक नं० 'सी' है तथा
जोकि रजौरी गार्डन, वसाए दारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व	: प्लाट नं० सी-29 पर मकान
पश्चिम	: प्लाट नं० सी-27 पर मकान
उत्तर	: सड़क
दक्षिण	: प्लाट नं० सी-37 पर मकान

एस० एन० एन० अग्रवाल,
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2/, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली -1.

नई दिल्ली-1, दिनांक 11-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एंक्य० /11/2015/(923)/
75-76:—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० सी-28 का 1/4 भाग है, जो रजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, ए 14-5-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रेम सिंह, सुपुत्र श्री० हरी सिंह, निवासी सी-28,
रजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मंजीत सिंह चंदौका सुपुत्र श्री० सुजान सिंह चंदौका,
निवासी डी-14/वी, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान में 1/4 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर
जिसका क्षेत्रफल 1062 वर्गगज है और नं० 28, ब्लॉक नं०
'सी' है तथा जो कि राजौरी गार्डन, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र,
दिल्ली में निम्नप्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० सी० -29 पर मकान

पश्चिम : प्लाट नं० सी०-27 पर मकान

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० सी०-37 पर मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 11 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई नित्यस्ती, दिनांक, 11-11-75

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य० 11/2269/(925)
75-76/— यतः, मुझ, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 12/1905 (नया), 390 (पुराना) है, जो
मलका गंज, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) अधीन, तारीख 28-7-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पैसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थति:—

(1) श्री वेद प्रकाश (2) धर्मबीर (3) भीम सेन, सुपुत्र
श्री बृजलाल, (4) माहिन्द्र कुमार, सुपुत्र, श्री०
श्रीमप्रकाश, निवासी 12/1905, अहिरन गली,
मलका गंज, सब्जी मण्डी, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री नरीन्द्र पाल सिंह, सुपुत्र श्री० अलंकर सिंह, निवासी
142-डी, कमला नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमर्जिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल
करीब 128 वर्गमीटर है और नं० 12/1905व(चू), 390 (पुराना)
है तथा जोकि गली अहिरन, मलका गंज, सब्जी मण्डी, दिल्ली में
स्थित है।

एस० एन० एल० अग्रवाल;
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज; 2/ दिल्ली, नई फिल्डी-1

तारीख : 11 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक, 11-11-1975

निर्देश सं० 11/2013/(922) /75-76:—यत मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० सी-28 का 1/2 भाग है, जो राजीरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्री इससे उपांबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन सिंह, सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी सी-28 राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी कौर, पत्नी एस० सुजान सिंह, निवासी डी-14/बी, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान में 1/4 भोग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 10.62 वर्ग गज है और नं० 28, ब्लॉक नं० 'झी' है तथा जोकि राजीरी गार्डन, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व	: प्लाट नं० सी-29 पर मकान
पश्चिम	: प्लाट नं० सी-27 पर मकान
उत्तर	: सड़क
दक्षिण	: प्लाट नं० सी-27 पर मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11 नवम्बर, 1975

मोहर।

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1.

नई दिल्ली-1, दिनांक 11-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एस्य० /11/2014/(921)/
75-76/— यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० सी-28 का 1/2 भाग है, जो राजौरी गाड़न, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी सी-28, राजौरी गाड़न, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर, पत्नी एस० सुजान सिंह, निवासी डी-14बी, राजौरी गाड़न, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान में 1/4 भाग जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 1062 वर्ग गज है और नं० 28, ब्लाक नं० 'बी' है तथा जोकि राजौरी गाड़न, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० सी-29 पर मकान

पश्चिम : प्लाट नं० सी-27 पर मकान

उत्तर : सड़क

दक्षिण : प्लाट नं० सी-37 पर मकान

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख: 11 नवम्बर, 1975

मोहर :

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 11-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/2339 (920)/75-76
यतः मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए-1/16 है जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सोना रानी, पत्नी श्री प्रताप सिंह, गांव तथा पोस्ट अफिस पंची जाटन, तहसील क्षेत्र जिला सोनीपत, (हरयाणा) (अन्तरक)

2. श्री हजारी लाल रसोगी, सुपुत्र श्री बद्री प्रसाद, निवासी बी-5/12, राना प्रताप बाग, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 150 वर्ग गज है और नं० 17 ब्लाक ए-1 है तथा जोकि सत्यावती नगर कालौनी साधोरा कालन गांव के क्षेत्र, दिल्ली में निम्न प्रकार ऐसे स्थित है:—

पूर्व: सर्विस लेन

पश्चिम: सड़क

उत्तर: प्लाट नं० ए-1/17,

दक्षिण: सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 11 नवम्बर, 1975

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०-

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली, दिनांक 29-10-1975

निदेश सं०-आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस प्रा०-III/मई 291(7)/75-76:—यतः सुन्ने, एस० सी० परोजा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 23 ब्लाक नं० 'एस' है जो ग्रीन पार्क एक्सटैक्शन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री योगिन्द्र सिंह, सुपुत्र स्वर्गीय श्री तेजा सिंह, निवासी 78, आमस रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती विद्यावती, पत्नी श्री श्रीराम निवासी 33, आनन्द लोक, नई दिल्ली (2) कुमारी भमता (नाबालिंग), सुपुत्री श्री ओम प्रकाश जैन, निवासी 33, आनन्द लोक, नई दिल्ली,
- (3) कुमारी मायुर नन्दनी (नाबालिंग), सुपुत्री श्री अशोक कुमार जैन, 33, आनन्द लोक, नई दिल्ली, उनके सरकारी श्री अशोक कुमार जैन द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और प्लाट नं० 23, ब्लाक नं० 'एस' है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रीन पार्क एक्सटैक्शन (युसुफ सराए), नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन
पश्चिम : संडक
उत्तर : प्लाट नं० 22
दक्षिण : प्लाट नं० 24

एस० सी० परोजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-10-1975

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

4/14-ए, आसक अस्ती रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29-10-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III एस आर०-III/प्रैलै/२५०(१५)/७५-७६:—यतः मुझे एस० सी० परोजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 4351/1, गली नं० 58 है जो पदम सिंह रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पृष्ठ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—336GI/75

1. श्रीमती सतनाम कौर, पत्नी श्री हाजूर सिंह, निवासी 4351 गली नं० 58, पदम सिंह रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सर्वेण कुमारी, श्रानन्द, सुपुत्री श्री बनारसी दास कोहली, पत्नी श्री प्रेम नाथ श्रानन्द, निवासी मकान नं० 6090, ब्लाक नं० 2, गली नं० 1, पदम सिंह रोड, देव नगर, कारोल बाग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

3. श्री प्रेम नाथ श्रानन्द सथा जै कुमार, निवासी मकान नं० 4351/1, गली नं० 58, पदम सिंह रोड, कारोल बाग, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला पक्का बना हुआ मकान जिसके मुन्हुसिल नं० 4351/1, वाड़ नं० 16, है और जोकि लीजहोल्ड प्लाट पर जिसका खसरा नं० 1445, ब्लाक नं० एक है तथा धेत्र फल 50 वर्ग गज है और जोकि पदम सिंह रोड कारोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 1446 पर मकान

पश्चिम : प्लाट नं० 1444 पर मकान

उत्तर : स्ट्रीट

दक्षिण : पदम सिंह रोड

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 29-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्टूबर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एष्य० /III/एस० आर०-III/
जून/338(12)/75-76—यतः मुझे एस० सी० परीजा

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ढाई मंजिला मकान नं० 15, ब्लाक एफ है, जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावदू शनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर, म, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :-

(1) श्री कुन्दन लाल मनचन्दा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मंगल दास मनचन्दा, निवासी 6/212, मोहला द्वन्द्व, शाहदरा, दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री मानु लाल जैन, सुपुत्र स्वर्गीय श्री लाल चन्द्र जैन, निवासी टी० 20, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

(3) सी० ए० ओ० रक्षा मन्त्रालय, 15, ब्लाक नं० एफ०, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढाई मंजिला मकान जोकि फीहोल्ड प्लाट पर जिसका नं० 15, ब्लाक नं० एफ, है तथा क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और जोकि निवासी कालौनी ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में कुतब रोड पर, मुन्यसिपल कारपोरेशन के क्षेत्र के अंतर्गत निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : संडूक

पश्चिम : सर्विस लेन।

उत्तर : मकान नं० एफ० 14।

दक्षिण : मकान नं० एफ० 16।

एस० सी० परीजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 29 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/
जून/915 (3)/75-76—यस: मुझे, एस० सी० परीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 41 सं॒क्त नं० पर 43 है, जो पंजाबी
भाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-6-1975]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्याप्ति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

(1) श्री लाभ सिंह, सुपुत्र श्री गन्दा सिंह, निवासी
एन० 31, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री किशन सिंह, सुपुत्र श्री जवाहर सिंह, निवासी
कोठी नं० 41, संडूक नं० 43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौत पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 अविभाजित भाग जोकि
फीहोल्ड प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 140-46 वर्ग
गज (कुल एरिया 280.92 वर्गगज) है तथा नं० 41,
संडूक नं० 43 है और जोकि पंजाबी भाग, नई दिल्ली,
मादीरपुर गांव के एरिया, दिल्ली राज्य, दिल्ली में, मुन्यसिपल
कारपोरेशन के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: संडूक नं० 43।

पश्चिम: सर्विस लेन।

उत्तर: प्लाट नं० 39।

दक्षिण: जायदाद नं० 43।

एस० सी० परीजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 3, दिल्ली।

तारीख: 28 अक्टूबर, 1975

मोहर:

प्रस्तुत्यार्द्ध ३० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसप अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

निंदें सं० आर्द्ध० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/जून/914(5)/75-76—यतः मुझे, एस० सी० परीजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभावत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 41, रोड नं० 43 है, जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्लन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्लन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

(1) श्री लाल सिंह, सुपुत्र श्री गन्दा सिंह, निवासी एन०-31, कीर्ति नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री किशन सिंह, सुपुत्र श्री जवाहर सिंह, निवासी कोठी नं० 41, रोड नं० 43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोडस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 अधिभाजित भाग जोकि फोहोल्ड प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 140.46 वर्ग गज (कुल एरिया 280.92) है तथा नं० 41, रोड नं० 43, है और जोकि पंजाबी बाग, नई दिल्ली मादीरपुर गांव के एरिया, दिल्ली राज्य, दिल्ली में, मन्यसिपल कारपोरेशन के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड नं० 43।

पश्चिम : सर्विस लेन।

उत्तर : प्लाट नं० 39।

दक्षिण : जायदाद नं० 43।

एस० सी० परीजा,
सद्गम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 28 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रलेप आई० दी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1
4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/III/एस० आर०-III/
गई०/292(8)/75-76—यतः मुझे, एस० सी० परीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 10, ब्लाक नं० एस है, जो ग्रीन पार्क एक्सटैक्शन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से घोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाक्त, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० एस० आर० चान्दा एण्ड संस, उनके मैनेजिंग हिस्सेदार श्री एस० आर० चान्दा के द्वारा निवासी 9-ए०/31, डब्लू० ई० ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली

(2) श्री लेख राज, सुपुत्र श्री राम दिता मल, निवासी 14-ए०/31, डब्लू० ई० ए०, कारौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. (1) श्री मुधीर कुमार गुप्ता, (2) श्री अखील कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री बालाक राम, निवासी सी०-26, डीफेंस कालौनी नई दिल्ली, (3) श्रीमती आशा गुप्ता, पत्नी श्री आशत राम गुप्ता, निवासी रैड गेट्स, इतकी रोड, रांची, बिहार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या रखा है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग-मज्ज है और नं० 10, ब्लाक नं० 'एस' तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रीन पार्क एक्सटैक्शन, नई दिल्ली के युसुफ सराए जट; दिल्ली कुटब रोड, मुन्यसिपल कारपोरेशन की सीमा के अन्तर्गत दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : खुली जगह।

पश्चिम : लेन।

उत्तर : सीनेमा।

दक्षिण : प्लाट नं० एस०-9।

एस० सी० परीजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 30 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI—/1/29/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 75, जम्बुलिंग चेट्टी स्ट्रीट, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावन्द में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एस० सम्पत्ति, सेलम

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० सरला, एस० पवलमनि और ए० पोरकोडि, विरुद्धनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, जम्बुलिंग चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 75 में 110'×16' की भूमि और मकान (टी० एस० सं० 16/बी० 2)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख: 10-11-1975

मोहर:

प्रूप आई०टी०एन०एस०————

(1) श्री एस० सम्पत, सेलम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती आर० सरला, एस० पब्लमनि और ए०
पोरकोडि, विरुद्धनगर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदश सं० XVI/1/30/74-75—यतः मुझे, जी०
रामनातन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 75 ए०, जम्बुलिंग चेट्टी स्ट्रीट, सेलम है,
जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपायस में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रब्लों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम, जम्बुलिंग चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 75 ए०, मैं 110'
× 16' की भूमि और मकान (टी० एस० सं० 16/बी०
2)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० XVI/1/123/74-75—यतः मुझे जी० रामनातन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०टी०एस० 37 आदादुभाई कुट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:-

(1) श्री ए० मतुक्कणज चेट्टीयार और एम० रामलिंगम सेलम-6 । (अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० गोपालकम्भण चेट्टीयार सेलम (अन्तरिती)

(3) श्री एल० बी० सेतापति और आदि (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम दादुभाई कुट्टे टी०एस० सं० 37 में 3332 स्क्युर फोट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीखः 10-11-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI /1(III) /38 /74-75—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 52/2 पेरियेर सेलम में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

14—336GI/75

(1) श्री पी० के० सुब्रह्मनियम सेलम-2

(अन्तरक)

(2) श्री बी० टी० रामाराव और बी० टी० मुद्रम ग्रयर सेलम:

(अन्तरिती)

(3) श्री रामसामि चेहियार सेलम।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पूर्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, एवं भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम पेरियेर गांव टी० एस सं० 52/2 में 26812 स्क्वेयर फोट की भूमि और मकान।

जी० रामनातन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 5-11-1975

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती फ्लोरिडा फेनन्डो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० ए० एम० जजिमा विवि (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एफ० नं० 1682/75-76—यतः मुझे,
जी० बी० ज्ञाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 'लाट सं० 12, डोर सं० 3, कस्तूरि
एस्टेट्स, कतिल रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेण्ट सं० 887/75)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा
के लिए।

शतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उत्तराग्नि (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ग्रन्ति

मद्रास, कतिल रोड, कस्तूरि एस्टेट्स डोर सं० 3;
लाट सं० 12 में 4 ग्रउण्ड और 2080 स्क्युयर फीट की
भूमि (मकान के साथ)।

जी० बी० ज्ञाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास।

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एफ० 1683/75-76—यतः मुझे, जी० वी० ज्ञाबक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 22, बसुल्ला रोड, टी० नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तर्गत में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास, । (डाकुमेण्ट सं० 1006/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० आर० राजगोपाल, टी० आर० तोलादि, श्रीमती लक्ष्मि अम्माल, श्री टी० आर० मोहन टी० वी० रमणम (अन्तरक)

(2) श्री एन० एम० कदिर, घनेश और एन० एम० बेंकेटेश (मनर) मनर का गाड़ियन श्री एन० एस० मीनाथी सुन्दरम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, तियाधरायनगर, बसुल्ला रोड डोर सं० 22 में तीन ग्राउण्ड की भूमि (मकान के साथ)।

जी० वी० ज्ञाबक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रास।

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती सुशीला देवी मुलाव अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री विश्वामित्र व अन्य (अन्तरिती)

269-व (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यलाहिया करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 अगस्त, 1975

निर्देश नं० 22-वी०/ए० सी० क्य०—अतः मुझे विश्वास भाव नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०— है तथा जो मो० कटघर, मुरादाबाद में स्थित है (प्रीत इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित-में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान का आधा भाग जिसका क्षेत्र फल 193 वर्ग गज है जो कि मोहल्ला कटघर जिला मुरादाबाद में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

विश्वास भाव, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 25-8-1975

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज कानपुर

दिनांक 11 नवम्बर 1975

निदेश सं० 95/अक्यूजीशन/ बागपत/ 74-75—ग्रतः
मुझे, एफ० जे० बहादुर
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बागपत में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भूल्लन पुत्र शिव सहाय (2) हेमराज (3)
याद राम, (4) पूरन (5) गोधू पुन्नाण श्री सुच्चा
राम खेड़ा, बागपत, जिला मेरठ
(अन्तरक)

(2) श्री काबुल पुत्र भन्दा (2) मामचन्द (3) बासी राम
पुत्र बखतावर निवासी, खेड़ा, बागपत, जिला मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि खसरा नं० 3083 जिस का घेत्रफल
13 बीघा 1 बिस्ता 19 बिस्तांसी जो कस्ता खेड़ा जिला मेरठ में
स्थित है, 78,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज कानपुर।

तारीख : 11-11-75

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, तारीख 11 नवम्बर 75

निदेश सं० 94/आक्षयूजीयन/74-75/1900—अतः मुझे
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बागपत
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री काबुल पुत्र मन्डा (2) माम चन्द (3) धासी राम
पुत्र बखतावर, निवासी खेखड़ा, जिला भेरठ
(अन्तरक)

(2) श्री भूलन पुत्र शिव सहाय (2) हेमराज (3)
यादराम (4) पूरन (5) गोधू पुत्र सुच्चा राम
निवासी खेखड़ा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में यथा परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि खसरा नं० 1950 जिस का क्षेत्रफल
8 बीघा 11 बिस्त्रा और 18 विस्वन्सी है और जोकि कस्बा खेखड़ा
जिला भेरठ में स्थित है, 62,000/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित
किया गया है।

एफ० जे० बहादुर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख 11-11-75
मोहर :

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान

परीक्षा स्कंध

विज्ञप्ति

लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 13/1/75-प्रबन्ध—भारत के राजपत्र दिनांक 22 नवम्बर, 1975 में मन्त्रिमंडल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा प्रकाशित नियम के अनुसार निम्नलिखित सेवाओं में अस्थायी रिक्तियों पर नियुक्ति करने हेतु सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा 9 जुलाई, 1976 को अगरतला, अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, गोहाटी (दिस्पुर), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, श्रीनगर, त्रिवेंद्रम तथा विदेशों में स्थित कुछ न्यून हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) —ग्रेड-VI
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा—ग्रेड-II
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड ;
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड ;
- (v) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद;
- (vi) विशेष महानिरीक्षक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद
- (vii) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद, और
- (viii) ऊपर दी गई सेवाओं में न आने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों तथा संलग्न कार्यालयों में अवर श्रेणी लिपिक के पद

संस्थान अपने निर्णय से उपर्युक्त परीक्षा केन्द्रों और परीक्षा की तारीख में परिवर्तन कर सकता है, परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को सूचित कर दिया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. (क) इस परीक्षा के आधार पर ऊपर पैरा 1 में दी गई विभिन्न सेवाओं और पदों में नियुक्ति के लिए भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या नीचे दी गई है :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI *
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा-ग्रेड-II *
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड 600**
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड *

(v) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद *

(vi) विशेष महानिरीक्षक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद *

(vii) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद, और *

(viii) ऊपर दी गई सेवाओं में न आने वाले भारत सरकार के अन्य विभागों तथा संलग्न कार्यालयों में अवर श्रेणी लिपिक के पद *

*वाद में नियुक्ति की जाएगी।

**उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन हो सकता है।

(ख) ऊपर के उप-पैरा (क) के अनुसार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में दी गई रिक्तियों के अतिरिक्त आगे चल कर इस सेवा में कुछ अधिक रिक्तियों को भरने की आवश्यकता भी हो सकती है। इस उद्देश्य के लिए योग्यताक्रम से आरक्षित सूची बनायी जाएगी जिसकी संख्या सरकार इस परीक्षा का परिणाम घोषित करने से पूर्व नियुक्ति कर देगी। इस आरक्षित सूची का उपयोग 1977 की लिपिक श्रेणी परीक्षा का परिणाम निकलने से पहले केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में नियुक्तियों करने के लिए किया जाएगा। केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के लिए प्रतियोगिता करने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र में स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए कि क्या वे इस आरक्षित सूची में सम्मिलित होने के इच्छुक हैं, और यदि हैं तो उन्हें आवेदन पत्र के संभं 14 में अपनी अग्रता क्रमों में स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए कि आरक्षित सूची के लिए उनकी वारीयता क्या है।

(ग) ऊपर दी गई रिक्तियों में से कुछ रिक्तियों भूत पूर्व सैनिक उम्मीदवारों के लिए आरक्षित की जाएगी जिनका निर्णय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

(घ) अनुसूचित आदिम जातियों और अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार खाली स्थान आरक्षित किए जाएंगे।

3. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० 11/6/75-सी०एस०-II दिनांक 22 नवम्बर, 1975 के उपबन्धों के अनुसार कोई उम्मीदवार परीक्षा की योजना के अन्तर्गत किसी एक अथवा एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है। यदि वह एक से अधिक सेवाओं/पदों में प्रवेश का इच्छुक है तो भी उसे एक ही आवेदन पत्र भेजना है। उसे एक ही बार फीस देनी होगी और उसके द्वारा आवेदन की जाने वाली प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग फीस नहीं होगी।

4. किसी भी उम्मीदवार को जो कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का सदस्य न हो अथवा संघ राज्य क्षेत्र, गोआ, दमन तथा दीव का वासी न हो अथवा केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व टांगानिका तथा जंजीबार)

से प्रवासी न हो, 1961 से आयोजित परीक्षाओं में दो बार से अधिक बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऊपर दी गई श्रेणियों में न आने वाले उम्मीदवारों के द्वारा पहले से प्राप्त अवसरों की संख्या की उनकी नियुक्ति से पूर्व अच्छी तरह जांच की जाएगी। ऐसे उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि जांच करने पर यदि यह पाया गया कि उनमें से कोई भी उम्मीदवार, 1961 से 1975 तक की परीक्षाओं में दो बार बैठ चुकने के कारण इस परीक्षा का पाल नहीं था तो परीक्षा के नियमों के नियम 5 तथा 15 के अनुसार उसके बिरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

5. उम्मीदवार को आवेदन पत्र के अग्रता क्रमों में उत्तर सेवाओं/पदों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनमें वह विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे यह भी सलाह दी जाती है कि वह अधिक से अधिक अग्रताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यताक्रम में उसके स्थान का ध्यान रखते हुए नियुक्ति करते समय उसके वरीयता क्रम को उचित स्थान मिल सके। केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की आरक्षित सूची में सम्मिलित होने के इच्छुक उम्मीदवार को आवेदनपत्र के स्तरभ्य 14 में अग्रता क्रमों में आरक्षित सूची के लिए अपना अग्रता क्रम स्पष्ट करना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में दिए गए सेवाओं/पदों के लिए अग्रता क्रमों में परिवर्तन के लिए किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं होगा जब तक कि ऐसा अनुरोध दिनांक 31-12-76 को या उससे पहले सचिवालय प्रशिक्षण संथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय में नहीं पहुंच जाता।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर उप निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई विल्ली-110022 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 13 जनवरी, 1976 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रपत्र एक रुपया के मूल्य का पोस्टल आईंडर जो रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर नई दिल्ली पर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) को देय हो और “केवल प्राप्त कर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेज कर भी 13 जनवरी, 1976 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन पत्र करने के लिए भेजे गए प्रार्थना पत्रों पर परीक्षा का नाम “लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1976” स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आईंडर के साथ उम्मीदवार को साफ अक्षरों में अपने नाम तथा पते की तीन पर्चियों भेजनी चाहिए। एक रुपए का पोस्टल आईंडर और उपर्युक्त तीन पर्चियों की प्राप्ति पर आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण पत्र के अधीन) (Under Certificate of Posting) उम्मीदवार को भेज दिए जायेंगे। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से मंगाना चाहता हो तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना

चाहिए तथा एक रूपये की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपए के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पैक्सियां भेजनी चाहिए । पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर या चेक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे । एक रुपया अर्थात् दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी ।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-पत्र के मूल्य के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजें अथवा एक या दो रुपए की राशि, जैसी भी स्थिति हो, उस देश में स्थित भारत के उच्चायुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को “065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी०—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान परीक्षा स्कंध—अन्य प्राप्तियां—आवेदन-प्रपत्रों की विश्री” महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय में जमा कर दें और उस कार्यालय से टी० आर०—5 प्रपत्र में रसीद ले कर इस संस्थान को भारतीय पोस्टल आर्डर के स्थान पर भेजें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ उम्मीदवार को अपने नाम तथा पते की साक अक्षरों में तीन पर्चियां भी भेजनी आहिएं।

नोटिस, उम्मीदवारों को अनुदेश तथा नियम हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में छपे हैं। आवेदन पत्र के लिए प्रार्थना भेजते समय उम्मीदवारों को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे नियम आदि की प्रति अंग्रेजी में मंगाना चाहते हैं। अथवा हिन्दी में यदि ऐसा नहीं किया गया तो यह समझा जाएगा कि वे ये कागजात अंग्रेजी में मंगाना चाहते हैं।

नोट 1 :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही अपने आवेदन करें। लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। “केवल सरकारी प्रयोग के लिए” चिन्हित प्रपत्रों पर भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

नोट 2 :—श्रावेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 13 जनवरी, 1976 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विवेशों में रहने वाले तथा ग्रन्डमान और निकीबार द्वीपसमूह तथा लक्ष्मीप के व्यक्तियों के लिए श्रावेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 27 जनवरी, 1976 तक भी स्वीकार कर सी जाएंगी।

7. भरा हुआ आवेदन पत्र उप निदेशक (परीक्षा संघ) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1 पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 के पास 13 जनवरी, 1976 या उसके पूर्व, अनुबन्ध में दिए गए अनुदेशों के अनुसार आवश्यक प्रमाण-पत्र शादि के साथ प्रबन्ध पहुंच जाना चाहिए। निश्चित तारीख के बाब बिलने वाले किसी भी आधेशम पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्ष द्वीप में 13 जनवरी, 1976 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 27 जनवरी, 1976 तक भी ले लिए जाएंगे।

नोट 1—आवेदन-पत्र की मांग में देरी अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार की ही होगी।

नोट 2—जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र संस्थान के कांटर पर वें, वे वही पर उसी समय, उस कलर से, जो उनके आवेदन-पत्र लेगा, प्राप्ति-गार्ड ले लेवें।

8. (i) निर्धारित शुल्क:—नीचे के उप-पैरा (iii) तथा (iv) के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवारों के अन्तरिक्ष परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित फीस अवश्य देनी होगी:—

12.00 रुपये (3.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए)।

(ii) पैरा 8(i) में बताया गया शुल्क रेखित भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान होना चाहिए जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) को देय हों। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरा जाना चाहिए।

केवल प्राप्त कर्ता लेखा
भारतीय पोस्टल आर्डर
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान
(परीक्षा स्कंध) नई दिल्ली को
रामकृष्ण पुरम, (वितरण)
डाकघर, नई दिल्ली पर देय

संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) सांस्कृत सेना से निर्मुक्त भूतपूर्व सैनिकों को परीक्षा के लिए ऊपर निर्धारित फीस से छूट होगी।

(iv) यदि संस्थान संतुष्ट हो कि कोई उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा वह 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रविष्ट हुआ है। अथवा वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और उसने 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है अथवा वह श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, तो वह अपने विवेक से, उसे निर्धारित शुल्क की छूट दे सकता है।

(v) उम्मीदवारों को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) रामकृष्ण पुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिए गए उचित स्थान में पोस्टर आर्डर के पूरे छोरे पर देने चाहिए। जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क का रेखित

भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होगा उसे सुरक्षा अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को उसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और शुल्क न दे सकने की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 8 (iv) के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट जाते हैं।

9. संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से संबद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। शुल्क वापसी केवल तभी की जाएगी यदि परीक्षा निरस्त (रद्द) हो जाती है।

यदि किसी उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र देर में पहुंचने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जाता है तो उसका आवेदन-पत्र पोस्टल आर्डरों सहित, उसे वापिस कर दिया जाएगा।

10. आवेदन पत्र के विषय में सभी पत्र व्यवहार उप निवेशक, (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लाक -1, बिंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा उसमें निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर (यदि रोल नम्बर सूचित न किया गया हो, तो उसकी जन्म तिथि)
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा साफ अक्षरों में)
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया डाक का पता

इन विवरणों से रहित पत्रों पर शोध ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाकों पर उम्मीदवार “सिपिक श्रेणी परीक्षा, 1976” अवश्य लिख दें।

मदन लाल,
निवेशक (परीक्षा),
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

अनुबन्ध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. नोटिस के पैरा 6 के अनुसार इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावाली, आवेदन पत्र तथा अन्य कागजात उप-निवेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़ कर देखें कि वे परीक्षा में बैठने के पास भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता ही तो उसे अपनी पसंद से क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशनों (वह स्वयं जिस देश में है उससे मिलन देशों में स्थित) के नाम भी बैकल्पिक केंद्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को संस्थान यदि चाहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीनों मिशनों में से किसी भी एक में, अथवा किसी दूसरे मिशन में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को अपने नाम और पते के छ: हिस्सों वाले कागज सहित आवेदन प्रपत्र अपने हाथ से भरने चाहिए। सभी प्रथिलियां/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी ब्लाक-1, विंग-नं० 6, पोस्ट बैग 2, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए, ताकि वह नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विवेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवारों से संस्थान यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह नोटिस के पैरा 7 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विवेशों में या अडमान एवं निकोबार द्वीप समूहोंमा लक्ष्मीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी या अस्थायी रूप से सरकारी नौकरी में हों, उसे अपना-आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष के माध्यम से भेजना चाहिए जो आवेदन पत्र के अंत में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर संस्थान को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में नियुक्त या सरकारी श्रोद्योगिक संगठनों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले अन्य सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के माध्यम से भेजता है और वह संस्थान में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन प्रपत्र भरते समय कोई भी झूठा व्यौरा न दें और न ही किसी महत्व-पूर्ण तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र आदि अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

(परीक्षा स्कंध) को, रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाक घर, नई दिल्ली पर देय हों।

यह नोटिस के पैरा 8 के उप-पैरा (III) और (iv) के अनुसार सशस्त्र सेनाओं से विमुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों अथवा शुल्क की माफी चाहने वालों के लिए जरूरी नहीं है।

- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की एक सत्यापित प्रति।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 7 सें० मी० × 5 सें० मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां।

उपर लिखित मार्गे गए प्रमाण-पत्रों की प्रतियां तथा अन्यत उल्लिखित अन्य प्रमाण-पत्र, निम्नलिखित अधिकारियों से सत्यापित किए जाने चाहिए। वे अधिकारी अपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें और मुहर/रबड़ की मुहर अपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें:—

- (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी,
- (ख) संसद या राज्य विधान सभाओं या दिल्ली मैट्रोपोलिटन परिषद् के सदस्य,
- (ग) सब-डिवीजन का भजिस्ट्रैट/अफसर,
- (घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार,
- (च) उच्च विद्यालय/उच्च माध्यमिक विद्यालय/कालेज/उच्चतर शिक्षा संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधान अध्यापक,
- (छ) प्रखण्ड विकास अधिकारी,
- (ज) नगर निगम के सदस्य।

फोटोग्राफ अथवा पैरा 4(ii), 4(iii), 5 और 6(i से 6(ix)), तक में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतियां उम्मीदवार को बापिस नहीं भेजी जाएंगी।

उपर की मद (i), (ii), (iii), और (iv) से दिए गए प्रमाण-पत्र आदि का व्यौरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आईंडर :—

सभी पोस्टल आईंडरों पर आरी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाक घर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए। सभी पोस्टल आईंडर 'A/c Payee only' रेखांकन के साथ रेखांकित हों और इस प्रकार भरे जाएं:—

"सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) की रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर भुगतान करिए।"

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आईंडर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विश्वित या कटे फटे अथवा काल तिरोहित पोस्टल आईंडर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

पोस्टल आईंडर के दूसरी ओर उचित स्थान पर उम्मीदवार अपना नाम तथा पता लिखें।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (₹ 12.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 3.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, उस देश में जो भी हों, के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे इस राशि को लेखा भीष्म “065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी०—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा संघ) अन्य प्राप्तियां—परीक्षा शुल्क” में (जिसका समायोजन महानेताकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा) जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र को सत्यापित प्रति:—संस्थान सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र (सैकंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट) या किसी भारतीय विश्व विद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट) में दर्ज की गई हो। अनुदेशों के इस भाग में आए “मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र” के अन्तर्गत इन सभी वैकल्पिक प्रमाण-पत्रों को सम्मिलित समझा जाए।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं ऐसे मामलों में उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रति के अतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ मैट्रिकुलेशन अध्यवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति भेजने में असमर्थ हो तो उसे इसके लिए उचित स्पष्टीकरण भी अवश्य देना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को पैरा 4(iii) के नीचे नोट 2 के अन्तर्गत निर्धारित फार्म पर उस विद्यालय के प्रिसिपल/हैंडमास्टर से एक प्रमाण-पत्र लेकर भेजना चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन या समकक्ष परीक्षा में बैठा हो। उस प्रमाण-पत्र में उसकी आयु या विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म तिथि लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु के पूरे प्रमाण की सत्यापित

प्रति नहीं भेजी गई तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति में दी गई सारीख से भिन्न हों और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने का माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाण-पत्र (कम्प्लीटेट सैकेन्डरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट) हो उस प्रमाण-पत्र के केवल उस पृष्ठ की सत्यापित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिसमें आयु से सम्बद्ध प्रविष्टियां हों।

नोट 2 :—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भजने और संस्थान द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3 :—जिस उम्मीदवार ने (1) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अध्यवा (2) हैंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एजामिनेशन के लिए विद्यालयों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल अध्यवा (3) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का हायर सैकन्ड्री कोर्स या (4) दिल्ली पालिटेक्निक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, उसे संबद्ध स्कूल के प्रिसिपल से पैरा 4(iii) के नीचे नोट 2 के अन्तर्गत निर्धारित फार्म पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए। इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण-पत्र के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को नहीं लौटाया जाएगा।

नोट 4 :—जिन स्थापित व्यक्तियों के मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र की मूल प्रति पाकिस्तान में खो गई हो उन्हें संबद्ध विश्वविद्यालय से उनकी अनुलिपि भंगवा लेनी चाहिए और उन्हें उसकी एक सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए। यदि वे सम्बद्ध विश्वविद्यालय से मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र की अनुलिपि न भंगवा सके हों तो उन्हें विश्वविद्यालय के उस गजट के उद्धरण की एक सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए जिसमें उनके परीक्षा परिणाम प्रकाशित हुए हों। इस उद्धरण में उनके जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए और यह रजिस्टर या हैड मास्टर द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति :—उम्मीदवार को अपने प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा की एक सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में

से कोई एक योग्यता उसके पास है। जिस प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति भेजी गई हो, वह उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता प्रदान की हो)। यदि ऐसे प्रमाण पत्र या डिप्लोमा की सत्यापित प्रति न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसके न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य प्रमाण-पत्र भेजना चाहिए। संस्थान उस प्रमाण-पत्र के आधिकारी पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट 1 :— जिस उम्मीदवार के पास दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने का माध्यमिक विद्यालय परिषद्याग प्रमाण-पत्र ही, उसे उसके प्रथम पृष्ठ की सत्यापित प्रति और एस० एस० एल० सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की सत्यापित प्रति भेजनी चाहिए।

नोट 2 :— जिस उम्मीदवार ने (1) किसी मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अथवा (2) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एजामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल अथवा (3) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी का हायर सेकन्डरी कोर्स, या (4) दिल्ली पालिटेक्नोकल के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली हो उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपिल से नीचे निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिये। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं भेजा जाएगा।

द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र :—
देखिए पैरा 4 (ii) का तीसरा उप-पैरा अर उसके नीचे का नोट 3, तथा उपर्युक्त नोट 2]।

प्रमाणित किया जाता है कि :

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी*
सुपुत्र/धर्मपत्नी/सुपुत्री* श्री.....ने

*(क) वर्ष.....में.....
(बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम) की हायर सेकेन्डरी/हाई स्कूल/मैट्रिक्स/सैकेन्डरी स्कूल (माध्यमिक) परीक्षा*.....श्रेणी में उत्तीर्ण की है, परन्तु उक्त बोर्ड/विश्वविद्यालय ने उसका प्रमाण-पत्र अभी जारी नहीं किया है।

*(ख) इस विश्वविद्यालय की दसवीं कक्षा जोकि हायर सेकेन्डरी स्कूल/इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा/श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी के हायर सेकेन्डरी पाठ्यक्रम / दिल्ली पोलिटेक्नोकल के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम की उपांतिम कक्षा है.....

वर्ष में उत्तीर्ण कर ली है, और वह अब इस विवाहस्थ की कक्षामें पढ़ रहा/रही* है।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में वर्ज की गई उनकी जन्म की तारीखहै। इस तारीख की उसके स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में उसके दाखिले के समय उसकी ओर से प्रस्तुत किए गए विवरण से पुष्ट कर ली गई है।

(हैडमास्टर/प्रिसिपिल के हस्ताक्षर)
(विद्यालय की मोहर के साथ)

तारीख.....
स्थान.....

*जो शब्द लागू न हों उसे काट दें।

(iv) फोटो की तीन प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 7 सें. मी० × 5 सें. मी०) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतियां अधृष्ट भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवैदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए। और दूसरी तथा तीसरी प्रतियां आवैदन पत्र के साथ अच्छी तरह नक्षी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के आगे की ओर उम्मीदवार को स्थाही से अपने हस्ताक्षर करने चाहिए।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसम उम्मीदवार या उसके पिता मूल रूप से निवासी हैं/थे, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र प्राप्त करके उसकी एक सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

भारत सरकार के अन्तर्गत पदों पर नियुक्ति के लिए आवैदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*.....
सुपुत्र/धर्मपत्नी/सुपुत्री श्री.....जो
गांव/कस्बा*.....जिला/
मण्डल*.....राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*.....जिला/
के/की*.....जाति /
निवासी है, **.....जाति /

आदिम जाति से संबद्ध हैं जिसे अनुसूचित जातियां और अनुसूचित आदिम जातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश 1956* के साथ पठित बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966*

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (ग्रांडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967*

संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोवा, दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970*

के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति* के रूप में मान्यता दी गई है।

2. श्री/श्रीमति/कुमारी*—श्री/भा* उनके पिता—राज्य/संघ-राज्य क्षेत्र* के जिला/मण्डल* के ग्राम/कस्बा* के मूल रूप से निवासी हैं/थे*।

3. श्री/श्रीमति/कुमारी*—के पिता स्थायी रूप से राज्य/संघ-राज्य क्षेत्र* के जिला/मण्डल* के ग्राम/कस्बा* में रहते आ रहे हैं/थे* और उनकी जाति, अर्थात् कथित इलाके के संबंध में अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति* के रूप में अधिसूचित हुई है/नहीं हुई है*।

4. श्री/श्रीमति/कुमारी*—हिन्दू/सिख धर्म को मानता/मानती* है।

हस्ताक्षर

**पदनाम

(कार्यालय की मुहर)

स्थान

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

तारीख

*जो शब्द लागू न हो कृपया उनको काट दें।

**यहां उम्मीदवार की जाति/आदिम जाति का नाम लिखें।

नोट :— (i) हिंदू तथा सिख धर्म के अतिरिक्त किसी भी अन्य को मानने वाला व्यक्ति अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाएगा।

(ii) जो उम्मीदवार अनुसूचित जाति/आदिम जाति के होने का दाया करें और जो पाकिस्तान या बंगलादेश के प्रवासी हों, उनको उस जिले से अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए, जहां वे भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत किए गए थे।

***अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।

(1) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रापर जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिस्ट्री कमिशनर/प्रापर डिस्ट्री कमिशनर/डिस्ट्री कलैफ्टर/प्रथम श्रेणी वेतन भोगी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/ % सब डिवीजन मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एडिक्षुटिव मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक कमिशनर % प्रथम श्रेणी के वेतन भोगी मैजिस्ट्रेट से कम स्तर का नहीं।

(2) मुख्य प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त मुख्य प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/प्रसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(3) राजस्व अधिकारी जिनका स्तर तहसीलदार से कम न हो।

(4) उस क्षेत्र का सब-डिवीजनल अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(5) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव विकास अधिकारी (लक्ष्मीवीत)।

6. (i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 6(ग) (ii) या 6(ग) (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है, वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जिसने 1 जनवरी 1964 या उसके पश्चात परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है :—

(1) दण्डकारण्य प्रयोजना के पारगमन केंद्रों के कैम्प कर्मांडेंट अधिकारी राज्यों के सहायता केंद्रों के कैम्प कर्मांडेंट,

(2) जहां उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के जिला मैजिस्ट्रेट;

(3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से संबद्ध अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट;

(4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर

(5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयकर, कलकत्ता में निवेशक (पुनर्वास)।

यदि वह नोटिस के पैरा 8 (IV) के अन्तर्गत शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से ले कर एक मूल प्रमाण पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापिस नहीं किया जाएगा।

(ii) नोटिस के पैरा 8 (iv) के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले या नियम 6 (ग) (iv) या 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले श्री लंका से प्रत्यावर्तित भारतीय मूल व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त से इस आशय के प्रमाण पत्र की एक सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है। यदि वह शुल्क की छूट चाहता हो तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लेकर एक मूल प्रमाण-पत्र यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उसे वापिस दर्ही होगा।

(iii) नोटिस के पैरा 8 (iv) के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले या नियम (ग) (viii) या 6 (ग) (ix) के अन्तर्गत आयु में रियायत चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित भारतीय मूल के व्यक्ति को भारतीय राज द्वारा वास, रंगून द्वारा उसे दिए गए परिचय प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लेकर एक ऐसे प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करे जो यह दिखलावे कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है श्री 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। यदि वह शुल्क की छूट चाहता है तो उसे किसी जिला अधिकारी से अथवा किसी सरकारी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से एक मूल प्रमाण-पत्र भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करना चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकते की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण पत्र उम्मीदवार को वापिस नहीं किया जाएगा।

(iv) नियम 2 के अन्तर्गत भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा देने वाले भूतपूर्व सैनिकों को जो निर्धारित शुल्क की छूट चाहते हैं थल सेना/वायु सेना/नौसेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किया गया सेवा-मुक्ति प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व सैनिक है। इस प्रमाण-पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में भरती होने की वास्तविक तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं से निर्भुत होने की तारीख अवध्य दिखाई गई हो।

(v) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयुसीमा में रियायत चाहने वाले गोद्धा, दमन और कीव संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए:—

- (1) सिविल प्रशासन का निवेशक,
- (2) कॉन्सिल होस के प्रशासक (Administrator of Concelhos)
- (3) मामलातार

(vi) नियम 6 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में रियायत चाहने वाले केन्या, उर्गांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका तथा जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को मैं उस क्षेत्र के जिला भैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vii) नियम 6 (ग) (x) अथवा 6 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में रियायत चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक पुनर्बास, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा-सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शब्द देश के साथ संघर्ष में अथवा प्रशांतिग्रस्त क्षेत्रों में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैंक नं. _____ श्री _____ रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी गत्वा के साथ संघर्ष/प्रशांति ग्रस्त क्षेत्र में* फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

नाम _____

पदनाम _____

तारीख _____

*जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।

(viii) उपनियम 6 ग (xii) अथवा 6 (ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाला ऐसा उम्मीदवार जो सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए विकलांग हुआ हो, महानिदेशक सीमा सुरक्षा दल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करे कि वह 1971 के भारत पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट _____ के रैंक नं. _____ श्री _____ सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए भारत-पाक संघर्ष 1971 के दौरान विकलांग हुए और इस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर _____

नाम _____

पदनाम _____

तारीख _____

7. (क) यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी स्टिफिकेट) आवश्यक हों तो उसे अधीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के कार्यिक और प्रणासनिक सुधार विभाग को आवेदन करना चाहिए।

(ख) यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक न हों तो उसे प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने नान-जूडीशियल स्टाम्प पेपर पर नीचे लिखे किसी भी रूप में (जो उस पर लागू होता है) शपथ लेकर शपथ-पत्र (एफिडेविट) की सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

(1) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं 19 जुलाई, 1948 से पहले उन इलाकों से भारत आया था जो पाकिस्तान या बंगलादेश में हैं और मैं तब से आमतौर पर भारत में रह रहा हूँ और मैं यह घोषणा करता हूँ कि मैंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत करा लिया है।

(2) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं 19 जुलाई, 1948 को या उसके बाद उन इलाकों से भारत आया था जो अब पाकिस्तान या बंगलादेश में हैं और मैं तब से आमतौर पर भारत में रह रहा हूँ और मैं यह घोषणा करता हूँ कि मैंने संविधान के अनुच्छेद 6 के अधीन स्वयं को भारत के नागरिक के रूप में पंजीकृत करा लिया है।

(3) मैं घोषणा करता हूँ कि मैं पात्रता प्रमाण-पत्र के बिना ही संविधान के लागू होने की तारीख, अर्थात् 26 जनवरी, 1950 से पहले संघ की सेवा में प्रा गया था और तब से मैं लगातार उसी सेवा में हूँ और मेरे सेवाकाल का क्रम नहीं टूटा है।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार ऊपर की मद (2) के अन्तर्गत आता है तो वह ऊपर के उप-पैरा (ख) में अधेक्षित प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट के सामने लिए गए शपथ पत्र के स्थान पर भारत के नागरिक के रूप में पंजीकरण के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति प्रस्तुत कर सकता है।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र अपूर्ण है या अणुद्ध भरा गया है या पैरा 4(i), 4(ii), 4(iii), 4(iv), 5, 6 और 7 में उल्लिखित कागजात जो उनके द्वारा भेजे जाने थे, उनके न भेजे जाने के उचित कारण दिये बिना न भेजे गए हों, तो आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है और इसके विरुद्ध किसी अधील की सुनवाई नहीं होगी। कोई भी कागजात जो आवेदन पत्र के साथ न भेजा गया हो, किन्तु जिसके न भेजे जाने का कारण बताया जा चुका है, उसे आवेदन पत्र भेजने के तुरन्त बाद भेज देना चाहिए और किसी भी हालत में उन्हें संस्थान के कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तिथि से एक मास के अन्दर तो अवश्य पहुँच जाना चाहिए, अन्यथा आवेदन पत्र रद्द किया जा सकता है। प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां संस्थान द्वारा वापस नहीं की जाएंगी।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे किसी भी हालत में अपने द्वारा भेजे गये कागजातों या उनकी प्रतियों की प्रविष्टियों में शुद्ध या परिवर्तन वा

किसी अन्य प्रकार से उल्टफेर म करें, न ही वे उल्टफेर किये गये कागजातों को भेजे। यदि इस प्रकार के दो या अधिक कागजातों या उनकी प्रतियों में कोई अणुद्ध या अन्तर हो तो उसके बारे में स्पष्टीकरण भलग से दिया जाना चाहिए।

9. (क) जो उम्मीदवार नियमों के परिशिष्ट 1 के पैरा 1 के नीचे नोट (i) के अनुसार इस परीक्षा में टंकण परीक्षा पास करने से छूट का दावा करें वे संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षणशाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा आयोजित पहले से पास की गई टंकण परीक्षा के विवरण जैसे, रोल नम्बर, परीक्षा की तारीख तथा स्थान, गति जिससे परीक्षा पास की गई हो, आवेदन पत्र के स्तम्भ 9(क) में भर दें।

(ख) नियमों के परिशिष्ट 1 के पैरा 1 के नीचे टिप्पणी (ii) के अनुसार जो उम्मीदवार टंकण परीक्षा पास करने से छूट चाहे, उसे किसी सिविल सर्जन से नीचे दिए निर्धारित प्रपत्र में यह प्रमाण पत्र देना चाहिए कि वह शारीरिक अक्षमता (जिसका नाम प्रमाण पत्र में दिया जाना चाहिए) के कारण सदा के लिए टंकण परीक्षा पास करने के लिए अयोग्य है।

शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का प्रपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी..

..... सुपुत्र/सपुत्री (शारीरिक अक्षमता का नाम)

बीमारी से ग्रस्त हैं जो कि एक स्थायी प्रकृति की शारीरिक अक्षमता है। अतः उसको टंकण परीक्षा में बैठने और पास करने से छूट प्रदान की जाय।

चिकित्सा अधिकारी के
हस्ताक्षर
पदनाम
तिथि

टिप्पणी—यह प्रमाण पत्र केवल उन्हीं चिकित्सा अधिकारियों द्वारा जारी किया जाना चाहिए जो सिविल सर्जन हों अथवा सिविल सर्जन के समकक्ष या उच्चतर स्तर के हों।

(ग) टंकण परीक्षा के लिए उम्मीदवार को अपनी टाइप मशीन लानी होगी। स्टैंडर्ड साइज रोलर वाली टाइप मशीन परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में काम दे सकेगी। संस्थान किसी भी अवस्था में उम्मीदवारों को टाइप मशीन नहीं देगा। उम्मीदवार को निश्चय होना चाहिए कि उसके द्वारा परीक्षा के लिए लाई गई टाइप मशीन बिल्कुल ठीक है। यदि किसी उम्मीदवार की टाइप मशीन परीक्षा के दौरान खराब हो जाती है तो उसे अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा।

10. यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा में उत्तीर्ण होता है तो उसे अपने मूल प्रमाण पत्र (जिनकी सत्यापित प्रतियां आवेदन पत्र के साथ भेजी जाती थीं) उसे नियुक्त करने वाले अधिकारी को प्रस्तुत करने होंगे। नियुक्ति की शर्त निम्न प्रकार की है:—

- (क) उसके मूल प्रमाण-पत्र को प्रस्तुत किया जाना, जो आवेदन-पत्र के साथ भेजी गई सत्यापित प्रतियों से हर प्रकार से मिलते हैं।
- (ख) उसके द्वारा आवेदन-पत्र में दिये गये व्योरे पूर्ण रूप से मूल प्रमाण पत्रों में दिये गये व्योरे से मिलते होंगे और सही हों।

11. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने आवेदन-पत्रों को संस्थान के पास प्रस्तुत करने से पहले नीचे दिए क्रम के अनुसार तैयार कर लें:—

- (i) पोस्टल आईर;
- (ii) फोटो की दो अतिरिक्त प्रतियां (फोटोग्राफ की एक अन्य प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर चिपकानी है);
- (iii) यथावत् भरा हुआ आवेदन-पत्र;
- (iv) जन्म-तिथि के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (v) यह दिखाने के लिए एक प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति, कि उम्मीदवार न्यूनतम बांधित शैक्षणिक योग्यता रखता है, यदि यह जन्म-तिथि के प्रमाण-पत्र से भिन्न हों;
- (vi) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति/आदिम जाति का है, तो अनुसूचित जाति/आदिम जाति के प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (vii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व सैनिक होने का दावा करता है, तो विमुक्ति-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (viii) यह दिखाने के लिए कि उम्मीदवार बर्मा, श्री लंका, बंगलादेश इत्यादि से प्रवासी हैं, प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (ix) यदि उम्मीदवार चाहत है कि उसके मामले में निर्धारित फीस माफ की जाए तो यह दिखाने के लिए एक प्रमाण-पत्र कि उम्मीदवार फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है; और
- (x) कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो उम्मीदवार भेजना चाहता हो।

12. आवेदन-पत्र वेर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन

प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

13. यदि किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र डाक द्वारा भेजा हो, और परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविर्ती तारीख से पन्द्रह दिन के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्सालिज-मैट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए संस्थान से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

14. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि यह परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे संस्थान से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

15. पिछले वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की विकी प्रकाशन-नियंत्रक, प्रकाशन-विभाग, स्टेट एम्पोरिया बिल्डिंग, सी ब्लाक, एकक सं० 21, नहली मंजिल, आबा खालक सिंह मार्ग, नई दिल्ली के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से केवल मेल आईर द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, 14, जनपथ बैरबस 'ए' नई दिल्ली-110001, (2) प्रकाशन शाला का विकी काउन्टर, उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 और (3) गवनमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8, कें० एस० राय मार्ग, कलकत्ता-1 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाये विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेन्टों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

16. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते को भेज दिये जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर संस्थान को उसकी सूचना साफ अक्षरों में रोल नम्बर सहित छः पर्चियों पर लिखित नये पते के साथ नोटिस के पैरा 10 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि संस्थान ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस

नेशनल डिफेन्स एकेडेमी परीक्षा, मई, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० एफ० ७/२/७५-ई० I (बी०) — भारत के राजपत्र दिनांक 22 नवम्बर, 1975 में रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रकाशित अधिसूचना संख्या 20, दिनांक 27 अक्टूबर, 1975 के ग्रन्तसार नेशनल डिफेन्स एकेडेमी के थल, जल और वायु सेना पक्षों में प्रवेश हेतु, जनवरी, 1977 से प्रारंभ होने वाले 57 वें सत्र के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, विस्पुर, (गोहाटी), हवाराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तथा लिंबूद्वारा में 25 मई, 1976 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि जाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केल्ड्रों तथा उसके प्रारंभ होने को तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्थीरकृत उम्मीदवारों को समय सारिणी तथा परीक्षा के स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (वेखिए उपार्थ II पैरा 10)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या थल सेना के लिए 162 नौसेना के लिए 33 तथा वायु सेना के लिए 55 होगी।

इन संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार को अविवाहित पुरुष होना चाहिए और उसका जन्म 2 जुलाई, 1958, से पूर्व का तथा 1 जनवरी, 1961 के बाद का नहीं होना चाहिए। इन आयु-सीमाओं में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलगुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलगुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, को मनी आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनी आर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्थीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

आवेदन-प्रपत्र तथा संबद्ध कागजात निम्नलिखित किसी प्राधिकारी से भी निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं:—

(i) मुख्यालय बंगल एरिया, कलकत्ता/दिल्ली एरिया, दिल्ली कैट/पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश एरिया, अम्बाला कैट/उत्तर प्रदेश एरिया, बरेली/मध्य प्रदेश, बिहार तथा उड़ीसा एरिया, जबलपुर/महाराष्ट्र तथा गुजरात एरिया, बम्बई/आंध्र

तामिलनाडु, कर्नाटक तथा केरल एरिया, सैट टामस माउट, 101 कमान जेड एरिया केग्र आफ 99 ए.पी.ओ.ओ.।

(ii) मुख्यालय, इलाहाबाद सब-एरिया, इलाहाबाद/बम्बई सब-एरिया, बम्बई/लखनऊ सब-एरिया, लखनऊ/मेरठ सब-एरिया, मेरठ/पुणे सब-एरिया, पुणे/कलकत्ता सब-एरिया, कलकत्ता/एम०पी० सब-एरिया, भोपाल/जलधंर सब-एरिया, जलधंर/कर्नाटक सब-एरिया, बंगलौर/आंध्र सब-एरिया, सिकंदराबाद/बिहार तथा उड़ीसा सब-एरिया, दीनापुर/अम्बाला सब-एरिया, अम्बाला/देहरादून सब-एरिया, देहरादून/तामिलनाडु तथा केरल सब-एरिया, भद्रास/उत्तरी बंगल सब-एरिया 21 सब एरिया 31, 41 तथा 51 सब-एरिया मुख्यालय 61 स्वतंत्र सब-एरिया।

(iii) स्टेशन मुख्यालय-बंगदुबी बागडोगरा (प० व०), पठानकोट, श्रीनगर (ज० तथा क०), धर्म नगर, आसाम, गोहाटी।

(iv) सभी भर्ती कार्यालय।

(v) फ्लेग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौ-सेना कमान, बम्बई।

(vi) फ्लेग अफसर कमांडिंग, दक्षिणी नौ-सेना एरिया,

(vii) फ्लेग अफसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौ-सेना कमान, विशाखा पत्तनम्।

(viii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, कलकत्ता।

(ix) नेवल अफसर-इन-चार्ज, गोआ।

(x) नेवल अफसर-इन-चार्ज, मद्रास।

(xi) नेवल अफसर-इन-चार्ज, अंडमान तथा निकोबार।

(xii) नेवल अफसर-इन-चार्ज, काठियावाड़।

(xiii) वायु सेना मुख्यालय (पर्सॉनल अफसर 3), नई दिल्ली।

(xiv) सभी नेशनल केल्ड्र कौर यूनिटें।

वायु सेना के भर्ती कार्यालय :

(क) द्वारा एयर फोर्स स्टेशन, नई दिल्ली-110003।

(ख) 48 मैन्सफील्ड रोड, अम्बाला कैट।

(ग) मुकर्जी कैम्प, कानपुर कैट।

(घ) पश्चिमी बंगल जोन, ओ० ए० ए१० ए१० ए१० न० ३, एन० ए१० स००, बोस रोड, पी० रिजेन्ट पार्क, कलकत्ता-700040।

(ङ) निरंजन बिल्डिंग (चौथी मंजिल), 99 मेरीन साइन्स।

(पश्चिम), मेरीन लाइन्स रेलवे रेशन बैंसामने, बम्बई-400002।

(च) वायु सेना स्टेशन, तांबरम (मद्रास)।

(छ) न० १ कबून रोड, बंगलौर-५६०००१।

(ज) असम जौन, ऊजन आजार, गोहाटी।

(झ) अनुग्रह नारायण पथ, कडम कुआं, नया एरिया, पटना-३।

- (ज) ओल्ड पाली रोड, जोधपुर ।
- (ट) वायु सेना स्टेशन, बगमरेट, भिंडंगवाड़ ।
- (ठ) वायु सेना भर्ती दफ्तर, भुवनेश्वर ।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी भी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा मई, 1976 के लिए निर्धारित शुल्क प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। नेशनल डिफेंस एकेडेमी परीक्षा मई, 1976 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विधार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 19 जनवरी, 1976 (19 जनवरी, 1976 या उसके पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 2 फरवरी, 1976, को या उसके पूर्व आवश्यक प्रलेखों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस तारीख के बाद मिजने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विधार नहीं किया जाएगा।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस भात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

नोट :—यदि उम्मीदवारों को उपर्युक्त पैरा 4 के दूसरे उप-पैरा में उल्लिखित रक्षा प्राधिकारियों से आवेदन-प्रपत्र एवं संबद्ध कागजात प्राप्त करने में कठिनाई या देरी ही तो उन्हें उपर्युक्त पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित विधि के अनुसार उपर्युक्त प्रपत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग से प्राप्त करने के लिए सामयिक कार्रवाई अवश्य करनी चाहिए।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपायंथ I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट विधि से अवश्य करें।

जिस आवेदन-पत्र के साथ इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उसे एकम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो उपायंथ I के पैराप्राप्त 2 तथा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार के अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस सेने के सम्बन्ध में उससे प्राप्त किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

9. यदि कोई उम्मीदवार जो नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश के लिए दिसम्बर, 1975 में होने वाली परीक्षा में बैठ रहा है और अब यहां अधिसूचित परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षा परिणाम या नेशनल डिफेंस एकेडेमी में प्रवेश प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए विना अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि यह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह दिसम्बर, 1975 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर एकेडेमी में प्रवेश के लिए अनुशंसित कर दिया जाता

है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा। जिस प्रकार उपायंथ I के पैरा 4 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता, बश्ते कि उम्मीदवारी को रद्द करने और शुल्क की वापसी का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1976 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।

एम० एस० प्रयोगी,
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग।

उपायंथ-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए 7.00) का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंडों या स्टेट बैंक आफ इंडिया नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्टों द्वारा भुगतान करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, किसी अन्य निधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा और ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राणि संबद्ध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. थल सेना के जूनियर कमीशन्ड अफसरों, नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रेंकों के अफसरों और भारतीय नौसेना तथा भारतीय वायुसेना में उनके समकक्ष रेंकों के अफसरों और थल सेना के भूतपूर्व जूनियर कमीशन्ड अफसरों, भूतपूर्व नान कमीशन्ड अफसरों तथा अन्य रेंकों के भूतपूर्व अधिकारियों और भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में उनके समकक्ष रेंकों के अधिकारियों के बच्चे यदि निम्नलिखित शर्तें पूरी करते हैं तो उन्हें निर्धारित शुल्क नहीं देना होगा।

(i) यदि वे मिलिटरी स्कूलों (पहले जिनका नाम किंग जार्ज स्कूल था) /सैनिक स्कूल सोसायटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों में पढ़ रहे हैं तथा

(ii) उनके आवेदन-पत्र सम्बद्ध स्कूल के प्रिसिपल द्वारा इस अनुशंसा के साथ अप्राप्ति किए जाते हैं कि उन्हें लिखित प्रश्न पत्रों के कुल अंकों में से कम से कम 30 प्रतिशत अंक मिलने की आशा है।

3. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस भात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रजन कर भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत आया है, और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

4. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, उसे ₹ 15.00 (अनुसूचित जन जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 4.00) की राशि वापिस कर दी जाएगी । किन्तु यदि अधिसूचना के पैराग्राफ 8 के नीचे नोट 1 की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर रद्द कर दिया जाए कि वह अर्थक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट की शर्तों की अपेक्षाओं का पालन नहीं कर सकता तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा ।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 9 में दी गई व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आवश्यित रखा जा सकेगा ।

उपायन्ध-II

उम्मीदवारों को अमुदेश

1. इस परीक्षा से संबद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य विवरण इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित विधि द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय तथा कुछ अन्य प्राधिकारियों से प्राप्त किए जा सकते हैं । उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली ध्यान से पढ़ कर यह बेख से कि वे परीक्षा में बैठने के पावर भी हैं या नहीं । निर्धारित शर्तों से छूट नहीं दी जाएगी ।

आवेदन-पत्र भरने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है अंतिम रूप से अनु सेना चाहिए । सामान्यतः अनु सेना में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र और पावरी कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए । जो आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा होगा उसे रद्द किया जा सकता है ।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र और पावरी कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए ।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा ।

विवेश में यो अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह या लक्ष्मीनाथ में रह रहे उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 जनवरी, 1973 से पहले की किसी तारीख से विवेश में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह या लक्ष्मीनाथ में रह रहा था ।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या प्रस्थायी हैंसियत से अवश्य आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो, उसे अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष

की मार्फत ही भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सैक्षण “बी”) को भर कर आयोग को भेज देगा ।

थल सेना, नौ सेना या वायु सेना में कार्य करने वाले उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र अपने कमांडिंग अफसर की मार्फत भेजना चाहिए जो पृष्ठांकन (देखिए आवेदन-प्रपत्र का सैक्षण “बी”) को भर कर आयोग को भेज देगा ।

भारत नौ सेना के नाविकों (वाल एवं शिल्पी अप्रेटिसों सहित) को अपनी प्रथम वर्षीयता भारतीय नौ सेना के लिए ही देनी चाहिए । उनके आवेदन-पत्रों पर तभी विचार किया जाएगा जबकि वे उनके कमांडिंग अफसरों द्वारा विधिवत् अनुशंसित हों ।

राष्ट्रीय डिप्युटी मिलिट्री कॉलेज (जिसका नाम पहले सैनिक स्कूल था), देहरादून, के कैंडेट, मिलिट्री स्कूलों (जिसका नाम पहले किंग जार्ज स्कूल था) तथा सैनिक स्कूल सौसायटी द्वारा संचालित सैनिक स्कूलों के विद्यार्थी अपने आवेदन-पत्र संबद्ध कॉलेज/स्कूल के प्रिसिपल की मार्फत भेजें ।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं । यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता की अंतिम तारीख से फहले प्रस्तुत किया गया हो ।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल अर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपायन्ध-I) ।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० × 7 सें. मी. ०) की फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ ।
- (v) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 5) ।
- (vi) शुल्क की माफी से संबद्ध दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, जहां लागू होता हो (देखिए नीचे पैरा 6) ।

नोट:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केतल प्रतिलिपियाँ ही भेजें और वे प्रतिलिपियाँ सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा उम्मीदवार द्वारा स्वयं सही प्रमाणित हों । लिखित परीक्षा के परिणाम के अधार

पर जो उम्मीदवार सेवा व्यवस्था बोर्ड के साक्षात्कार के लिए सफल घोषित हो जाएं उन्हें लिखित परीक्षा परिणाम के घोषित हो जाने के शीघ्र बाद ही उपर्युक्त मूल प्रमाण-पत्र भेजने होंगे। परीक्षा परिणाम के सितम्बर 1976 में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को लेयर रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं कर पाते उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार आगे विचार किए जाने का वादा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण नीचे दिया गया है और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 5 और 6 में दिया गया है:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आड़ेर:—

प्रत्येक पोस्टल आड़ेर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित कियय जाएः:—



और इस प्रकार भरा जाएः:—

Pay To The Secretary, Union Public Service Commission, At New Delhi General Post Office.

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आड़ेर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएँगे। विस्तृपित या कटे फटे पोस्टल आड़ेर भी स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

समस्त पोस्टल आड़ेरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि पोस्टल आड़ेरों को रेखांकित किए बिना या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल पोस्ट अफिस में देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैक ड्राफ्ट

बैक ड्राफ्ट स्टेट बैक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैक में देय बैक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएँगे। विस्तृपित या कटे फटे बैक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहा हो, वह निर्धारित शुल्क की राशि (रु 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, जो भी हो, के कार्यालय में जमा करवाएँ और उनसे कहें कि वे उस राशि को लेखा शीर्षक “O-51-Public Service Commission Examination, Fees.” में जमा करदे उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजे दें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग समान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण (एक्सट्रैक्ट) में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो वह, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति भेज दें।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र को सम्मिलित समझा जाए।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्रों में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या आस्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र के साथ मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अवधारणा समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजने में असमर्थ हो तो उसे उसके न भेजे जाने का उचित स्पष्टीकरण भी अवश्य देना चाहिए। ऐसे उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ पैरा 3 (iii) के नीचे दिए गए नोट में निर्धारित फार्म पर उस संस्था के प्रिसिपल/हैड मास्टर से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा में बैठा हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी आयु/जन्म की तारीख लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवार को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यथाशीघ्र प्रस्तुत करनी होगी। यदि आगे चलकर उसके द्वारा आवेदन-पत्र में लिखी गई जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष

प्रमाणपत्र में दर्ज की गई जन्म की तारीख से भिन्न पाई गई हो और इस बारे में संघ लोक सेवा आयोग के लिए संतोषजनक प्रतीत होने वाला कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो, तो उसे अनहैं घोषित कर दिया जाएगा।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिक्युलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट-1:—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 2:—उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि उसके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं जाएगी।

(III) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को अपने किसी ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि प्रधिसूचना के पैरा 8 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि नहीं भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य ऐसा साक्ष्य भेजना चाहिए जो वह प्रस्तुत कर सकता है। आयोग इस साक्ष्य पर गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

नोट:—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो, अर्थात् वह इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश लेने के लिए आवेदन कर सकता है किन्तु उसे सम्बद्ध विद्यालय के हैडमास्टर/प्रिसिपल से नीचे दिए गए निर्धारित फ़ार्म पर एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें भी परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मात्रा जाएगी। इन उम्मीदवारों की उम्मीदवारी यदि वे परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी रो जल्दी, और हर हालत में 15 दिसम्बर, 1976 तक प्रस्तुत नहीं करते हैं तो रद्द कर दी जाएगी।

ऐसे उम्मीदवारों को चाहे वे इस परीक्षा के लिखित भाग में सफल हों या न हों, अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण उपर्युक्त तारीख तक प्रस्तुत करना होगा। यदि वे इस अनुदेश का पालन नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी तथा वे अपना परीक्षा परिणाम जानने के अधिकारी नहीं होंगे।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फ़ार्म *प्रमाणित किया जाता है कि श्री—संपुत्र श्री—द्वारा संचालित—परीक्षा में—मास, 19—में बैठने वाले/बैठ* चुके हैं।

2. *विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज उनकी जन्म की तारीख—है। इस तारीख की स्थानांतरण प्रमाण-पत्र विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी ओर से प्रस्तुत किए गए विवरण से पुष्ट कर ली गई है।

(प्रिसिपल/डीन/रजिस्ट्रार* के हस्ताक्षर)
तारीख—
स्थान—

(कालेज/विश्वविद्यालय/संस्था* का नाम)
*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

से (IV) फोटो की वो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी० के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रतिआवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्यी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में लिखे प्रमाण-पत्र आदि में से कोई एक न लगा होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया हो, तो यह आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रमाण-पत्र आदि अवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे (ऊपर पैरा 3 (iii) के नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर) हर हालत में आवेदन-पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड द्वारा संभालकार के समय उन प्रलेखों में से किसी की भी मूल प्रति दिखाने को कहा जा सकता है जिनकी प्रतिलिपियां उन्होंने प्रस्तुत की हों।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित

माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जैसा कि नीचे निर्दिष्ट है, जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
सुपुत्र श्री
जो गांव/कस्बा*
जिला/मण्डल* राज्य/संघ*

राज्य क्षेत्र के निवासी है,
जाति/जन* जाति के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथासंशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश 1956*
संविधान (अंडमान और निकोबार-द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1959*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश 1962 1*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1962 1*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967*

संविधान (गोआ दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश 1968 1*

संविधान (गोआ दमन तथा दीयु) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1968 *

संविधान (भागलंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1970*

2. श्री
श्रौर/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*
जिला/मण्डल* राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते हैं।
राज्य* हस्ताक्षर
संघ राज्य क्षेत्र **पदनाम
स्थान कार्यालय की मोहर सहित तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहां “आम तौर से रहते हैं” का अर्थ वही होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950 की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंड्री मैजिस्ट्रेट से कम ग्रोहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडिशनल चीफ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/एवलमेन्ट अफसर (लकड़ीप)।

6. (i) उपाबन्ध I के पैरा 3 के प्रत्यंगत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रवर्जन कर भारत आया है।

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का डिवीजनल अफसर।

(5) उप-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) उपाध्यक्ष—I के पैरा 3 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क में छूट चाहने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को, या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) उपाध्यक्ष—I के पैरा 3 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून, द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, प्रथम उसके जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है। उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे इंडियन मिलिटरी एकेडेमी में प्रशिक्षण के लिए अपना चयन हो जाने के बाद अभीष्ट पात्रता-प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रक्षा मन्त्रालय को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदन-प्रपत्र भरते समय कोई भी सूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी आवश्यक सूचना को छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख या उसकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में कभी भी कोई गुह्य या परिवर्तन न करें, न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर-बदल करें, और न ही फेर-बदल किए गए जाली प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि कोई अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उसकी अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपियों में कोई असंगति हो तो उस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण दिया जाए।

9. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आविष्कारी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्टानिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथावृत्ति दें जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछले पांच वर्षों में ली गई परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की प्रतियों की बिक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली 110006 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आडर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें किताब (i) किताब महल रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, “सी” ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001, से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन अधिकारियों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. रक्षा मन्त्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान निदेशालय) ने दो विनिवन्ध (Monographs) प्रकाशित किए हैं जिनका उल्लेख नीचे किया गया है। इन विनिवन्धों को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार उन बुद्धिपरीक्षणों से परिचित हों जायें जो सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिए जाते हैं।

- पी० आर० हैब्ल्य० I तथा पी० आर० डब्ल्य० II वाले बुद्धिपरीक्षण बी० टी० आई० का फलांक।
- पी० आर० डब्ल्य० 24 तथा आई० एस० पी० 45 वाले बुद्धिपरीक्षण बी० टी० आई० का फलांक।

ये विनिवन्ध समूल्य प्रकाशन हैं और इनकी बिक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और इन्हें वहां से मेल आडर द्वारा अथवा नकद पैसा देकर सीधे प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, “सी” ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग नई दिल्ली (110001) (ii) प्रकाशन शाखा का सेल काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नरमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है।

13. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:— आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आविष्कार संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर

हाउस नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाएः—

1. परीक्षा का नाम
2. परीक्षा का महीना और वर्ष ।
3. रोल नम्बर (यदि रोल नंबर उम्मीदवार को सूचित नहीं किया गया हो तो उम्मीदवार की जन्म की तारीख) ।
4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में) ।
5. आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता ।

ध्यान दे :—जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा हो सकता है उन पर ध्यान नहीं दिया जाए ।

14. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें । पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए ।

परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए ।

यदि आयोग द्वारा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए अनुशंसित उम्मीदवार ने परीक्षा के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद अपने पते में परिवर्तन किया है तो उसे सिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद बदले हुए पते के बारे में सेवा मुख्यालय पैरा 6 जी० बांच आर० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०) बेस्ट ड्लाक 3 विंग 1 रामानुजानुपरम नई दिल्ली (110022) को भी सूचित कर देना चाहिए । जो उम्मीदवार इस आवेदन का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार के लिए सम्मन प्राप्त न होने पर अपने मामले में विचार किए जाने के बावें से वंचित हो जाएगा ।

यद्यपि प्राधिकारी ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करते हैं किन्तु इस विषय में वे कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकते ।

15. जिन उम्मीदवारों के नामों की अनुसंसा सेवा चयन बोर्ड को साक्षात्कार के लिए कर दी गई हो उन्हें अपने साक्षात्कार से संबद्ध पूछताछ या अनुरोध यदि कोई हो सीधे सेवा मुख्यालय पैरा 6 जी० बांच आर० टी० जी० 6 (एस० पी०) (ए०) बेस्ट ड्लाक 3 विंग 1 रामानुजानुपरम नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए ।

जिन उम्मीदवारों को किसी विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठाना हो, उन्हें इस परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के सुरक्षित बाद, विश्व विद्यालय की परीक्षा की तारीखों के बारे में सेवा मुख्यालय को सूचित कर देना चाहिए जो, यदि सभी हुआ तो, साक्षात्कार की तारीखे निर्धारित करने से पूर्व इस तथ्य पर विचार कर सकता है ।

जिन उम्मीदवारों के नाम संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अन्तिम वरीयता सूची में सम्मिलित हों यदि उनके पहले ही दिए गए पते में कोई परिवर्तन हो तो उन्हें योग्यता-क्रम के समाचार-पत्रों में प्रकाशन के तुरन्त बाद, सेवा मुख्यालय आर० टी० वी०,

6 (एस० पी०) (ए) (i) बेस्ट ड्लाक-3, आर० के० पुरम, नई दिल्ली (110022) को आगाम गवीनतम पता सूचित करना चाहिए ताकि सेवा मुख्यालय द्वारा प्रेपित कार्यभार ग्रहण करने से सम्बद्ध अनुदेश ठीक समय पर उनके पास पहुंच जायें । यदि ऐसा नहीं किया गया तो कार्यभार ग्रहण करने से सम्बद्ध अनुदेश प्राप्त न होने की पूरी जिम्मेदारी उम्मीदवार की होगी ।

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1975

सं० एफ० 1/6/73-स० II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 (1957 का 66) की धारा 97 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग (दिल्ली नगर निगम द्वारा परामर्श) विनियामवली, 1959 में निम्न प्रकार से संशोधन किए जाते हैं :—

1. विनियम 2 की मद (घ) तथा (छ) में निम्न प्रकार के प्रतिस्थापन किया जाए :

“(घ)” महाप्रबन्धक “का आशय दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान (विद्युत) से है” ।

“(छ)” संस्थान “का आशय यथा स्थिति दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान या दिल्ली जल प्रदाय तथा मल व्ययन संस्थान से है” ।

2. विनियम 6 में निम्न प्रकार से प्रतिस्थापन किया जाए :

“6—स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति द्वारा भर्ती—धारा 96 की व्यवस्था के अनुसार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा आयोग से परामर्श ले कर तथा आयोग द्वारा बताई गई विधि के अनुसार स्थानान्तरण अथवा प्रतिनियुक्ति द्वारा किसी पद पर भर्ती की जाए ।”

3. विनियम 11 में निम्न प्रकार से प्रतिस्थापन किया जाए :—

“11 : राष्ट्रीयता—नियुक्ति के लिए उम्मीदवार को भारत का नागरिक होना चाहिए, या वह ऐसे वर्ग से संबद्ध हो जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए गए हों ।”

4. विनियम 12 में निम्न प्रकार से प्रतिस्थापन किया जाए :—

“12—आयु—उम्मीदवार निर्धारित आयु सीमाओं को अवश्य पूरी करता हो—

परन्तु अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर अधिसूचित वर्गों के व्यक्तियों के त्रिए प्रत्येक वर्ग के सम्बन्ध में अधिसूचित शर्तों तथा सीमाओं के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जा सकती है ।

यह भी हो सकता है कि आयोग यदि चाहे तो विशेष परिस्थियों में आयु सीमाओं में तीन वर्ष तक की छूट दे ।”

अ० च० बंधोपाध्याय,

सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th November 1975

No. F.36/75-SCA(I).—In exercise of the powers conferred by clause 2 of Article 146 of the Constitution of India, the Hon'ble the Chief Justice of India hereby makes the following rules to amend the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1961, namely :

- (1) (i) These rules may be called the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service and Conduct) (Amendment) Rules, 1975.
- (ii) They shall be deemed to have come into force on the first day of March 1966.
- (2) In sub-rule (a) of rule 2 of the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1961, the figures '1950' shall be substituted by the figures '1966'.

By Order

S. K. GUPTA,
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th October 1975

No. P/1855-Admn.I.—Dr. Joseph P. John has been appointed as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from 1-10-1975 to 30-11-1975 (both days inclusive).

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary,
For Chairman,
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 29th October 1975

No. 2/21/75-Admn.—Shri Brahm Dutt, Assistant, who was appointed to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of 8th September, 1975, *vide* the Central Vigilance Commission's Notification No. 2/21/75-Admn., dated the 9th September, 1975, reverted as Assistant with effect from the afternoon of 6th October, 1975.

B. V. DIGHE
Under Secretary,
for Central Vigilance Commissioner

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 24th October 1975

No. Admn I/11-144(XI)/3281.—The Accountant General, Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Sec-

tion Officers to officiate as Accounts Officers in this office w.e.f. the dates noted against each till further orders :—

S/Shri

1. Raj Kumar Ghosh—18-10-75 (AN).
2. Purushottam Prasad Tripathi—18-10-75 (AN).

U. RAMACHANDRA RAO
Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 29th October 1975

No. Estt. A/VII/9-86/Vol. II/202.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Kerala in a substantive capacity in the Accounts Officers' grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the dates noted against each.

1. Shri C. P. Devassy—1-3-1974.
2. Smt. K. Ponnammal—1-3-1974.
3. Shri G. Vasudeva Kamath—1-3-1974.
4. Shri N. Chandrasekharan Nair—1-3-1974.
5. Shri N. Ramachandran Nair (No. 1)—1-3-1975.
6. Shri Y. Ravindranathan—1-3-1975.
7. Shri S. Subramonia Iyer (No. 1)—1-3-1975.
8. Shri S. Rajagopal—1-3-1975.
9. Shri R. Kumaran Nair—1-3-1975.
10. Shri N. S. Neelakantan Nair—1-8-1975.
11. Shri T. Gopalakrishnan Nair—1-9-1975.

K. GANESAN

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-1, the 30th October 1975

No. 4585/A-Admn/130/75.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned officiating Audit Officers, in a substantive capacity in the same post with effect from 1st March 1975.—

Sl. No. and Name.
S/Shri

1. N. C. Biswas
2. Gurbaksh Singh
3. V. Nagaratnam
4. S. H. S. Thapar
5. K. V. Jankiramanan.

SMT. GIRIJA ESWARAN
Sr. Dy. Director of Audit, DS

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
(Office of the Controller General of Defence Accounts)

New Delhi-22, the 29th October, 1975

No. 40011 (1)/75/AN-A (II).—The Controller General of Defence Accounts, hereby appoints the undermentioned permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating capacity with effect from the date noted against each until further orders :—

Sl. No.	Name	Organisation in which serving.	Date.
(1)	(2)	(3)	(4)
S. Shri			
1. Jit Singh		Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	1-10-74 (FN)
2. Tej Prakash Nanda		Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	28-8-75 (FN)
3. Wazir Chand		Controller of Defence Accounts (Factorless) Calcutta.	17-6-75 (FN)
4. M. R. Srinivasa Raghavachari		Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	2-6-75 (FN)
5. O. P. Chopra		Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut	25-6-75 (FN)
6. K. S. Asthana		Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.	2-6-75 (FN)
7. J. N. Deo Bhakta		Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.	16-6-75 (FN)
8. Har Krishan Lal		Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	2-6-75 (FN)
9. Lachman Singh Sohi		Controller of Defence Accounts, (Air Force), Dehra Dun.	2-6-75 (FN)
10. Des Raj Bhatia		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	2-6-75 (FN)
11. Raja Ram Verma		Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	4-6-75 (FN)
12. Ram Lal Madan		Controller of Defence Accounts, (Other Ranks) North, Meerut.	30-6-75 (FN)
13. P. Rama Mohan Rao		Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	11-6-75 (FN)
14. Sankha Mohan Deb		Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.	1-8-75 (FN)
15. Raghu Bir Singh		Controller of Defence Accounts, (Pensions) Allahabad.	2-6-75 (FN)
16. D. D. Kavi		Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.	30-6-75 (FN)
17. Hari Bhagat Sharma		Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	12-6-75 (FN)

(1)	(2)	(3)	(4)
18. Gurbaksh Singh		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	7-6-75 (FN)
19. Devki Nandan Dhawan		Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.	6-6-75 (FN)
20. Sardari Lal		Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	11-7-75 (FN)
21. Ram Lal Goel		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	14-7-75 (FN)
22. Satya Prakash Gupta		Controller of Defence Accounts, Patna.	16-7-75 (FN)
23. Gurbaksh Singh Rossa		Controller of Defence Accounts, Patna.	28-7-75 (FN)
24. Radhey Shiam Gupta		Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	4-7-75 (FN)
25. K. K. Roy Chowdhury		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	14-7-75 (FN)
26. G. Natesan		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	11-7-75 (FN)
27. Raj Kumar Talwar		Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	4-7-75 (FN)
28. N. V. Ardh Nari		Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.	28-7-75 (AN)
29. Ram Dev Verma		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	11-8-75 (FN)
30. Kashmiri Lal Dhawan		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	15-7-75 (FN)
31. Prem Chand Sharma		Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	4-7-75 (FN)
32. Joginder Singh Talwar		Controller of Defence Accounts, Patna.	28-7-75 (FN)
33. Prem Sagar Gupta		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.	3-7-75 (FN)
34. Shiv Lal Katyal		Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut	14-7-75 (FN)
35. Chiranji Lal Gupta		Controller of Defence Accounts, Southern Command Poona.	31-7-75 (FN)
36. S. K. Dutta		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	8-8-75 (FN)
37. J. S. A. Satya Narayana		Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	16-8-75 (FN)
38. Jagdish Singh		Controller of Defence Accounts, Patna.	29-8-75 (FN)
39. A. Mada Swamy		Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.	26-8-75 (FN)
40. Devi Ram		Controller of Defence Accounts (Pension), Allahabad.	8-9-75 (FN)
41. G. C. Bain		Controller of Defence Accounts, Patna.	21-8-75 (FN)
42. D. L. Khadse		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	13-8-75 (FN)
43. Hari Singh		Controller of Defence Accounts, Patna.	23-8-75 (FN)
44. Lachha Singh		Controller of Defence Accounts, Patna.	18-8-75 (FN)
45. T. M. Krishnan		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	11-8-75 (FN)
45. Rewa Dhar Joshi		Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.	2-6-75 (FN)
47. H. Sankaran		Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.	2-8-75 (FN)
48. Shiv Datt Sharma		Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut	29-8-75 (FN)
49. S. C. Verma		Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.	13-8-75 (FN)

New Delhi-22, the 29th October 1975

No. 18332/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri D. N. Kaila, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to pension establishment and accordingly struck off the strength of the Department with effect from 31-1-1976 (AN).

No. 18301/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri V. Nagarajan, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to Pension establishment and struck off the strength of the Department w.e.f. 31-12-1975 (AN) on expiry of leave preparatory to retirement of 77 days granted to him from 16-10-1975 to 31-12-1975.

No. 18219/AN.II.—On attaining the age of 58 years, Shri Mangal Sain Kapur, Deputy Controller of Defence Accounts (Factories) will be transferred to pension establishment and accordingly struck off the strength of the Department with effect from 31-12-1975 (AN).

No. 18237/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Nikhilesh Banerjee, Deputy Controller of Defence Accounts (Factories) will be transferred to pension establishment and struck off the strength of the Department with effect from 31-12-75 (AN) on expiry of leave preparatory to retirement of 78 days granted to him with effect from 15-10-1975.

No. 18231/AN-II.—Resignation from the Indian Defence Accounts Service, tendered by Shri S. C. Srivastava, Deputy Controller of Defence Accounts, has been accepted with effect from 27-9-75 (FN). Accordingly, he has been struck off the strength of this Department from the same date.

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts
(AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 31st October 1975

No. 6/935/71-Admn (G)/11023.—On attaining the age of superannuation, Shri Sarvjit Singh relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 30th September, 1975.

B. D. KUMAR
Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th October 1975

No. A-1/1(990).—Shri G. L. Chandna, Assistant Director (IR) (Grade I) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay relinquished charge of his post on the afternoon of 4th October, 1975 on his reversion to the post of Machine Supervisor in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL OF ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 22 October, 1975

No. 2/12/75-SII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints the following SEAs to officiate in the grade of Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against each at the Station/Offices of All India Radio shown against their names until further orders :—

Sl. No.	Name	Place of Posting.	Date of appointment
(1)	(2)	(3)	(4)
1. Shri Rattan Singh		TV Centre, All India Radio, Delhi.	15-9-75
2. Shri R. S. Dagar		All India Radio, Imphal.	8-9-75
3. Shri R. G. Patil		TV Centre, All India Radio, Srinagar.	17-9-75

P. K. SINHA, Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 31st October 1975

No. A-30014(4)/75-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. R. Kurup, Farm Radio Officer in a quasi permanent capacity in the post of Farm Radio Officer with effect from 17-2-75.

SHANTI LAL
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st October 1975

No. 5-5/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. Venkatasubrahmanyam in a substantive capacity to the permanent post of Junior Technical Officer, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, with effect from the 11th May, 1974.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 31st October, 1975

No. 20/6(2)75-CGHS I.—Consequent on acceptance of his resignation Dr. M. D. Umraiy, Junior Medical Officer (Ad-hoc) relinquished charge of his post on 28th August, 1975 (A.N.).

No. 20/6(2)75-CGHS I.—Consequent on the acceptance of her resignation Dr. (Mrs) T. Kalayani Sachidanandan, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (ad-hoc) under the C.G.H.S. Delhi on the 20th August, 1975 (A.N.).

No. 9.42/75-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Kul Bhushan Gupta to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi under this Directorate with effect from the forenoon of the 25th September, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL /
Deputy Director Admn. (C.G.H.S.)

New Delhi, the 31st October 1975

No. 34-46/74-CHS I.—Consequent on the joining of a regular U.P.S.C. nominee against the post of General Duty Officer Grade II of the Central Health Service Dr. Ravi Shanker relinquished charge of the post of Junior Medical Officer on *ad-hoc* basis in the Willingdon Hospital, New Delhi on the forenoon of 19th April, 1975.

R. N. TIWARI
Deputy Director Administration (CHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 12th October 1975

No. PA/81(75)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Subhash Prahlad Hirwe, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 15th September 1975

No. HWPs/Estdt./1/V-30/6119.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Chandrakant Ratanlal Valia, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Tarapur Atomic Power Station now on deputation to Heavy Water Project (Baroda) in the same grade to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Baroda) from May 26, 1975 to July 11, 1975 vice Shri R. B. Kulkarni, Accounts Officer II, granted leave.

The 19th September 1975

No. HWPs/Estdt./1/K-48/6244.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shrikrishna Shrihari Khanolkar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Bombay Office) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project from March 3, 1975 (FN) to April 19, 1975 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer in Heavy Water Project (Kota).

The 31st October 1975

No. 05000/J/46/F234.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kalamkann Thomas Jose, a quasi-permanent Selection Grade Clerk and officiating Assistant Personnel Officer of Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Kota), in a temporary capacity, with effect from October 15, 1975 (FN), until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

(India Meteorological Department)

New Delhi-110003, the 31st October, 1975

No. A31014/1/75-E.I.—The undermentioned officers are appointed as Assistant Meteorologists, Indian Meteorological Service, Class II, in a substantive capacity with effect from the dates shown against each:—

S.No.	Name of the officer.	Date of substantive appointment	Office of posting.
(1)	(2)	(3)	(4)
Direct Recruits			
1.	Shri V. Krishnamurthy	1-12-69	Office of the Director, Agrimet, Poona (at present on deputation ex-India)
2.	Shri B. K. Sridhar	1-12-69	Met. Centre, Gauhati, under Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.
3.	Shri O. P. Aggarwal	1-12-69	Director, Regional Met. Centre, Bombay.
4.	Shri A. D. Ravishankar	1-12-69	Met. Centre, Hyderabad, under Director, Regional Met. Centre, Madras.
5.	Shri T. K. Balakrishnan	1-12-69	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.
6.	Shri S. K. Saha (S/C)	1-12-69	Director, Agrimet, Poona.
7.	Shri Julius Joseph	1-12-69	Met. Centre, Trivandrum, under Director, Regional Met. Centre, Madras.
8.	Shri R. Natarajan	1-3-70	Director, Regional Met. Centre, Madras.
9.	Shri P. M. Pakir Mohammed	1-3-70	Director, Instruments, Poona.
10.	Shri V. Bhavanarayana	1-3-70	Met. Centre, Hyderabad, under Director, Regional Met. Centre, Madras.
11.	Shri R. K. Verma	1-3-70	Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
12.	Shri C. L. Agnihotri	1-3-70	Do.
13.	Shri V. P. Kamble (S/C)	1-3-70	Do.
14.	Shri R. S. Bhartiya (S/C)	1-6-70	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
15.	Shri B. Biswas (S/C)	1-10-72	Director, Regional Met. Centre, Calcutta.
16.	Shri C. P. Joseph	1-12-72	Met. Centre, Trivandrum, under Director, Regional Met. Centre, Madras.
17.	Shri L. Krishnamurthy	1-1-73	Headquarters Office of the Director, General of Observatories, New Delhi.
18.	Shri T. K. Ray	1-1-73	Do.
19.	Shri Shravan Kumar	1-1-73	Director, Regional Met. Centre, Bombay.
20.	Shri A. M. Sud	1-1-73	Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
21.	Shri V. Natrajan	1-1-73	Director, Regional Met. Centre, New Delhi.
22.	Shri A. T. Das	1-1-73	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.
23.	Shri C. V. V. Satyanarayana Rao	1-5-73	Director, Regional Met. Centre, Bombay.
24.	Shri P. K. Jain	1-11-73	Director, Regional Met. Centre, Bombay (at present on deputation to C.G.W.B.)
25.	Shri O. P. Chawla	1-12-73	Director, Regional Met. Centre, New Delhi.
26.	Shri T. N. Narayanaswami	1-3-74	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
27.	Shri M. G. Gupta	1-6-74	Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
28.	Dr. S. N. Chatterjee	1-7-74	Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
29.	Shri B. Lakshmanaswamy (S/C)	1-7-74	Do.
30.	Shri K. P. Dawale (S/C)	1-7-74	Do.
31.	Shri G. K. Bahuguna	1-8-74	Director, Regional Met. Centre, New Delhi.
32.	Shri A. Narayana Kutty	1-2-75	Director, Instruments, Poona.
33.	Shri G. Nagaraja Rao	1-2-75	HQ Office of the Director General of Observatories, New Delhi (at present on deputation ex-India)

(1)	(2)	(3)	(4)
Promotes			
1. Shri K. P. Mukherjee	.	1-12-69	HQ Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
2. Shri H. N. Gupta	.	1-12-69	Director, Regional Met. Centre, New Delhi.
3. Shri B. B. Sen	.	1-12-69	HQ Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
4. Shri D. N. Das	.	1-12-69	Do.
5. Shri K. Krishnamurthy	.	1-12-69	Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.
6. Shri S. S. Sinha (since retired)	.	1-12-69	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
7. Shri G. S. Iyer	.	1-3-70	Met. Centre, Hyderabad, under Director, Regional Met. Centre, Madras.
8. Shri V. S. Sarma	.	1-3-70	Met. Centre Visakhapatnam, under Director, Regional Met. Centre, Madras.
9. Shri M. Nataraja Pillai	.	1-3-70	Dy. Director General of Observatories (Forecasting) Poona.
10. Shri M. Panduranga Rao	.	1-3-70	Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.
11. Shri Ram Saran Das (since retired)	.	1-3-70	HQ Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
12. Shri Om Parkash	.	1-3-70	Do.
13. Shri M. N. Gokhale	.	1-11-71	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.
14. Shri V. Venkatachalam	.	1-10-72	Director, Regional Met. Centre, Madras.
15. Shri R. G. Ratnaparkhi (since retired)	.	1-1-73	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.
16. Shri A. S. Prabhavalkar	.	1-1-73	Do.
17. Shri S. N. Bose (since retired)	.	1-1-73	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
18. Shri P. E. Moray (S/C)	.	1-1-73	Met. Centre, Ahmedabad under Director, Regional Met. Centre, Bombay.
19. Shri R. Y. Mokashi	.	1-1-73	Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.
20. Shri K. C. Abdur Raheem	.	1-1-73	Director, Indian Institute of Astrophysics, Kodaikanal.
21. Shri S. Parthasarathy	.	1-3-73	Director, Regional Met. Centre, Madras.
22. Shri K. K. Kapoor	.	1-11-73	Met. Centre, Lucknow under Director, Regional Met. Centre, New Delhi.
23. Shri D. Bhattacharya	.	1-12-73	Director, Regional Met. Centre, Calcutta.
24. Shri K. K. Srivastava	.	1-1-74	HQ Office of Director General of Observatories, New Delhi.
25. Shri K. S. Sankaran	.	1-5-74	R. S./R.W. Station, Mangalore under Director, Regional Met. Centre, Madras.
26. Shri U. N. Sehgal	.	1-7-74	Director, Regional Met. Centre, Nagpur.
27. Shri N. S. Srivastava	.	1-7-74	HQ Office of Director General of Observatories, New Delhi (at present on deputation, with the Chief Controller of Imports & Exports).
28. Shri B. N. Dewan	.	1-7-74	HQ Office of the Director General of Observatories, New Delhi.
29. Shri B. P. Ghosh	.	1-8-73	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi (at present on deputation with Geological Survey of India)
30. Shri T. S. Govindaswamy	.	1-8-74	Director, Agrimet, Poona.
31. Shri S. U. Shankar Rao	.	1-2-75	Director, Regional Met. Centre, Nagpur (at present on deputation with C.G.W.B.)
32. Shri S. Sen Gupta	.	1-3-75	Director, Regional Met. Centre, Nagpur.

The seniority of the above officers will be fixed in accordance with normal rules.

Y. P. RAO,
Director General of Observatories

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st November 1975

No. E(1)04270.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. S. Raghavacharya, Professional Assistant, Meteorological Centre, Bangalore, under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri H. S. Raghavacharya, Offg. Assistant Meteorologist has been posted in the office of Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)06902.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. K. Sarkar, Officiating Professional Assistant, Meteorological Office, Mohanbari, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist, in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri T. K. Sarkar, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Office, Mohanbari under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)05821.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ashok Kumar Banerjee, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri Ashok Kumar Banerjee, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)05890.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. Banerjee, Professional Assistant, Meteorological Office, Port Blair, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 22nd September, 1975 and until further orders.

Shri J. Banerjee, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the Meteorological Centre, Bhubaneswar, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th October 1975

No. A.32013/3/75-EC.—The President is pleased to appoint the following 12 Technical Officers, working as Senior Technical Officer on an *ad-hoc* basis, as Senior Technical Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with effect from the 29th April, 1975 (forenoon) and until further orders:—

1. Shri P. L. Modgil
2. Shri M. S. Krishnan
3. Shri S. K. Das
4. Shri A. N. Nath
5. Shri B. S. Grewal
6. Shri C. R. Narasingham
7. Shri B. R. Chaturvedi
8. Shri O. C. Alexander
9. Shri J. K. Bhattacharay
10. Shri C. V. Venkatasan
11. Shri P. S. Dhunta
12. Shri S. V. Iyer.

2. This Department Notification No. A.32013/3/75-EC dated 18th August, 1975 is hereby cancelled.

No. A.12025/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri Narasimha Rao as Technical Officer in the Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport New Delhi on a temporary basis with effect from the 23rd Sept., 1975 (FN) until further orders.

No. A.32013/9/73-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. Venkataswara Rao, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 10-10-1975 and until further orders and to post him at the same station.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)
for Director General of Civil Aviation

New Delhi-110022, the 30th October 1975

No. A-32013/8/73-E(H).—The services of Shri N. Radhakrishnan, Scientific Officer, Civil Aviation Department stand terminated with effect from the 10th October, 1975, under sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

T. S. SRINTVASAN
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND
CUSTOMS

Chandigarh, the 22nd October 1975
ESTABLISHMENT

No. 126.—Shri K. L. Katyal, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/. Shri Katyal took over the charge of the post of Superintendent Central Excise Class II Patiala in the forenoon of 11th August 1975.

No. 127.—Shri Sardar Singh, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/. Shri Sardar Singh took over the charge of the post of Superintendent Central Excise Class II Jammu in the forenoon of 12th August, 1975.

No. 128.—Sh. B. M. Rai, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/. Shri Rai took over the charge of the post of Superintendent Central Excise Class II Gurgaon in the forenoon of the 22nd August, 1975.

No. 129.—Shri P. P. Singh, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/. Shri Singh took over the charge of the post of Superintendent Central Excise Class II Jullundur in the forenoon of 1-9-1975.

No. 130.—Shri Ravinder Lall, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/. Shri Ravinder Lall took over the charge of the post of Superintendent of Central Excise Class II Faridabad in the forenoon of the 4th September, 1975.

No. 131.—Shri O. P. Jairath, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Chandigarh is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/. Shri Jairath took over charge of the post of Superintendent of Central Excise Class II Rohtak in the forenoon of 6-8-1975.

B. K. SETH
Collector

Patna, the 30th October 1975

C. No. II(7)5-ET/75/10414.—The following officiating Superintendent Class II, Central Excise and Customs Collectorate, Patna have retired from service on Superannuation with effect from dates and hour indicated against each :—

Name and Date of Superannuation.

1. Shri B. C. Das—31-8-75 (A.N.).
2. Shri F. Siddique—30-9-75 (A.N.).
3. Shri S. D. Das—30-9-75 (A.N.).

H. N. SAHU
Collector
Central Excise, Patna

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

New Delhi-110012, the 1975

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 10/1975.—Kumari N. Subbulakshmi, Chemical Assistant Gr. I, Custom House Laboratory, Madras has been provisionally promoted to officiate as Assistant Chemical Examiner in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from the forenoon of 27th September, 1975 and until further orders.

V. S. RAMANATHAN
Chief, Chemist, Central Revenues

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 31st October 1975

No. ERBI/75/10/5.—Shri T. R. Gujral, an Assistant in the Railway Board was promoted to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of 2nd July, 1975 till the forenoon of 18th August, 1975.

A. L. GUPTA
Secretary, Railway Board
& *ex-officio* Lt. Secretary

CENTRAL RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay, the 28th October 1975

No. HPB/220/G/I/TC.—The following Probationary Officers of the Indian Railway Traffic Service on completion of their probationary period are confirmed in the Junior Scale/Class I Service with effect from the dates shown against each :—

Name & Date

1. Shri I. J. Malhotra—29-10-71.
2. Shri P. C. Joshi—2-11-71.
3. Shri R. N. Aga—7-11-71.
4. Shri M. N. Chopra—14-10-72.
5. Shri Asit—1-2-73.

B. D. MEHRA
General Manager

FORM ITNS

(1) Svs Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand sons of Late Shri Het Ram r/o Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M/s Dewan Chand 33-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Mar-I/650/(18)/74-75/—

Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per specified in the Schedule situated at Village Jonapur Tehsil Mehrauli,
(and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
New Delhi on 6-3-1975.
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 6 Bighas & 6 Biswas (about 6048 sq. yds.) in Mustatil No. 14 Part of Killa No. 13/2 & 14 situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s Ansal & Saigal Properties (P) Ltd., Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Mar.I/651(19)/75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. situated at Village Jonapur, Tehsil
Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi, on 6-3-1975,

for apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the Parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Cvs. Hari Chand, Ballu and Shri Lakh Chand, sons
of late Shri Het Ram, r/o Village Jonapur, Tehsil
Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-Hold land measuring 6 Bighas & 1 Biswas (about
6100 sq. yds.) in Mustatil No. 13, Part of Killa Nos. 6 & 7/1
situated in Village Jonapur Tehsil Mehrauli, Distt. Delhi, New
Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Lt. Col. Rishi Bar Chatterjee s/o Late Sh. S. N. Chatterjee r/o 9/8, Kalkaji, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/(37)/AprilII/736/75-76.—
Whereas, I. C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9/5, Kalkaji situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A lease hold plot of land measuring 353.33 sq. yds. bearing Plot No. 9/5, situated at Kalkaji, New Delhi-110019 and bounded as under:—

North-West : Lane
South-West : Road
East-North : Plot No. 9/4
West-South : Plot No. 9/6

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 1-11-1975

Seal

FORM ITNS

(1) Col. Harish C. Taneja, s/o Sh. Wasdev Taneja r/o A-11/1 Vasant Vihar New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kala Devi w/o Sh. Gulab Singh r/o 4A/29, Banglow Road, Jawhar Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-II/681/(35)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S-266, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing Plot No. S-266, measuring 299 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation in the Revenue Estate of Village Bahapur in the state of Delhi and bounded as under :—

East : Service Lane
West : Road
North : Plot No. S-264
South : Plot No. S-268

C. V. GUPTE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. D. Sharma, s/o Pt. Bua Dutta, r/o D-14A/
18, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Satish Kumar Mohinder Kumar Bhuraria,
Rakesh Kumar Bhuraria S/o Sh. Munshi
Lal Bhuraria r/o 43A, Kamla Nagar, Subji Mandi,
Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-II/670/(9)/74-75.—

Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

No. E-507, (measuring 400 sq. yds.) situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
New Delhi on 20-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing Plot No. 507 in Block No.
E measuring 400 sq. yds. situated at Greater Kailash-II, New
Delhi-48, within the limits of Delhi Municipal Corporation in
revenue estate of Village Bahadpur in the State of Delhi and
bounded as under:—

North : Plot No. E-509.

South : Plot No. E-505

East : Road

West : Service Lane

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the Said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand, Sons/ of Late Sh. Het Ram, R/o Vill. Jonapur, Tehsil Mehrouli, Delhi, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Continental Construction Co. (P) Ltd. E-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 5 Bighas & 5 Biswas, in Mustakil No. 13, Part of Kila Nos. 25 & 26, Situated in Village Jonapur, Tehsil, Mehrouli, in the Union Territory of Delhi, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand s/o of Late Sh. Het Ram, r/o Vill. Jonapur Tehsil, Mehrauli, New Delhi (Delhi).
(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Marwaha, S/o Late Hazari Lal Marwaha, r/o C-2, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/March.I/652/(20)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As specified in the Schedule situated at Vill. Jonapur Teh.
Mehrauli, New Delhi (Delhi).
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 6-3-1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land Measuring of 6 Bighas and 1 Biswa (about 6081 sq. yds) in Mustal No. 15, Part of Kill Nos. 12 & 19, situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi (Delhi).

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand sons of Late Sh. Het Ram r/o Village Jonapur, Teh. Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Kiranjit Singh s/o Ch. Amarjit Singh r/o C-95, New Delhi South Extension-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Mar-I/643/(11)/74-75.—
Whereas, I. C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As specified in the schedule situated at Village Jonapur Teh. Mehrauli, Delhi New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-3-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Free hold land measuring 5 Bighas 5 Biswas (about 5290 sq. yds.) in Mustital No. 14 Part of Killa No. 5 & 6 situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli in the Union territory of Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/March/647/(15)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As specified in the schedule situated at Vill. Jonapur,
Tehsil. Mehrauli, Delhi/New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 6-3-75,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand Sons of Late
Sh. Het Ram, R/o Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli,
Delhi/New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh Gambhir, S/o Sh. Gian Singh
Gambhir, R/o B-8/4, Poorbi Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold land measuring 5 Bighas 15 Biswas (about 5794
sq. yds.) in Mustatil No. 12 Part of Killa No. 10 & 11, situated
in Village Jonapur, Tehsil. Mehrauli, New Delhi/Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hari Chand, Shri Ballu, & Shri Lakhi Chand sons of Sh. Het Ram r/o Village Jonapur, Teh. Mehrauli Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Piyare Lal Hari Singh, Sadar Bazar, Delhi Cantt. Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Mar-I/644/(12)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As specified in the schedule situated at Village Jonapur Tehsil Mehrauli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 6-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
19—336GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 5 Bighas 5 Biswas (about 5290 sq. yds.) in Mustatil No. 13 Part of Killa No. 25 and Mustatil No. 14 Part of Kila No. 5 situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/March-II/677/(27)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupta,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. R-5, situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 26-3-75,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Jang Bahadur Singh S/o Sh. Jagdiah Singh
Director, M/s Britannia Biscuit Co. Ltd., Bombay
r/o R-5, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Ravi Khanna, s/o Sh. Amolak Ram Khanna,
r/o Teok Tea Estate, Teok, P.O. Subsagar, Distt.
Assam.
(Transferee)
- (3) M/s I.T.C. Ltd., (Hotel Division), D-151, Defence
Colony, New Delhi.
[Person in occupation of the property]
- (4) (1) Shri A. P. Madgavankor I.T.C. Ltd. (Hotel
Division) D-151, Defence Colony, New Delhi. (2)
Sh. K. Mukerjee, Marketing Manager, I.T.C. Ltd.,
D-151, Defence Colony, New Delhi.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expires
later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from
the date of the publication of this notice in
the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor with super structure of house bearing No. R-5,
Greater Kailash-I, New Delhi with all rights, titles, interests,
easements, privileges and situated on Kalkaji Link road in the
state of Delhi within the limit of Municipal Corporation of
Delhi and is bounded as under :—

East : House No. R/4

West : House No. R/3

North : Road

South : Service Lane

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, sons of Late Shri Het Ram, r/o Village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)

(2) Svs. Ravikand Trehan s/o Shri Jagdish Ram Trehan, Beant Parkash s/o Shri Jagat Ram Trehan, Jai Kumar Trehan s/o Jagdish Ram Trehan, Jayant Kumar Trehan s/o Jagat Ram Trehan s/o Jagat Ram Trehan r/o 27/13, Shakti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Mar-I/655/(23)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As specified in the Schedule situated at Village Jonapur,
Tehsil Mehrauli, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 6-3-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act' shall have the
same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 7 Bighas & 4 Biswas (about 72.56 sq. yds.) in Mustatil No. 14, Part of Killa No. 15 and 16/1 situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli Distt. Delhi, New Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand Sons of late Shri Het Ram, R/o Vill. Jonapur, Teh. Mehrouli, Delhi, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Amar Nath Chiranjee Lal, Sunlight Building (1st Floor) Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/March-I/646/(52)/75-76.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As specified in the schedule situated at Vill. Jonapur Tehsil Mehrouli, Delhi, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi, on 6-3-75,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Free-hold land measuring 5 Bighas & 5 Biswas (about 5290 sq. yds.) in, Mustakil No. 13, Part of Killa No. 15 & 16, situated in Village, Tehsil Mehrouli Delhi/New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/727/(21)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As specified in the Schedule situated at Village Jonapur Tehsil Mehrauli Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Svs. Hari Chand, Balu, Lakhi Chand sons of Late Sh. Het Ram r/o Village Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi (General attorneys s/shri Prem Nath s/o Sh. Hans Raj r/o 1656 Kotla Mubarakpur N. Delhi and Sh. Narinder Anand s/o Sh. Gian Chand r/o House No. 1632 Nai Wala, K. Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Nirmal Anand w/o Sh. Narinder Anand r/o 1632 Nai Wala, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area about 7 Bighas (7037 sq. yds.) Mustatil No. 15 Part of Killa Nos. 22 and 21/2 in village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Svs. Hari Chand Ballu, & Lakhi Chand, Sons of Late Sh. Het Ram, R/o Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi (Delhi).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/March-I/655(23)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As specified in the schedule situated at Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi/Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Shri Rajinder Kumar Hans Sh. Vijay Kumar Hans, Sons of Sh. Ram Lal Hans, 1704, Partap Street, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 6 Biswa (about 6100 sq. yds.) in Mustakal No. 13 Part of Kila No. 4/2-5 situated in Vill. Jonapur, Teh. Mehrauli, Distt. Delhi New Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand, Sons of Late Shri Het Ram r/o Vill. Jonapur Tehsil Mehrauli, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/March-I/648/(16)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under Section 269B of
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
No. As specified in the schedule situated at Vill. Jonapur, Teh.
Mehrauli, New Delhi Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed here-
to), has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 6-3-75,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consider-
ation therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the Parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the
aforesaid property by the issue of this notice under
following persons, namely :—

(2) Smt. Kuljit Kaur, S/o Sh. S. Harbhajan Singh, R/o
AD/22, Tagore Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said
property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act', shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 5 Bighas 15 Biswas (about 5794
sq. yds.) in Mustakal No. 12 Part of Killa Nos. 1 & 10, situated
in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

C. V. GUPTE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-75

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/Mar-I/642/(10)/74-75.—
Whereas, I, C. V. Gupte,being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. As specified in the Schedule situated at Village Jonapur,
Mehrauli, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at New Delhi on 6-3-75,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhi Chand sons of Sh. Het Ram r/o Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

- 2. (1) Bhagat Construction Co. (P) Ltd. C-136, Defence Colony, New Delhi.
- (2) Shri Satish Kumar Narwah s/o Lala Hazari Lal Marwah r/o C-2 Rajori Garden, New Delhi-29.
- (3) Shri G. D. Tewari s/o Shri Shiv Dayal Tewari r/o F-68, Green Park, New Delhi.
- (4) Shri Ravikant Trehan s/o Jagdish Ram Trehan Beant Parkash s/o Jagat Ram Trehan, Jai Kumar Trehan s/o Jagdish Ram Trehan, Jayant Kumar Trehan s/o Jagat Ram Trehan all residents of 27/13 Shakil Nagar, New Delhi.
- (5) M/s Dewan Chand, 33-B, Pusa Road, New Delhi.
- (6) Shri Kiranji Singh s/o Ch. Amarjit Singh r/o C-95, NDSE-II, New Delhi.
- (7) M/s Piyare Lal Hari Singh, Sadar Bazar, Delhi Cantt.
- (8) Continental Construction Co. (P) Ltd., E-11, Defence Colony, New Delhi.
- (9) M/s Amar Nath Chiranjit Lal, 1st Floor, Sunlight Building Asaf Ali Road, New Delhi.
- (10) Ansal and Saigal Properties (P) Ltd. Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
- (11) Shri Rajinder Kumar Hans and Sri Vijay Kumar Hans sons of Shri Ram Lal Hem partners of Ram Lal Hans and sons 1704, Partap Street, Pahar Ganj, New Delhi.
- (12) Sukhdev Singh Gambhir s/o Shri Gian Singh r/o B-8/4 Purbi Marg, New Delhi.
- (13) Mrs. Kaljit Kaur w/o Shri Harbhajan Singh r/o AD/22, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land measuring 3 Bighas & 19 Biswas (about 3982 sq. yds.) in Mustatil No. 13 & 14 Part of Killa No. 5, 6, 15, 16 situated in the Village Jonapur, Tehsil Mehrauli Distt. Delhi, New Delhi.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 1-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Singh s/o S. Nanak Singh, 2537-48

Chuna Mandi, Pahar Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shanker Dass s/o Shri Kirori Ram r/o M-40, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

4-A/14, Asaf Ali Road, 3rd Floor,

New Delhi, the 31st October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/2112(918)/75-76/4505.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-10, situated at Bali Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—336GI/75

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

A free-hold plot of land bearing plot No. 10 in Block No. 'G' measuring 233 sq. yds. situated in the colony known as Bali Nagar area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North : Road 15' wide

South : Service lane

East : Road 15' wide

West : Plot No. G-9

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITN8

(1) **Shrijiat Parkash Wati** w/o Shri Mool Chand, r/o 3078-A, Partap Street, Darya Ganj, Delhi-6.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) **Shri Manohar Lal** s/o Shri Ram Lal r/o 1546, Suwalan, Delhi-6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 42.5 sq. yds. situated at No. 3078-A, Partap Street, Darya Ganj, Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disposed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kamal Narain Malhotra s/o Dr. Roop Narain Malhotra, r/o 4-C, Govan Colony, Rampur (RAM-PUR) U.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/292(915)/75-76/4505.—

Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. J-2/9 situated at Krishan Nagar, Village Ghaundali, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 4-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Kashmir Singh s/o Shri Amar Singh r/o Village Bhagana, Distt. Kapurthala (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on a piece of land measuring 229.15 sq. yds. being the Eastern portion of plot No. 9 Block J-2 out of the entire area of 458.3 sq. yds. out of Khasra No. 506 situated in the revenue Estate of Village Ghaundali in approved residential colony known as Krishan Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajan Singh s/o S. Prem Singh r/o D-37, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Varsha Rani Chawla, w/o Shri Varinder Kumar Chawla r/o 2377, Chhipiwada Kalan, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1829(914)/75-76/4505.—

Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/2 of C-36 situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 150 sq. yds. No. 36 in Block C, Bali Nagar, New Delhi area of Village Bassal Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. C-35

South : Service Lane

East : Service Lane

West : Road

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajan Singh s/o S. Prem Singh r/o D-37,
Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virender Kumar Chawla, s/o Sh. Mulakh Raj
Chawla r/o 2377 Chhippiwala Kalan, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/1828(913)/75-76/4505.—

Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 of C-36, situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1/2 share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 150 sq. yds. No. 36 in Block C, Bali Nagar, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

East : Service Lane

West : Road

North : Plot No. C-35

South : Service Lane.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Lal s/o Shri Mathera Dass r/o 28/89
West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 31st October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/1840(912)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/89, situated at West Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 15-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. Usha Rani Anand, w/o Shri Vishwa Mittar Anand, r/o 28/89, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Build Qr. No. 28/89, West Patel Nagar, New Delhi with lease hold rights of the land measuring 100 sq. yds. & bounded as under:—

North : G.B.P.
South : Gali
East : Gali
West: Road.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Sv/Shri Birender Kumar 2. Bachan Singh 3. Ranbir Singh sons of Shri Rama Nand Pandit r/o Bassai Darapur, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

(2) Shri Gian Chand, s/o Shri Sant Lal, r/o A-106, Shardapuri, New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 31st October 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2083(917)/75-76.—

Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-10, situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 2-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4 undivided share in piece of land measuring 312 sq. yds. bearing Plot No. 10 Block 'E' in the colony known as Bali Nagar, New Delhi area of village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North : Road & Park
South : Gali 15' wide
East : Plot No. 11
West : Plot No. 9.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kedar Nath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Chand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 8th September 1975

Ref. No. 40-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Gola Bazar Ward No. 4 Khalilabad Distt. Basti
 (and more fully described
 in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khalilabad on 8-4-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Storeyed Building situated in Gola Bazar Khalilabad Distt. Basti.

BISHAMBHAR NATH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chander Lal Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Karam Maya Das.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 25th October 1975

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 41-K/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. situated at Distt. Nainital, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nainital on 31-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 177 Nali—situated at Distt. Nainital.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—336GI/75

Date : 25-10-75

Seal :

FORM ITNS

(1) E.A.N. Mukerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. K. Sharma.

(Transferee)

(3) F. Z. Khan (Tenant) and E.A.N. Mukherji.
[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 27th October 1975

Ref. No. 85-5/Acq.—Whereas, I,
Bishambhar Nath,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and
No. 17 situated at Nasibpur Bakhtiara, Hastings Road,
Allahabad,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Allahabad on 3-4-75
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazal Plot No. 17 measuring 2420 sq. yards situated at Nasibpur Bakhtiara Hasings Road, Allahabad with the Bungalow, out houses, garage, garden and boundary walls.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-10-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Haq and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Fatto Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 6th September 1975

Ref. No. 42-P/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 386 Agri. Land measuring 36 Bigha 14 biswa situated at Vill. Heempur Burzurg Distt. Bijnore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandpur on 11th April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 36 Bigha 14 Bishwa situated at Vill. Heempur Bujurg P.O. Budhpur Teh.—Dhampur Distt. Bijnor.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-9-75
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Shri Abdul Haq and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pooram Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 6th September 1975

Ref. No. 41-P/Acq.—Whereas, I,
BISHAMBHAR NATH,
being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No. 386, Vill. Heempur, Teh. Dhampur, Distt. Bijnore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandpur on 11-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 36 Bigha 14 Bishwa—situated at Vill. Heempur Bujurg P.O. Burhpur Teh.—Dhampur Distt. Bijnore.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-9-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 31st October 1975

Ref. No. III-114/Acq/75-76/1459.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 4 Whollyard part of 1 situated at Muzaffarpur town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur town on 7-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravi Nandan Sahay s/o Sri Krishan Nandan Sahay and Smt. Shakuntala Sahay w/o Sri Krishna Nandan Sahay, At & P.O. Baghi, P. S. Kurhani, Dt. Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) The Sahaya Properties & Investments Pvt. Ltd., Through Sri Ravi Nandan Sahay, Managing Director, "Sahaya Bhawan", Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with buildings, Sheds, trees etc. measuring 19 Kathas 16 Dhurs and 44 sq. feet Plot No. 4 wholly and part of Plot No. 1, H. No. 13B (partly) 13C, 14 (partly), Cr. No. IIIID, W. No. 26 situated in town Muzaffarpur and is fully described in deed No. 4178 dated 7-3-75.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 31-10-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BLDG, PATNA

Patna, the 31st October 1975

Ref. No. III-113/Acq/75-76/1458.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- H. No. 13B(Partly) situated at Muzaffarpur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Muzaffarpur on 8-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Ravi Nandan Sahay s/o Sri Krishna Nandan Sahay, At & P.O. Baghi, P. S. Kurhani, D. Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) The Sahaya Properties & Investments Pvt. Ltd. Through Sri Ravi Nandan Sahay, Managing Director, "Sahaya Bhawan" Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with buildings, sheds, trees etc. measuring 2 Kathas 2 Dhurs and 30 sq. feet being the "Staff Quarter" H. No. 13B (partly) Cr. No. III-D, W. No. 26, situated in Muzaffarpur town and is fully described in deed No. 4227 dated 8-3-75.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range Bihar, Patna

Date : 31-10-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 31st October 1975

Ref. No. III-112/Acq/75-76/1457.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3, 5 and part of 2 situated at Muzaffarpur town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 8-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Snehlata Devi, widow of Late Hari Nandan Sahay, At & P.O. Baghi, P.S. Kurhani, Dt. Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) The Sahaya Properties & Investments Pvt. Ltd., Through Sri Ravi Nandan Sahay, Managing Director, "Sahaya Bhawan" Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land with buildings, sheds, trees etc. measuring 12 Kathas 3 dhurs and 27 sq. feet, Plot Nos. 3 & 5 wholly and 2 partly H. Nos. 13B (partly), 14 (partly), 16, 17 and 19' Cr. No. IIID, W. No. 26 in Muzaffarpur town as fully described in document No. 41228 dated 8-3-75.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range Bihar, Patna

Date : 31-10-75

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
CENTRAL REVENUE BLDG., PATNA

Patna, the 31st October 1975

Ref. No. III-111/Acq/75-76/1456.—Whereas I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 184 (new), 167 (old) situated at Arrah town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhojpur on 17-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Satyadeva Prakash Sinha s/o Late Sri C. P. Sinha, Edward House, Arrah Dt. Bhojpur, Through Sri S. J. Shastri s/o Late Sri S. Rajagopalan (Attorney).

(Transferor)

(2) Shri Bhagwat Prasad s/o Late Ramanand Lall, (Director) for M/s-Indo Burma Agencies Pvt. Ltd., At Eastern Wing of Edward House, Arrah town Dt. Bhojpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Pucca double stories building with out-houses, garden trees, Motor garage etc. measuring 81 Katha 8 Dhurs being the part of Edward House, Arrah town, H. No. 184 (new) 167 (old), W. No. 13 (new 15) Cr. No. 7, sheet No. 9 & 17, Khata No. 610, Plot Nos. 2780, 2781, 2784, 2785 2786 entire and 2782, 2779, 3529, 3530, 3531, 2783 by part as per deed dated 17-5-75.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bihar, Patna

Date : 31-10-75

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE
BLDG., PATNA

Patna, the 31st October 1975

No. III-110/Acq/75-76/1455.—Whereas, I, J. Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 184 (new), 167 (old) situated at Arrah town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhojpur on 17-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—336GI/75

(1) Shri Shailendra Prakash Sinha S/o Sri C. P. Sinha
Edward House, Arrah, Dt. Bhojpur,
Through, Sri Kamleshwar Prasad Srivastava
S/o Sri Siddeswari Prasad (Attorney).
(Transferor)

(2) Shri Bhagwat Prasad S/o Sri Ramanand Lall
For, M/s Indo Burma Agencies Pvt. Ltd. (Director)
At—Eastern Wing of Edward House
Arrah town, Dt. Bhojpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Pucca double storied building without house, garden, trees, Motor garage etc. measuring 120 katha 13 Dhur being the part of Edward House, Arrah town, H. No. 184 (new), 167 (old) W. No. 13 (now 15) Cr. No. 7, Sheet No. 9 & 17, Khata No. 610, Rot Nos. 3531, 3532, 2787 Entire and 3528, 3529, 3530, 3533 and 2779 by part as per deed, dated 17-5-75.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 23-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE, BIHAR, CENTRAL REVENUE
BLDG., PATNA

Patna, the 4th November 1975

No. III-115/Acq/75-76/1499.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 205 (old), 198/203 (new) situated at Kun-Kun Singh Lane, Patna-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Manoranjan Ghosh, At Bhikharapahari, P.S.- Pirbahore, Patna, Prop. M/s. M. Ghosh, Photographer, Ashok Raj Path, Opposite Patna College, Patna. (Transferor)

(2) Sri Satyendra Kumar, Smt. Kaushal Sinha W/o S. K. Sinha both of Patrakarnagar, Patna Smt. Niloo Srivastava W/o Sri Bijoy Shankar, Smt. Roopshree W/o Brij Kishore Mishra and Sri Arun Kumar Basant residing at Mahendru, Patna, All are partners of M/s Medical Coaching Institute, Kun-Kun Singh Lane, opposite Science College, Patna-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Massive double storeyed building on a plot of 2418 sq. ft. land at Kun-Kun Singh Lane, Patna-6, bearing H. No. 205 (old) 198/203 (New), Cr. No. 32, W. No. 12 and is fully described in safe deed No. 2643 dated 20-3-75.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 4-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prosanta Kumar Mukherjee 17 Hindustan Park,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sankarlal Paul & Madan Gopal Paul, 11B
Dr. T. N. Mazumdar St. Cal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 31st October 1975

Ref. No. 296/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Ballygunge Terrace, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sealdah, 24-Pgs. on 22-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring 2 cottahs 11 chittacks 17 sq. ft. more or less situated at and being portion of premises No. 14 Ballygunge Terrace, Calcutta more particularly as per deed No. 571 of 1975 registered before the Sub-Registrar, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prosanta Kumar Mukherjee 17 Hindustan Park, Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri Sankarlal Paul and Madan Gopal Paul, 11B Dr. T. N. Mazumdar St., Calcutta.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 31st October 1975

Ref. No. 297/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, situated at Ballygunge Terrace, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sealdah, 24-Pgs on 15-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

All the piece and parcel of vacant land measuring 3 cottahs 6 chittacks 7 sq. ft. more or less situated at and being portion of premises No. 14 Ballygunge Terrace, Calcutta more particularly as per deed No. 966 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date : 31-10-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

FORM ITNS

(1) Smt. Bani Roy, (2) Smt. Banda Roy & (3) Sri Ashis Roy, all of 176/14/6, Regent Estate, Jadavpur, Calcutta-32.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Kabita Roy, 53 Creek Row, Calcutta-14.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 31st October 1975

Ref. No. 298/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 82/9D, situated at Ballygunge Place, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Parganas on 23-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of vacant land measuring 3 coftahs 10 chittacks 10 sq. ft. more or less lying and situated at 82/9D, Ballygunge Place, Calcutta as per deed No. I-3254 of 1975 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Parganas.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwan Sing and Smt. Suraj Bala Devi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anandilal Poddar and Saraswati Devi Tenants.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th October 1975

Ref. No. AC-226/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. Batabyal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Muktaram Babu Street, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottahs 10 Chhittacks 24 Sft. of land and building thereon at 6 Muktaram Babu Street, Calcutta.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 30-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Subol Chandra Paul, (2) Chandi Charan Paul
and (3) Netai Charan Paul.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 30th October 1975

Ref. No. AC-23/Acq.R-V.Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1A, situated at B. K. Paul Lane, Calcutta-30, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alipore, 24-Pgs on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) 1. Smt. Sulekha Ganguly.
2. Smt. Ratnasree Chakraborty.
3. Smt. Sadhana Roy.
4. Sri Pran Gobinda Saha.
5. Smt. Manjusree Das.
6. Smt. Rama Sarkar.
7. Sri Hem Lal Shaha.
8. Smt. Kalyani Rani Saha.
9. Sri Naresh Ch. Paul.
10. Sri Chandan Datta.
11. Sri Bishnupada Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring an area of 14 cottahs being Eastern portion of premises No. 1A, B. K. Paul Lane, Calcutta more particularly as per deed No. I-2515 dated 31st March 1975.

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 30-10-1975

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Subol Chandra Paul, (2) Shri Chandi Chatan Paul and Shri Netai Charan Paul.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
CALCUTTA

(2) 1. Smt. Sulekha Ganguly.
2. Smt. Ratnasree Chakraborty.
3. Smt. Sadhana Roy.
4. Sri Pran Gobinda Saha.
5. Smt. Manjusree Das.
6. Smt. Rama Sarkar.
7. Sri Hcm Lal Saha.
8. Smt. Kalyani Rani Saha.
9. Sri Naresh Ch. Paul.
10. Sri Chandan Datta.
11. Sri Bishnupada Mukherjee.

(Transferee)

Calcutta, the 30th October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AC-22/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1A, situated at B. K. Paul Lane, Calcutta-30,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Alipore, 24-Pgs. on 21-3-1975,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring an area of 14 cottahs 1 ch. 29 sft, being the Western portion of premises No. 1A, B. K. Paul Lane, Calcutta-30 more particularly as per deed No. 1.2261, dated 21-3-1975.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. S. INAMDAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Asoke Kr. Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd November 1975

Ref. No. AC.228/R-IV/Cal/75.—Whereas, I, A. K. Batabyal,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 176 and 178 situated at Rabindra Sarani, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—
23—336GI/75

(2) M/s Amar Nath Dhingra, Suresh K. Dhingra, Naresh Kr. Dhingra, Dhanraj Dhingra and Santosh Arora.

(Transferee)

(3) S/Shri Pasupati Chandra, Kanailal Sodhukha, Nemai Ch. Sadhukha Ramprokash Arora, Kanailal Agarwal, Bachan Singh, Kalabasat Singh, Gupt Lal Kharwari, Chedilal Sanbedi, Amarnath Bhangra, Ram Ratan Shaw, Asoke Kr. Chawla, Sekhar Ch. Gain.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that $\frac{1}{2}$ share at premises No. 176 and 178, Rabindra Sarani, Calcutta.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-11-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Asoke Kr. Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd November 1975

Ref. No. AC-227/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, A. K. Batabyal,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 176 and 178 situated at Rabindra Sarani, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 6-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) M/s Amar Nath Dhingra, Suresh K. Dhingra, Naresh Kr. Dhingra, Dhanraj Dhingra and Santosh Arora.

(Transferee)

(3) S/Shri Pasupati Chandra, Kanailal Sodhukha, Nemai Ch. Sadhukhan Ramprokash Arora, Ganailal Agarwal, Bachan Singh, Kalabasat Singh, Gupt Lal Kharwari, Chedilal Sarbedi, Amarnath Bhanfra, Ram Ratan Shaw, Asoke Kr. Chawla, Sekhar Ch. Gain.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that $\frac{1}{2}$ share at premises No. 176 and 178, Rabindra Sarani, Calcutta.A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 3-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nabo Kumar Seal 13A, Durgapithuri Lane, Calcutta-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Kanika Ghosh, w/o Sri Arun Kr. Ghosh
39/7, Broad St., Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 31st October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

All the piece and parcel of vacant land containing an area of 3 coltahs 10 chittacks 40 sq. ft. more or less situated at premises No. 39/2 Broad Street, Calcutta, as per deed No. 494 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 31-10-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 1st November 1975

Ref. No. 299/Acq/R-III/Cal/75-76.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-A situated at Tapsia East Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alipore, 24-Pgs. on 25-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Garaj Narayan Singh.
2. Shri Sri Narayan Singh.
3. Shri Ravi Narayan Singh.
4. Shri Megh Narayan Singh.
5. Shri Shamser Bahadur Singh.
6. Shri Bhup Narayan Singh.
7. Shri Lallan Singh.
8. Shri Biswa Nath Singh.
9. Shri Lāl Sehb Singh.
All of State Bank Quarters 195, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.

(Transferors)

- (2) M/s Progressive Land Development Co. (P) Ltd. Regd. Office at 91, Matheswartzala Road, P. S. Jadavpur, Cal-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of tank land and low land measuring 2.92 acres i.e. 8 Bighas 15 cottahs 10 chittacks more or less being a portion of and situated at 9A, Tapsia East Lane, Calcutta previously known as Dag Nos. 35/41, 51, 36/43, 37/48, 51/73, 36/44, 37, 37/47 and 132 in Mouza East Tapsia, P. S. Jadavpur, 24-Parganas as per deed No. 1-2390 of 1975 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mulibai Bhagwandas & Ors.

(Transferor)

(2) Madhu Vasudeo Ahuja & Ors.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400020.

Bombay-400 020, the 28th October 1975

Ref. No. ARI/1113-16/Mar.75.—Whereas, I, N. K. Shastri, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. F/695 situated at Final Plot No. 155 of TPS III, Bandra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece of land situate at Bandra, Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra now included in Greater Bombay bearing final Plot No. 155 of the Town Planning Scheme No. III Bandra, admeasuring 790 square yards equivalent to 660 square metres or thereabouts with the building standing thereon known as 'Rajan Nivas' and bearing City Survey No. F/695 and bearing H Ward No. 5428(1) and (1A) and bounded as follows : that is to say on or towards the West by the Final Plot No. 154, on or towards the South by the final Plot No. 156, on or towards the North by the 30th Road and on or towards the East by Waterfield Road.

N. K. SHASTRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 28-10-1975

Seal :

FORM ITNS

Annexure to notice under scc. 269D(1) in the case of
Rajaram Sakharam Ohal—File No. AR.V/291-A/75.
23

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay-400020, the 29th October 1975

Ref. No. AR.V/291-A/75.—Whereas, I, J. M. Mehra,
23

being the competent authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 164 (pt.), C.T.S. No. 3 situated at Bhandup,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 10-3-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Names of the Transferors

1. Ratnasey Karsondas.
2. Pratapsinh Mathuradas
3. Pushpabai
4. Jaisinh Vithaldas.
5. Pratapsinh Shoorji Vallabhdas.
6. Dilipsinh Shoorji Vallabhdas.
7. Bhanji Surji
8. Gopalji Virji Surji.
9. Manibai wd/o Virji Surji
10. Damayanti D/o of Virji.
11. Bachubai.
12. Saraswati
13. Damayanti w/o of Liladhar Kanji.
14. Rukminibai.
15. Kalyanji alias Arunkumar Purshottam Bhanji.
16. Vasantkumar Purshottam Bhanji.

(Transferor)

(2) Shri Rajaram Sakharam Ohal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant agricultural land or ground at village Bhandup, Taluka Kurla, in the registration District and sub-district of Bombay City and Bombay Suburban District in Greater Bombay, Bombay Suburban District, admeasuring 15195 sq. yards equal to 12708 sq. metres or thereabouts and bearing survey No. 164 (part) and C.T.S. No. 3, and bounded as follows : that is to say on the North by Government land bearing Survey No. 150A, on the East by the New Tansa Pipe Line, on the West by old Duck Line and beyond that land bearing survey No. 161 and on the south by the land in survey No. 162 and 163.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bombay

Date : 29-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Zaverbhai Purshottam Nathu Charitable Trust.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Junnar Ambegaon Rahiwasi Co. op. Housing
Society Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400020

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bombay-400020, the 30th October 1975

Ref. No. AR.V/270/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing City Survey No. 68 and 32 situated at Ghatkopar (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on 7-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A piece of parcel of land admeasuring 1000 sq. yards or thereabouts i.e. 836.13 sq. metres in whatever state the land may be, situated at Village Kiroli, Jivadaya Lane, Bhatwadi, Ghatkopar (West), Greater Bombay in Survey No. 27. Hissa No. 3 (part) City Survey No. 68 and 32 Part of the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban bounded on the North by the land bearing Survey No. 27, Hissa No. 3 on the West by Plot of land bearing Survey No. 27, Hissa No. (part) and survey No. 24, Hissa No. 4—6 on the East by the plot of land survey No. 27, Hissa No. 3 (part) and on the south by plot of land bearing survey No. 27 Hissa No. 3 (part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1975
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400020

Bombay-400020, the 30th October 1975

Ref. No. AR.V/286/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra,
17

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 50 H. No. 2 (pt.) situated at Mohili, Taluka Kurla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

- (1) 1. Angela Francia D'Souza.
- 2. Agnes Simon Gomes.
- 3. Fella Duming Borges and
- 4. Violet Alexio Memedios.

(Transferor)

Annexure to notice under sec. 269D(1)—Ratilal Vallabhji Vora and others—AR.V/286/74-75.

17

Names of the Transferees

- 1. Ratilal Vallabhji Vora.
- 2. Kirit Tribhovandas Vora.
- 3. Manilal Jivraj Mehta
- 4. Kishore Manilal Mehta.
- 5. Dinesh Manilal Mehta.
- 6. Shantilal Amratlal Vaid.
- 7. Vijay Shantilal Vaid.
- 8. Casasji Jamasji Umringar.
- 9. Laxmandas Chhaganlal Bhatia.
- 10. Prem Laxmandas Bhatia.
- 11. Madan Laxmandas Bhatia.
- 12. Mukesh Laxmandas Bhatia.

(Transferee)

- (3) Shri Sayanna Gangaram.

(Person in occupation of the property)

- (4) Shri Sayanna Gangaram.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined to Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of vacant agricultural land or ground situate lying and being at village Mohili off Kurla-Andheri Road, Taluka Kurla in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay admeasuring 2100 sq. yards or thereabouts equivalent to 1755.87 sq. metres or thereabouts bearing survey No. 50 Hissa No. 2 (part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 30-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE NAGAR, BOMBAY-400020

Bombay-400 020, the 29th October 1975

Ref. No. AR.V/291-B/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra,

24

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77 (pt) and 88(pt) CTS Nos. 470 and 479 situated at Village Nahur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 10-3-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—336GI/75

Annexure to Notice under sec. 269D(1)—Rajaram Sakham Ohal—File No. AR.V/291-B/74-75.

24

Names of the Transferors

1. Ratansey Karsondas.
2. Pratapsinh Mathuradas.
3. Pushpabai.
4. Jaisinh Vithaldas.
5. Pratapsinh S. Vallabhdas.
6. Dilipsinh Shoorji Vallabhdas.
7. Bhanji Surji.
8. Gopalji Virji Surji.
9. Manibai wd/o Virji Surji.
10. Damayanti D/o Virji Surji.
11. Bachubai.
12. Saraswati.
13. Damayanti w/o Liladhar Kanji.
14. Rukminibai.
15. Kalyanji alias Arunkumar Purshottam Bhanji.
16. Vasantkumar Purshottam Bhanji.

(Transferor)

(2) Shri Rajaram Sakham Ohal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant agricultural land or ground at Village Nahur (between Mulund and Bhandup), Taluka Kurla, in the Registration District and sub-District of Bombay City and Bombay Suburban District admeasuring 14890 sq. yds. equal to 12452 sq. metres or thereabouts and bearing survey Nos. 77 (part) and 88 (part) and C.T.S. Nos. 470 and 479 and bounded as follows : that is to say on the North by 120' proposed road in land bearing survey No. 88 (part), on the East by the Pipe Line, on the West by the land bearing survey No. 88 and 90' proposed road and on the south by the land in survey No. 88 (part).

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 29-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1975

Ref. No. RAC. No. 152/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ground floor M. No. 3-6-69/4/3 situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Sri Chintalapani Sitaramreddy S/o late Sri Krishna Reddy, land lord and Agriculturist, R/o Damera Village, Huzurabad, Tq. Kareemnagar-Dist. (Transferee)

(2) Sri C. N. Reddy, S/o Sri Venkata Narasimha Reddy, R/o H. No. 3-6-543 at Himayatnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Ground floor of the house M. No. 3-6-69/4/3 and open yardage, area 547 Sq. Yds. at Shaheed Yarjang lane, Basheerbagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Nawab Mir Naqui Ali Khan, and Sahebzada Rafia Begum, both are residing at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1975

Ref. No. RAC.No. 156/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of M. No. 10-2-289/7/B situated at Shantinagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) M. Goutham Reddy, S/o Sri M. Venkatreddy, minor Rep. by his grandfather M. Chennakesava Reddy, R/o 3-4-130 at Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Portion of the House M. No. 10-2-289/7 and B situated at Shantinagar, Hyderabad together with land area 260 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1975

Ref. No. RAC. No. 154/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part—10-2-289/7 situated at Shantinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 19-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I here-
by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Nawab Mir Naqi Ali Khan Sahib, and Sahebzadi Rafia Begum Saheba, Both R/o Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mandadi Vijayalakshmi, W/o M. Venkat Reddy, H. No. 3-4-130 at Lingampally, Hyderabad, Represented by her father Sri M. Chennakeshav Reddy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : Part of the house M. No. 10-2-289/7 at Shantinagar, Hyderabad together with land and compound wall.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1975

Ref. No. RAC.No. 155/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion No. 10-2-289/7/F situated at Shantinagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 22-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Nawab Mir Naqui Ali Khan, and Smt. Sahebzadi Rafia Begum, both are residing at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Vikram Reddy, R/o 3-4-130 at Lingampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Portion of the House No. 10-3-289/7A Shantinagar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Anand Building Corp. Partner Mr. Anilkumar, and others R/o Secunderabad G.P.A. Miss Rukmani Lakhmichand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1975

Ref. No. RAC. No. 153/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 12 M. No. 5-9-29/27 situated at Basheerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Mrs. Shyamala Ramachari Ashirir W/o Dr. A. Ramachari, R/o Flat No. 12, 5-9-29/27 at 1st floor Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property : Flat No. 12 M. No. 5-9-29/27 First floor Anand building at Basheerbagh, Hyderabad. Plot No. 5.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/170/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land, situated at No. 44 R. B. Parkash Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar on March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Khushal Chand Mehra
s/o Shri R. B. Rattan Chand Mehra &
Shri Mohinder Chand s/o Shri Labh Chand Mehra,
Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi w/o Shri Ghanshyam Dass,
Gali Granthian, Faridp Bazar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Plot No. 44 R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4053 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/171/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at No. 44 R.B. Parkash Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March on 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Khushal Chand Mehra
s/o Shri R. B. Rattan Chand Mehra &
Shri Mohinder Chand Mehra s/o Shri Labh Chand
Mehra, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hund Raj s/o Shri Arjan Dass,
Gali Granthian, Partap Bazar,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4052 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurmukh Singh Chawla

s/o Shri Santokh Singh,
7, Santokh Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/172/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at 3, Rose Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar on March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

—336G/75

(1) Shri Gurmukh Singh Chawla

s/o Shri Santokh Singh,
7, Santokh Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Radha Raman s/o Shri Shori Lal Aggarwal,
Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Rose Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3918 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurmukh Singh Chawla
s/o Shri Santokh Singh, r/o
7. Santokh Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/173/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at 3, Rose Avenue, Amritsar (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Wishwa Mitter s/o Shri Shori Lal Aggarwal, Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Rose Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3905 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Davinder Chand Mehra (D.C. Mehra)
s/o Shri Lal Chand Mehra,
47-A Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/174/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at 43, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Prem Wati w/o Shri Narain Dass Shikarpuri, Chowk Sri Darbar Sahib, Gali Tarkhana, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 43 R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3994 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Surjit Kaur
w/o Shri Hardial Singh Kot Baba Deep Singh
through Shri Chattar Singh
s/o Shri Lehna Singh r/o
Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

(2) Smt. Harbhajan Kaur d/o Shri Sarup Singh and
w/o S. Sahibjit Singh now r/o 502 East Mohan
Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 property No. 502, East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4045 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/176/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Property, situated at 502 East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amritsar in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Surjit Kaur
w/o Shri Hardial Singh Kot Baba Deep Singh
through Shri Chatter Singh
s/o Shri Lehna Singh r/o
Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sahibjit Singh s/o Shri Rawail Singh
(R/o 913/B-II, Katra Laxmi Narain, Ludhiana)
now r/o 502 East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 property No. 502 East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4063 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. BTD/178/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Nohar Chand s/o Shri Mani Ram s/o Shri Sarabha Mal, Shri Sat Pal s/o Shri Amrit Pal s/o Shri Nohar Chand s/o Shri Mani Ram, Cloth Merchants Near Mandir, Mansa Mandi, Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Brij Lal, Chander Mohan s/o Shri Raghbir Dyal, r/o Mansa.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 4400 of March, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. BTD/178/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mansa in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Nohar Chand s/o Shri Mani Ram s/o Shri Sarbha Mal, Shri Sat Pal s/o Shri Amrit Pal s/o Shri Nohar Chand s/o Shri Mani Ram, Cloth Merchants Near Mandir, Mansa Mandi, Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Brij Lal s/o Shri Milkhi Ram r/o Mansa.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 4399 of March, 1975 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31-10-1975

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/180/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/5th Property, situated at 80, Abadi Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Amritsar in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(1) Shri Puran Singh,
Shri Bawa Singh s/o Shri Gurdit Singh
r/o Kot Baba Deep Singh, (Bazar No. 5/6)
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kaur w/o
Shri Hazara Singh
r/o Bholoke Teh Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/5 share of House on and plot No. 80 Abadi Ajit Nagar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4175 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Puran Singh Shri Bawa Singh ss/o Shri Gurdit Singh r/o Kot Baba Deep Singh, (5/6 Bazar) Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Baljit Singh s/o Shri Hazara Singh r/o Bias Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/181/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/5th property situated at 80, Abadi Ajit Nagar, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—336GI/75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/5th share of House on plot No. 80 Abadi Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4176 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/182/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at 80, Abadi Ajit Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh Shri Bawa Singh s/o Shri Gurdit Singh r/o Kot Baba Deep Singh, (Bazar No. 5/6), Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kaur w/o Shri Hazara Singh r/o Bholoke Teh. Batala, Shri Baljit Singh s/o Shri Hazara Singh r/o Bias Teh. Amritsar. Smt. Swinder Kaur w/o Shri Gulab Singh r/o Toor Khurd Teh. Ajnala.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 80 Abadi Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deeds Nos. 4175, 4176 and 4177 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ABOHAR/183/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. ½ House, situated at Gali No. 9 Abohar Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in March, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tara Chand s/o Shri Gopal Dass s/o Shri Bhag Mal r/o Abohar now r/o B-203 Kasturba Gandhi Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Ahuja w/o Shri Bansi Lal Ahuja c/o Victoria Memorial Hospital, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ House in Gali No. 9 Abohar Mandi as mentioned in the Registered Deed No. 2704 of March, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ABR/184/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 House, situated at Gali No. 9 Abohar Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar in March 1975, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tara Chand s/o Shri Gopal Dass s/o Shri Bhag Mal r/o Abohar now r/o B-203, Kasturba Gandhi Marg, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Alok Ahuja s/o Dr. Bansi Lal Ahuja c/o Victoria Memorial Hospital, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡ House in Gali No. 9 Abohar Mandi as mentioned in the Registered Deed No. 2660 of March, 1975 of the Registering Authority Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ABOHAR/185/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gali No. 9 Abohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (1) **Shri Tara Chand** s/o Shri Gopal Dass s/o Shri Bhag Mal r/o Abohar now r/o B-203, Kasturba Gandhi Marg, Delhi. (Transferor)
- (2) **Smt. Saroj Ahuja** d/o Shri Bansri Lal Ahuja Dr. Bansri Lal Ahuja c/o Victoria Memorial Hospital, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Gali No. 9 Abohar Mandi as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2704 and 2660 of March, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/186/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3 rd Kothi situated at 40A Kenedy Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ajaib Kaur Wd/o Shri Gurdit Singh r/o House No. 537, Sector 10-D Chandigarh through Shri Amarjit Singh s/o Shri Kuldip Singh, Kt. Sher Singh r/o H. No. 1234, Bazar Tahil Wala Sultanwind Road, Amritsar and Shri Ram Lal Sehgal s/o Shri Mathra Dass Sehgal of Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh s/o Shri Jagat Singh r/o Majitha Teh. Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd Kothi, Kenedy Avenue, Amritsar as mentioned in the registered Deed No. 4051 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/187/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1/3rd Kothi, situated at 40A Kenedy Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ajaib Kaur Wd/o Shri Gurdit Singh r/o H. No. 537, Sector-10D Chandigarh through Shri Amarjit Singh r/o Shri Kuldip Singh, Kt. Sher Singh r/o House No. 1234, Bazar Tahl Wala Sultanwind Road, Amritsar and Ram Lal Sehgal s/o Shri Mathra Dass Hehgal of Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukhpal Singh s/o Shri Mohan Singh s/o Shri Jagat Singh r/o Majitha Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd Kothi No. 40A Kenedy Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4067 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/188/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd Kothi, situated at Kenedy Avenue, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Ajaib Kaur wd/o Shri Gurdit Singh r/o House No. 537, Sector 10D, Chandigarh through Shri Amarjit Singh s/o Shri Kuldip Singh, Kt. Sher Singh r/o House No. 1234, Bazar Tahli Wala (Amritsar and Shri Ram Lal Sehgal s/o Shri Mathra Dass Schgal of Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Taljit Singh s/o Shri Kartar Singh s/o Shri Jagat Singh r/o Majitha Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd Kothi 40A Kenedy Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4107 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/189/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi, situated at 40A Kenedy Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—336GI/75

(1) Smt. Aiaib Kaur wd/o Shri Gurdit Singh r/o House No. 537, Sector 10D, Chandigarh through Shri Amarjit Singh s/o Shri Kuldip Singh, Kt. Sher Singh r/o H. No. 1234, Bazar Tahli Sahib, Amritsar and Shri Ram Lal Sehgal s/o Shri Mathra Dass Sehgal of Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh s/o Shri Jagat Singh, Shri Sukhpal Singh s/o Shri Mohan Singh s/o Shri Jagat Singh Shri Taljit Singh s/o Shri Kartar Singh s/o Shri Jagat Singh r/o Majitha Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 40A Kenedy Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4051, 4067 & 4107 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1975

Ref. No. ASR/190/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 Property, situated at Kt. Sher Singh Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Radha Arora d/o Shri Khem Singh w/o Shri Sham Dass Arora r/o Bombay 70, Maine Drive through Shri Gulzar Singh s/o Shri Lachhman Singh r/o 43 Mall Road, Amritsar, Smt. Hans Kaur d/o Shri Khem Singh w/o Sh. Tarlok Singh, 5 Brahma Nagar, Amritsar. Now At Bombay through Shri Brij Kumar s/o Sri Kishan, R. B. Parkash Chand, Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Mangat Ram s/o Shri Tarlok Chand Jain I/s Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

ANNEXURE 'A'

1. S/s Fair Friends Watch Co.
2. Shri Mohan Lal.
3. Shri Muni Lal.
4. Shri Joginder Singh.
5. Shri Parkash Dua.
6. M/s Ralia Ram Tilak Raj,
48A & 48B Katra Sher Singh, Amritsar.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 48A & 48B, Kt. Sher Singh sar as mentioned in the Registered Deed No. 1 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Chavali Suvarchala Devi,
W/o Rama Sarma, Door No. 8-1-305,
Sivajinagar, Secunderabad.
2. Smt. Ch. Sita Mahalaxmi W/o Suryanarayana,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. K. S. R. N. V. Subbarao,
Reader, Dept. of Anatomy, Rangaraya Medical
College, Kakinada.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1975

No. Acq. File No. 260 J. No. EG/134/75-76.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-9-22 situated at Sivalayam Street, Ramaraopetam, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 3652/75 of the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kona Anjaneyulu, S/o Venkataraju,
Amalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Yendegela Subbarao S/o Veeranna,
Amalapuram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st October 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Acq. File No. 259 J. No. 643/EG.—Whereas, I, B. V. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/1 2-00 situated at Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amalapuram on 31-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 877/75 of the S.R.O., Amalapuram.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sohan Singh s/o Shri Hari Singh
r/o C-28, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bakshish Singh s/o
Shri Amarjit Singh Chandok,
r/o D-14/B, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

New Delhi, the 11th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2016(924)/75-76.—Whereas I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4 share of C-28 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 or 1922 or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

1/4th share in a single storeyed House constructed on a plot of land measuring 1062 sq. yds bearing No. 28 in Block C situated in the colony Rajouri Garden, area of Village Basai Darapur, Delhi & bounded as under :—

North : Road
South : House on plot No. C-37
East : House on plot No. C-29
West : House on plot No. C-27.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prem Singh s/o Sh. Hari Singh
r/o C-28, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR.
NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2015(923)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 share of C-28

situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Manjit Singh Chandhok,
s/o Sh. Sujan Singh Chandhok
r/o D-14/B, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a single storeyed House constructed on a plot of land measuring 1062 sq. yds bearing No. 28 in Block C situated in the colony Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi & bounder as under :—

North : Road
South : House on plot No. C-37
East : House on plot No. C-29
West : House on plot No. C-27.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Sv/Shri Ved Parkash
2. Dharan Bir
3. Bhim Sain sons of Shri Brij Lal
4. Shri Mahinder Kumar s/o Shri Om Parkash all
r/o XII/1905, Gali Ahiran, Malkaganj,
Subzi Mandi, Delhi.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2269(925)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XII/1905(new), 390 (old) situated at Gali Ahiran Mulka Ganj, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-7-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Narinderpal Singh s/o
Shri Attar Singh
r/o 142-D, Kamla Nagar, X Subzi Mandi, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land about 128 sq. yds bearing Municipal No. XII/1905 (New), 390/Old situated in Gali Ahiran, Mulka Ganj, Subzi Mandi, Delhi-7.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of, Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohan Singh s/o
Shri Hari Singh
r/o C-28, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o S. Sujan Singh
r/o D-14/B, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/2013(922)/75-76.—Whereas I, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of C-28 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 1062 sq. yds bearing plot No. 28 in Block C situated in the colony Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi & bounded as under:—
North : Road
South : House on plot No. C-37
East : House on plot No. C-29
West : House on plot No. C-27.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR.
NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/2014(921)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of C-28 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 14-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
28—336GI/75

- (1) Shri Mohinder Singh S/o
Shri Hari Singh
r/o C-28, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o S. Sujan Singh
r/o D-14/B, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 1062 sq. yds bearing plot No. 28 in Block C situated in the colony Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi & bounded as under:—

North : Road
South : House on plot No. C-37
East : House on plot No. C-29
West : House on plot No. C-27.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sona Rani
w/o Shri Partap Singh
r/o Village & P.O. Panchi Jatan,
Tehsil & Distt. Sonepat (Haryana).

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1975

(2) Shri Hazari Lal Rustagi,
s/o Shri Badri Parashad,
r/o B-5/12, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land No. 16 Block A-1 measuring
150 sq. yds in the colony known as Satya Wati Nagar, area
of Village Sadhara Kalan, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. A-1/17
South: Road
East: Service Lane
West: Road.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Muniruddin
s/o Abdullah Mahinuddin
r/o 3295, Phatak Telian, Turkman Gate,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jamila Begum
w/o Hafiz Zahur Ahmad,
r/o 2003, Kucha Chelan, Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4-A/14, ASAFA ALI ROAD, 3RD FLOOR.

NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ. II/1855(919)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/4 share of 2003 to 2005 situated Kucha Chelan Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4 share undivided consisting of pucca built house at land measuring 61 sq. yds at No. 2003 to 2005 ward No. 11 situated in Kucha Chelan, Darya Ganj, Delhi and bounded as under :—

South: Road & Doors
North: Wall & Others property
East: Wall & Municipal Corporation Dole
West: Wall and property No. 2002.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 11-11-1975
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/May/291(7)/75-76.—
 Whereas, I, S. C. Parija,
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 Plot No. 23 Block No. 'S'
 situated at Green Park Extn., New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 24-5-1975,
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh
 s/o Late Shri Teja Singh
 r/o 78, Thomson Road, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) 1. Smt. Vidya Wati w/o Lala Sri Ram 33, Anand Lok, New Delhi.
 2. Miss Mamta (minor) d/o Shri Om Prakash Jain, 33, Anand Lok, New Delhi through her guardian Shri Om Prakash Jain and
 3. Miss Mayur Nandini (Minor) d/o Shri Ashok Kumar Jain, 33, Anand Lok, New Delhi through her guardian Shri Ashok Kumar Jain.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. bearing plot No. 23, Block S, situated in the colony known as Green Park Extn. (Yusuf Sarai) New Delhi and bounded as under :—

East : Service Road
 West : Road
 North : Plot No. 22
 South : Plot No. 24.

S. C. PARIJA
 Competent Authority.
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 29-10-1975
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Satnam Kaur w/o Shri Hazoor Singh
r/o 4351 Gali No. 58, Padam Singh Road,
Regharpura, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1975

(2) Smt. Swaran Kumari Anand
d/o Shri Banarsi Dass Kohli
w/o Shri Prem Nath Anand
r/o H. No. 6090, Block No. 2, Gali No. 1,
Padam Singh Road, Dev Nagar, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

(3) Shri Prem Nath Anand and (2) Shri Jai Kumar
both r/o H. No. 4351/1, Gali No. 58, Padam Singh
Road, Karol Bagh, New Delhi.
[Persons in occupation of the property]

Ref. No. 1AC.Acq.III/SR.III/April/250(15)/75-76.—
Whereas, I, S. C. Parija,

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4351/1, Gali No. 58
situated at Padam Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described
in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-4-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey pucca built house alongwith double storey stair case in the Northern Street No. 58, Municipal No. 4351/1, Ward No. XVI, built on lease-hold plot, Khasra No. 1445, Block No. F, mg. 50 sq. yds, situated at Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Street.
West : House on plot No. 1444
South : Padam Singh Road.
East : House on plot No. 1446.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 29-10-1975

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th October 1975

Ref. No. IAC. Acq. III/SR.III/June/338(12)75-76.—
Whereas, I, S. C. Parija,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 storeyed H. No. 15 Block-F situated at Green Park Extn, New Delhi-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kundan Lal Manchanda
s/o Late Shri Mangal Dass Manchanda
r/o House No. 6/212, Mohalla Doongar,
Shahdara, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Manu Lal Jain
s/o late Shri Lal Chand Jain
r/o T-20, Green Park Extension,
New Delhi.
(Transferee)

(3) C.A.O., Ministry of Defence 15 Block No. F,
Green Park, Extension, New Delhi.
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed House on a free-hold plot No. 15, Block No. F measuring 200 sq. yds. in the residential colony known as Green Park Extension situated on Delhi Kutab Road in the Union Territory of Delhi within the Municipal limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under.—

East : Road
West : Service lane
North : H. No. F-14
South : H. No. F-16.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 29-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Labh Singh s/o Sh. Ganga Singh,
r/o N-31, Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh
s/ Shri Jawahar Singh r/o Kothi No. 41,
Road No. 43, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th October 1975

Ref. No. IAC. Acq. III/SR. II/June/915(3)/75-76.—
Whereas, I, S. C. Patija,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
41 on Road No. 43
situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 30-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thereof, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of the section 269D of the Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of undivided single storeyed house on a
free-hold plot of land No. 41, on Road No. 43, measuring
140-46 sq. yds. (total area 280.92 sq. yds.) situated in the
colony known as Punjabi Bagh, area of village Madipur,
Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal
Corporation and bounded as under :—

North : Plot No. 39
South : Property No. 43
East : Road No. 43
West : Service lane.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 29-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Labh Singh, s/o Sh. Ganda Singh,
r/o N-31, Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishan Singh
s/o Shri Jawahar r/o Kothi No. 41,
Road No. 43, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 29th October 1975

Ref. No. IAC. Acq. III/SR. II/June/914(5)/75-76.—
Whereas, I, S. C. Parija,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 41 on Road No. 43
situated at Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 30-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share of undivided single storied house on a
free-hold plot of land No. 41, on Road No. 43, measuring
total area 280.92 sq. yds. i.e. 140.46 sq. yds. situated in the
colony known as Punjabi Bagh, area of village Madipur,
Delhi State, Delhi within the limits of Delhi Municipal
Corporation and bounded as under :—

North : Plot No. 39
South : Property No. 43
East : Road No. 43
West : Service lane.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 29-10-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III.

4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1975

Ref. No. IAC. Acq. III/SR. III/May/292(8)/75-76.—
 Whereas I, S. C. PARIJA,
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10, Block S situated at Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 24-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

29—336 GI/75

- (1) (i) M/s. S. R. Channa and Sons, through Managing Partner Shri S. R. Channa r/o 9A/31, WEA, Karol Bagh, New Delhi and (ii) Shri Lekh Raj s/o Shri Ram Ditta Mal, 14A/31, WEA, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) 1. (i) Shri Sudhir Kumar Gupta, (ii) Shri Akhil Kumar Gupta s/o Shri Balak Ram r/o C-26, Defence Colony, New Delhi and 2. Mrs. Asha Gupta w/o Shri Anant Ram Gupta, Red Gates, Itki Road, Ranchi (Bihar). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 10, Block S, measuring 200 sq. yds. alongwith boundary wall around the plot, situated in the residential colony known as Green Park, Extension, New Delhi in the village of Yusaf Saraj Jat, Delhi Kutab Road, within the limits of Delhi Municipal Corporation in the State of Delhi and bounded as under :—

East : Open space
 West : Lane
 North : Cinema
 South : Plot No. S-9.

S. C. PARIJA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax, Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 30-10-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri S. Sampath,
No. 35, Old Market Street,
Fort, Salem-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. R. Sarala W/o C. Rajesh,
2. Smt. S. Pavalamani W/o C. Santham,
3. Smt. A. Porkodi, W/o C. Anburajan,
No. 67, T. C. Kittangi St., Virudunagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 10th November 1975

Ref. No. F. XVI/1/29/1974-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75 situated at Jamulinga Chetty Street, Shevapettai, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Salem (Doc. No. 676/75) on March, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 110' x 16' at Salem, Shevapettai, No. 75, Jambulinga Chetty Street (T.S. No. 16/B2).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Sampath,
No. 35, Old Market Street,
Fort, Salem-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. R. Sarala W/o C. Rajesh,
2. Smt. S. Pavalamani W/o C. Santhan,
3. Smt. A. Porkodi, W/o C. Anburajan,
No. 67, T.C. Kittangi St., Virudunagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 10th November 1975

Ref. No. F. XVI/1/30/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75A situated at Jambulinga Chetty Street, Shevapet, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 677/75) on March, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 110' x 16' at No. 75A, Jambulinga Chetty Street, Shevapet, Salem (T.S. No. 16/B2).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. A. Muthukrishna Chettiar & M. Ramalingam
No. 45, Pulikuthi Street Gugai, Salem-6.
(Transferor)

(2) Shri S. P. Gopalakrishna Chettiar
No. 238, Second Agatharam, Salem-1.
(Transferee)

(3) Shri L. V. Seethapathi & others.
[Persons in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th November 1975

Ref. No. F. XVI/1/123/1974-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 37
situated at 'J' Block, Dadubalkutti, Salem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 977/75) on March 1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3332 sq. ft. with building at T.S. No. 37, Block 2, 'J' Ward, Dadubalkutti, Salem covered by Doc. No. 977/75.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. K. Subramaniam,
S/o P. Krishna Iyer,
Appu Chetty St., Salem-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. V. T. Ramarao & V. T. Sundaram Iyer,
S/o V. Thirumalier,
(3) Shri Ramaswamy Kannara St. Salem-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 5th November 1975

Ref. No. F. XVI/1(III)/38/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 52/2 situated at Perieri Village, Salem Town described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem on 10-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 26,812 sq. ft. with a shed measuring 3000 sq. ft. without walls and 1000 sq. ft. with walls situated at T. S. No. 52/2, Perieri village, Salem town.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 5-11-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-6.

Madras-6, the 10th November 1975

Ref. No. 1682/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12, situated at Door No. 3, St. George's Cathedral Road, Kasthuri Estate, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 887/1975) on February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Florida Fernando,
 W/o Mr. J. A. N. Fernando,
 No. 3, Kasturi Estate, Cathedral Road, Madras-6.
 (Transferer)

(2) Mrs. S. A. M. Jazcema Beevi,
 W/o Mr. Mohamed Hussain,
 2/3-A, Atkinson Road, Vepery, Madras-7.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 grounds and 2080 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 3, St. George's Cathedral Road, Kasthuri Estate, Mylapore, Madras (Plot No. 12).

G. V. JHABAKH,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax, Acquisition Range-II,
 Madras-6.

Date : 10-11-1975.
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 10th November 1975

Ref. No. F. No. 1683/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, Bazullah Road, situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Document No. 1006/75) on February 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) Shri T. R. Rajagopal, Shri T. R. Thothadri, Smt. Lakshmi Ammal, Shri T. R. Mohan and Shri T. V. Ramanan, No. 22, Bazullah Road, T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

(1) Shri N. M. Kadir Ganesh, Shri N. M. Venkatesh (Minor) Minor by guardian N. S. Meenakshisundram, No. 49, High Road, Egmore, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 grounds (with building) situated at No. 22, Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17 (T.S. No. 6861—Survey No. 99).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sushila Devi Gupta and others.

(Transferor)

(2) Shri Vishwamitra and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 25th August 1975

Ref. No. 22-V/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half of House situated at Moh. Katghar Vir Shah Hazari Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Moradabad on 25-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Half portion of house measuring 193 sq. yds. situated at Moh. Katghar Vir Shah Hazari Distt. Moradabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 25-8-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kabul S/o Jhunda 2. Mamchand 3. Ghashi
Ram S/o Bakhtawar, R/o Khekra, Distt. Meerut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 11th November 1975

Ref. No. 94/Acq/Baghpat/74-75/1900.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 4-2-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
30—336GI/75

(2) Shri Bhullan S/o Shiv Sahai 2. Hemraj 3. Yadram,
4. Pooran S. Godhu S/o Sucha Ram, R/o Khekra,
Meerut.

(Transferee)

(4) Any person interested in the property & Shri Manoj Kumar s/o Shri Nikka Singh c/o M/s Amrit Dairy, Court Road, Amritsar (Party impleaded)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land comprised in Khasra No. 1950, measuring 8 Bigha 11 Biswa and 18 Biswansi situated at Vill. Khekra, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 62,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11th Nov. 1975.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th November 1975

Ref. No. 95/Acq/Baghpat/74-75.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baghpat on 5-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhullan S/o Shy Sahai 2. Hemraj, 3. Yadram 4. Pooran, 5. Godhu Sons of Shri Sucha Ram, Khekra, Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Kabul S/o Jhunda 2. Mamchand, 3. Ghasiram S/o Bhaktawar, R/o Khekra, Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land comprised in Khasra No. 3083 measuring 13 Bigha 1 Biswa 19 Biswansi situated at Vill. Khekra, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 78,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11th Nov. 1975.

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI.

New Delhi, the 1st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Mar-I/653(21)/74-75.—

Whereas, I. C. V. Gupte, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 6-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Svs. Hari Chand, Ballu, & Lakhia Chand sons of Sh. Het Ram, r/o Village Jonapur, Tehsil Mehrauli Delhi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri G. D. Tewari s/o Sh. Shiv Dayal Tewari, r/o F.68, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 6 Bighas & 1 Biswas (about 6881 sq. yds.) in Mustatil No. 15, Part of Killa Nos. 11 and 20 situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, Distt. Delhi, New Delhi.

C. V. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1975
Seal :

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING &
MANAGEMENT
(EXAMINATIONS WING)
NOTICE

CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1976

New Delhi, the 22nd November 1975

No. F.13/1/75-ARRNG.—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in :

- (i) Indian Foreign Service (B)—Grade VI;
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II;
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade;
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade;
- (v) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi;
- (vi) Posts of Lower Division Clerk in the office of the Special Inspector General, Indo-Tibetan Border Police, Delhi;
- (vii) Posts of Lower Division Clerk in the Central Vigilance Commission;
- (viii) Posts of Lower Division Clerk in other Departments and Attached Offices of the Government of India not mentioned above,

will be held by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) at AGARTALA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, GAUHATI (DISPUR), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad on the 9th July, 1976, in accordance with the Rules published by the Department of Personnel & Administrative Reforms in the Cabinet Secretariat in the Gazette of India, dated the 22nd November, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATE THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2.(a) The approximate number of vacancies in the various Services and posts mentioned in para 1 above, for which recruitment is to be made on the basis of this examination, is given below :—

- (i) Indian Foreign Service (B)—Grade VI *
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade II *
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade 600**
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade *
- (v) Posts of Lower Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi;
- (vi) Posts of Lower Division Clerk in the office of the Special Inspector General, Indo-Tibetan Border Police, Delhi, and *
- (vii) Posts of Lower Division Clerk in the Central Vigilance Commission; and *
- (viii) Posts of Lower Division Clerk in other Departments and Attached offices of the Govt. of India not mentioned above. *

* will be determined later.

** The above numbers are liable to alteration.

(b) In addition to the number of vacancies in the Central Secretariat Clerical Service *vide* sub-para (a) above, some more vacancies may be required to be filled in this service at a later stage. For that purpose a Reserve List containing names in the order of merit, the number of which would

be determined by Government before the declaration of the result of this examination, may also be drawn up for being utilized for making appointments to the Central Secretariat Clerical Service before the declaration of the result of the Clerks' Grade Examination to be held in 1977. Candidates competing for the Central Secretariat Clerical Service should state clearly in their applications whether they wish to be considered for inclusion in such a Reserve List; and if so, they should indicate clearly in Col. 14 of the application form their preference for the Reserve List in their order of preferences.

(c) Out of the vacancies mentioned above certain vacancies will be reserved for candidates who are ex-Servicemen as may be decided by the Government of India.

(d) Reservation will be made for candidates, belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts covered by the scheme of the Examination in accordance with the provision of the Department of Personnel & Administrative Reforms Notification No. 11/6/75-CS-II dated the 22nd November, 1975.

If he wishes to be admitted for more than one Service/post, he need send in only one application. He will be required to pay the fee once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

4. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a resident of the Union Territory of Goa, Daman, & Diu or is not immigrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) shall be permitted to compete more than two times at the examination held from 1961 onward.

The number of chances already availed of by candidates not belonging to the categories mentioned above will be carefully checked before they are actually appointed. Such candidates are warned that if it is found on such checking or otherwise that any of them had already appeared in the examination twice during the years 1961 to 1975 and was thus ineligible to sit in the examination, action will be taken against him as per rules 5 and 15 of the Rules relating to the examination.

5. A candidate is required to specify clearly in the application form in the order of preference the Services/posts for which he wishes to be considered. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that, having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences when making appointments. A candidate desirous of being considered for inclusion in the Reserve List for the Central Secretariat Clerical Service should indicate his preference for the Reserve List specifically in the order of preferences in Col. 14 of the application.

No request for alteration in the order of preferences for the services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) on or before 31-12-1976.

6. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2 Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application & full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 13th January, 1976. They are also obtainable from the Institute by post up to the 13th January, 1976, on payment of Rupee one each, which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/C Payee only' crossing and payable to the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing), at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi. The name of the examination—CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1976—should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for

Rupee one and the three slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidates by ordinary post under certificate of posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one i.e. he should send postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1.00 or Rs. 2.00 as the case may be, will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/-; as the case may be in the office of India's High Commissioner/Ambassador/ Representative, who should be asked to credit the amount to the account head "065—Other Administrative Services—C. Other Services—Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)—Other Receipts—Sale of Application Forms" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi), obtain a receipt in TR-5 Form from that office and forward the receipt to the Institute. Three slips showing name and address of the Candidate in Block Capital Letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

THE NOTICE INSTRUCTIONS TO CANDIDATES AND RULES HAVE BEEN PRINTED BOTH IN HINDI AND ENGLISH. WHILE APPLYING FOR APPLICATION FORMS, CANDIDATES SHOULD CLEARLY INDICATE IF THEY WANT THE COPY OF RULES ETC. TO BE SENT TO THEM IN HINDI OR IN ENGLISH. IF THEY DO NOT DO SO, IT WILL BE ASSUMED THAT THEY WANT THESE DOCUMENTS TO BE SENT TO THEM IN ENGLISH.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Clerks' Grade Examination, 1976. Applications on forms other than the one prescribed for the Clerks' Grade Examination, 1976, will not be entertained. Applications on forms marked 'For Official Use only' will also not be entertained.

NOTE 2.—No request for supply of application forms and full particulars of the examination will be entertained after the 13th January, 1976. Requests for supply of application forms and full particulars of the examination from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep will, however, be entertained up to the 27th January, 1976.

7. The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, on or before the 13th January, 1976 accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidates contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad in the Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep from a date prior to the 13th January, 1976 will, however, be accepted upto the 27th January, 1976.

NOTE 1.—Candidates who send their request for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 2.—Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement card from the Clerk who receives the application forms then and there.

8(i) Prescribed Fee.—Candidates seeking admission to the examination, except those falling under sub-paras (iii) and (iv) below must pay the following fee to the Institute with the completed application forms:—

Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 8(i) should be paid by means of Indian Postal Orders crossed with 'A/c Payee only' crossing payable to the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing). The Postal Orders should be filled as per specimen given below:—

Payee Only	Pay to Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) New Delhi
POSTAL ORDER	
at R. K. Puram, (Delivery) Post Office New Delhi-110022	

The Institute will not accept payment made otherwise.

(iii) Ex-Servicemen released from the Armed Forces are exempt from payment of the examination fee prescribed above.

(iv) The Institute may at the discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(v) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING & MANAGEMENT (EXAMINATION WING) NEW DELHI, AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED IN THE SPACE PROVIDED FOR THE PURPOSE AT THE TOP OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCCOMPANIED BY CROSS-ED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO EX-SERVICEMEN—VIDE PARA 8(iii) ABOVE AND TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLADESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA & SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH 1971, 1ST JUNE, 1963, AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY, AND BEING NOT IN A POSITION TO PAY ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE VIDE PARA 8 (iv) ABOVE.

9. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained nor can the fee be held in reserve for any other examination. The refund is admissible only when the Examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Institute, because of late receipt of his application, his application, alongwith the postal orders, will be returned to him.

10. All communications in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022, and should contain the following particulars:—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management concerning this examination candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Clerks' Grade Examination, 1976".

MADAN LAL,
Director (Exams.),
Institute of Secretariat Training & Management.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management in accordance with para 6 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION, THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may at the discretion of the Institute be required to appear at any one of the three Missions indicated by him or at any other Mission.

2. The application form and the sheet comprising six portions showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application forms should be sent to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep may at the discretion of the Institute be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or Lakshadweep from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 7 of the Notice.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Institute.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government-owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employers and it reaches the Institute late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his applications:—

(i) CROSSED Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) New Delhi at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi for the prescribed fee.

These are not required to be submitted by ex-Servicemen released from the Armed Forces or those seeking remission of the fee *vide* sub-Para (iv) of para 8 of the Notice.

(ii) An attested copy of Certificate of Age.

(iii) An attested copy of Certificate of Educational Qualification.

(iv) Three identical copies of recent passport size (7 cm. x 5 cm. approx.) photograph of the candidate.

Copies of the certificates mentioned above and other certificates required to be submitted mentioned elsewhere should be got attested by one of the following, who should indicate his name, designation and full address and date of attestation and affix his seal/rubber stamp below his signature:—

- (a) Gazetted Officers of the Central or a State Government.
- (b) Members of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi.
- (c) Sub-Divisional Magistrate/Officers.
- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars.
- (e) Principal/Headmasters of recognised High Schools/Higher Secondary Schools/Colleges Institutions of higher learning.
- (f) Block Development Officers.
- (g) Members of a Municipal Corporation.

Copies of the photograph or the attested copies of the certificates mentioned in paras 4(ii), 4(iii), 5 and 6 (vi) to 6(ix) will not be returned to the candidate.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below:—

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

All Postal Orders should be crossed with "A/c Payee only" crossing and filled in as follows:—

"Pay to the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) New Delhi at R. K. Puram (Delivery), Post Office, New Delhi.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or time-barred Postal Orders will also not be accepted.

Candidates should write their name and address on the back of the Postal Orders in the space provided for the purpose.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of Scheduled Castes and the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '065—Other Administrative Services—C. Other Services—I.S.T.&M. (Examination Wing)—Other Receipts—Examination Fees'. (Adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that Office with the application.

(ii) *Attested copy of Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Institute is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate, recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation, or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. The expression Matriculation Certificate in this part of the instructions must be understood as including these alternative certificates.

Sometimes the Matriculation or equivalent Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send, in addition to the attested copy of the Matriculation or equivalent certificate, an attested copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution where he studied showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

If a candidate is unable to submit an attested copy of the Matriculation or equivalent Certificate with his application, he must give a reasonable explanation for its absence. Such a candidate should further submit along with his application a certificate, in the form prescribed under Note 2

below para 4(iii) from the Principal/Headmaster of the school from where he appeared at the Matriculation or equivalent examination, showing his age/date of birth as recorded in the Admission Register of the School.

Candidates are warned that unless an attested copy of complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with the age shown in the attested copy of the Matriculation Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED AND ACCEPTED BY THE INSTITUTE FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School or (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination or (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 2 below para 4(iii) from the Principal of the school concerned and no other certificates as evidence of age will be required. This certificate will not be returned to the candidate.

NOTE 4.—Displaced persons who have lost their original Matriculation Certificate in Pakistan should obtain duplicate certificate from the University concerned and submit an attested copy thereof. If they are unable to obtain the duplicate Matriculation Certificate from the University, they should submit an attested copy of an extract from the University Gazette in which their results were published showing their date of birth and certified by the Registrar or the Headmaster.

(iii) *Attested copy of Certificate of Educational Qualification*—A candidate must submit an attested copy of a certificate or diploma showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate, attested copy of which is submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body, awarding the particular qualifications). If an attested copy of such a certificate or diploma is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can, to support his claim to the requisite qualification. The Institute will consider this evidence on its merits but does not bind itself to accept it as sufficient.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate should submit an attested copy of each of the first page and the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. Examination.

NOTE 2.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, or (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, or (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the School concerned. This certificate will not be returned to the candidate.

The form of certificate to be produced by the candidate (cf third sub-para of para 4(ii), and Note 3 thereunder, and Note 2 above).

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*.....
.....son/wife/daughter* of Shri

*(a) has passed in the year..... Higher
Secondary/High School/Matriculation/Secondary
School Examination of.....
(Name of Board/University) and

was placed in..... Division, but his/her certificate has not been issued by the said Board/University.

(b) has passed in the year..... Tenth Class of this school, which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic and is at present studying in class of this school.

2. It is also certified that his/her* date of birth as recorded in the Admission Register of this school is..... This has been verified from his/her* transfer certificate/statement made on his/her* behalf at the time of his/her* admission to the School.

(Signature of Headmaster/Principal*)
(Rubber stamps of the School)

Date.....

Place.....

*Strike out portions which are not applicable.

(iv) *Three Copies of Photograph*—A candidate must submit three identical copies of his/her recent passport size (7 cm×5 cm.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the second and third copies should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional officer or any other officer of the District, in which the candidate or his father originally belongs/belonged, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue a certificate.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India :

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*.....
.....son/wife/daughter* of
.....of village/Town*..... in
District/Division*..... of the State/
Union Territory* of belongs
to the **..... Caste/Tribe* which is recognised
as a Scheduled Caste/Tribe* under the Scheduled Castes
and Scheduled Tribes Lists.

(Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966* the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*.

the constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959.*

the constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*.

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.

2. Shri/Smt./Km. and/or his/her father originally belongs/belonged to village/ town.... District/Division of the State/Union Territory of

3. Shri/Smt./Km.'s father has been/was residing in Village/town.... District/Division of the State/Union Territory of permanently and his caste namely.... is/ls not notified as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe in relation to the said locality.

4. Shri/Smt./Km. is professing the Hindu/Sikh religion.

Signature.....
***Designation.....

Place.....

Date.....

(with Seal of Office)
State/Union Territory.

*Please delete the words which are not applicable.

**Here state the name of Caste/Tribe to which the candidate belongs.

NOTE (i) No person who professes a religion different from Hindu or the Sikh religion shall be deemed to be a member of a Scheduled Caste.

NOTE (ii) The candidates who claim to belong to Scheduled Caste/Tribe and have migrated from Pakistan or Bangla Desh should produce Scheduled Caste/Tribe certificate from the district where they were registered as citizen of India.

***Officers competent to issue Scheduled Castes/Tribe certificates—

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
% not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate.
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshdweep).

6(i) A displaced person from Bangla Desh (Erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from Bangla Desh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25 March, 1971.

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Division Officer, within the sub-division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta;

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 8(iv) of the Notice he should also produce a certificate, in original from a District Officer of a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 8(iv) of the Notice or age concession under Rule 6(c) (iv) or 6(c) (v) should produce an attested copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate, in original from a District Officer of a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 8(iv) of the Notice or age concession under Rule 6(c) (viii) or 6(c) (ix) should produce an attested copy of the Identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. If he is seeking remission of the fee, he should also produce a certificate in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) An ex-Servicemen who does not pay the prescribed fee and is competing for vacancies reserved for ex-Servicemen in terms of Rule 2 should submit an attested copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Navy authorities, as proof of his being an ex-Servicemen indicating the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from the Armed Forces.

(v) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman, and Diu, claiming age concession under Rule 6(c) (vi) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrator of the Councils
- (3) Mamlatdars.

(vi) A candidate, who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), claiming age concession under Rule 6(c) (vii) should produce an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.

(vii) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(c) (x) or 6(c) (xi) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate

Certificate that Rank No. Shri of Unit..... was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....
Name.....
Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c) (xii) or 6(c) (xiii) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border

Security Force in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....
Name.....
Designation.....
Date.....

7(a) A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Department of Personnel and Administrative Reforms for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

(b) If a certificate of eligibility is not necessary in the case of a person he should produce an attested copy of an Affidavit on non-judicial Stamp paper sworn before a First Class Magistrate in one of the following forms whichever may be applicable to him :—

(1) "I declare that I migrated to India from areas which now form Pakistan or Bangla Desh before the nineteenth day of July, 1948 and have ordinarily been resident in India since then;"

(2) "I declare that I migrated to India from areas which now form Pakistan or Bangla Desh on or after the nineteenth day of July, 1948 and have ordinarily been resident in India since then and I further declare that I have got myself registered as a citizen of India under Article 6 of the Constitution."

(3) "I declare that I entered the Union Service without a certificate of eligibility before the commencement of the Constitution, i.e. 26th January, 1950 and am continuing in such service since then without a break."

NOTE.—A candidate whose case is covered by item (2) above may submit an attested copy of the certificate of Registration as citizen of India, in lieu of an Affidavit sworn before a 1st Class Magistrate as required under sub-para (b) above.

8. Candidates are warned that if an application is incompletely or wrongly filled or is not accompanied by any of documents mentioned under paragraph 4(i), 4(ii), 4(iii), 4(iv) 5, 6, and 7, as may be required to be submitted by them, without a reasonable explanation for their absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. Any document not submitted with the application, but for the absence of which explanation has been given should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Institute's office within one month after the last date of the receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected. The attested copies of certificates submitted will not be returned by the Institute.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents or its copy submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

9. (a) Candidates who claim exemption from passing the typewriting test in terms of Note (1) under paragraph I of Appendix I to the Rules should furnish details of their passing an earlier type-writing test held by the Union Public Service Commission/Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training & Management like roll number, date and place of the application form.

(b) A candidate who claims exemption from passing the typewriting test in terms of Note (II) below paragraph I of Appendix I to the Rules should furnish a certificate from a Civil Surgeon declaring him to be permanently unfit to pass the typewriting test because of a physical disability (to be named in the certificate), in the proforma prescribed below :

FORM OF THE CERTIFICATE TO BE PRODUCED BY THE PHYSICALLY HANDICAPPED CANDIDATES.

It is certified that Sri/Shrimati/Km. son/daughter of Shri (Name of physical disability) which is a physical disability of a permanent nature and consequently

he/she may be exempted from appearing and qualifying at the Typewriting Test.

Signature of Medical Officer

Designation

Date

NOTE.—The certificate should be issued only by Medical Officers who are Civil Surgeons or are of a rank equivalent to or higher than that of a Civil Surgeon.

(c) Candidates will be required to bring their own typewriters for the typewriting test. A typewriter with the standard size roller will do for both the papers of the test. The Institute will in no case supply Typewriters to the candidate. Candidates should ensure that the typewriters brought by them for the test are in perfect working condition. No extra time will be allowed to a candidate if his typewriter goes out of order during the test.

10. If a candidate qualifies in the examination, he will be required to submit his original certificates (of which attested copies are required to be submitted by him alongwith the application), to the authority who will give him the letter of appointment. His appointment will be subject to—

- (a) the production of his original certificates which should confirm in all respects to the attested copies furnished by him with the application; and
- (b) the particulars entered by him in the application being fully supported by those shown in the original certificates and being found correct.

11. The candidates are advised that they should arrange their applications in the following order before submission to the Institute :—

- (i) Postal Orders.
- (ii) 2 extra copies of photo (Another copy of the photograph is to be pasted on the first page of the application).
- (iii) Application form duly completed.
- (iv) Attested copy of the certificate of date of birth.
- (v) Attested copy of the certificate showing that the candidate possesses the minimum educational qualification required, if it is different from the certificate of date of birth.
- (vi) Attested copy of the S.C./S.T. certificate, if the candidate belongs to a S.C./S.T.
- (vii) Attested copy of Discharge Certificate, if the candidate claims to be an ex-serviceman.
- (viii) Attested copy of the certificate showing that the candidate is a migrant from Burma, Sri Lanka, Bangla Desh, etc.
- (ix) Certificate showing that the candidate is not in a position to pay the fee, if he wants that the prescribed fee may be remitted in his case.
- (x) Any other certificate the candidate wishes to send.

12. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make receiver eligible for admission to the examination.

13. If a candidate, who sends his application by post and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of application for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

14. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when such result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute of Secretariat Training & Management a communication regarding the result of his application one month before the date of the examination, he should at once contact the Institute for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

15. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the examination held by the UPSC/STS/ISTM in previous years are on sale with the controller of Publications, Department of Publication, State Emporia Building, C Block, Unit No. 21, 1st Floor, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi and may be obtained from him direct by mail orders only. These can also be obtained against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14 Janpath Barracks, 'A', New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8-K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents of the Government of India publications at various towns.

16. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE ALONG WITH SIX SLIPS SHOWING THE ROLL NUMBER, THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 OF THE NOTICE ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKES EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION
MAY, 1976

New Delhi, the 22nd November 1975

No. F.7/2/75-EI(B).—An examination for admission to the Army, Navy and Air Force Wings of the National Defence Academy for the 57th Course commencing January, 1977 will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRI-NAGAR AND TRIVANDRUM, commencing on the 25th May, 1976 in accordance with the Notification No. 20, dated 27th October 1975 published by the Ministry of Defence in the Gazette of India dated the 22nd November, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination will be 162 for the Army, 33 for the Navy and 55 for the Air Force.

These numbers are liable to alteration.

3. A candidate must be an unmarried male and must have been born not earlier than 2nd July, 1958 and not later than 1st January, 1961. These age limits can in no case be relaxed.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Application forms and connected papers can also be obtained without any payment from any of the authorities noted below:—

(i) Headquarters, Bengal Area, Calcutta/Delhi Area, Delhi Cantt./Punjab, Haryana and Himachal Pra-

desh Area Ambala Cantt./Uttar Pradesh Area, Bareilly/Madhya Pradesh, Bihar and Orissa Area, Jabalpur/Maharashtra and Gujarat Area, Bombay/Andhra, Tamilnadu, Karnataka and Kerala Area, St. Thomas Mount 101 Comm. Z. Area c/o 99 A.P.O.

- (ii) Headquarters, Allahabad Sub-Area, Allahabad/Bombay Sub-Area, Bombay/Lucknow Sub-Area, Lucknow/Meerut Sub-Area, Meerut/PUNE Sub-Area, PUNE/Calcutta Sub-Area, Calcutta/MP Sub-Area Bhopal/Jullundur Sub-Area, Jullundur/Karnataka Sub-Area, Bangalore/Andhra Sub-Area, Secunderabad/Bihar and Orissa Sub-Area, Dibrugarh/Ambala Sub-Area, Ambala/Dehra Dun Sub-Area, Dehra Dun/Tamilnadu and Kerala Sub-Area, Madras/North Bengal Sub-Area/21 Sub-Area/31, 41 & 51 Sub-Area/HQ 61 Indep Sub-Area.
- (iii) Station Headquarters Bengdubi Bagdogra (WB), Pathankot, Srinagar (J&K), Dharma Nagar, Assam, Gauhati and Jaipur (Raj.).
- (iv) All recruiting offices.
- (v) The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command Bombay.
- (vi) Flag Officer Commanding, Southern Naval Area, Cochin.
- (vii) The Flag Officer, Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Vishakhapatnam.
- (viii) The Naval Officer-in-Charge, Calcutta.
- (ix) The Naval Officer-in-Charge, Goa.
- (x) The Naval Officer-in-Charge, Madras.
- (xi) The Naval Officer-in-Charge, Andaman & Nicobar.
- (xii) The Naval Officer-in-Charge, Kathiawar.
- (xiii) Air HQ (Personnel Officer 3), New Delhi.
- (xiv) All National Cadet Corps Units.

Air Force Recruiting Offices :—

- (a) C/o Air Force Station, New Delhi-110003.
- (b) 48, Mansfield Road, Ambala Cantt.
- (c) Mukherjee Camp, Kanpur Cantt.
- (d) West Bengal Zone, OASIS, No. 3, NSC, Bose Road, P.O. Regent Park, Calcutta-700040.
- (e) Niranjan Building (4th Floor), 99, Marine Lines (West), Opposite Marine Lines Rly, Station Bombay-400002.
- (f) Air Force Station, Tambaram (Madras).
- (g) No. 1 Cubbon Road, Bangalore-560001.
- (h) Assam Zone, Uzan Bazar, Gauhati.
- (i) Anugrah Narain Path, Kadam Kuan, New Area, Patna-3.
- (j) Old Pall Road, Jodhpur.
- (k) Air Force Station, Begumpet, Secunderabad.
- (l) Air Force Recruiting Office, Bhubaneswar.

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION MAY, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE NATIONAL DEFENCE ACADEMY EXAMINATION MAY, 1976 WILL NOT BE ENTERED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 19th January, 1976 (2nd February, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 19th January, 1976), accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

NOTE.—Candidates experiencing difficulty or delay in obtaining application forms and connected papers from any of the Defence authorities mentioned in the second sub-para of para 4 above, must take timely steps to obtain the same from the Secretary, Union Public Service Commission in the manner prescribed in the first sub-para of para 4 *ibid.*

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form, the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPHS 2 AND 3 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

9. If any candidate who is taking the examination to be held in December, 1975 for entry to the National Defence Academy wishes to apply for admission to the examination notified here, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the result or an offer of admission to the National Defence Academy. If he is recommended for admission to the Academy on the results of December, 1975 Examination, his candidature for this examination will be cancelled on request and the fee refunded to him as in the case of a candidate not admitted to the examination *vide* para 4 of Annexure I, provided the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office on or before 31st August, 1976.

M. S. PRUTHI,
Dy. Secy.
Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise, except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The children of Junior Commissioned Officers, Non-Commissioned Officers and other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and the Indian Air Force and children of Ex-Junior Commissioned Officers, Ex-Non Commissioned Officers and Ex-other ranks of the Army and equivalent ranks in the Indian Navy and Indian Air Force are not required to pay the prescribed fee if they satisfy the following conditions, *viz.*,

- (i) they are studying in the Military School (formerly known as King George's Schools)/Sainik Schools run by the Sainik Schools Society, and
- (ii) their applications are forwarded by the Principal of the concerned School with the recommendation that they are accepted to secure at least 30 per cent of the aggregate marks of the written papers.

3. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

4. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below paragraph 8 of the Notification is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provision of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 of the Notice, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission and certain other authorities in the manner indicated in para 4 of the Notice. *Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH I OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2(i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, or in Lakshadweep from a date prior to 19th January, 1976.

A candidate already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity, or as a work-charge employee, other than a casual or daily-rated employee, must submit his application through the Head of his Department or office concerned who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

A candidate employed in Army, Navy or Air Force must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (*vide* Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

Sailors (including boys and artificer apprentices) of the Indian Navy must give Indian Navy as their first preference. Their applications will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

Cadets of the Rashtriya Indian Military College (previously known as Sainik School) Dehra Dun, students of Military Schools (formerly known as King George's Schools) and Sainik Schools run by the Sainik Schools Society should submit their applications through the Principal of the College/School concerned.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his em-

ployer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application:—

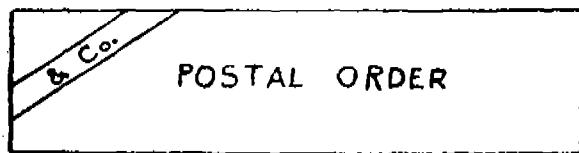
- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee (*See Annexure I*).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. \times 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of Certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (*See para 5 below*).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for fee remission, where applicable (*See para 6 below*).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee:—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below:



and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other post office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the Issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank draft for the prescribed fee

Bank draft should be obtained from any branch or the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission, payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank draft drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—A candidate residing abroad at the time of submitting his application may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative as the case may be in that country who, should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination Fees". The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as regarded in Admission Register of the institution.

If a candidate is unable to submit an attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate with his application, he must give a reasonable explanation for its absence. Such a candidate should further submit along with his application an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed under the Note below para 3 (iii) from the Principal/Headmaster of the institution from where he appeared at the Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent examination showing his age/date of birth as recorded in the Admission Register of the institution. The candidate will be required to submit an attested/certified copy of his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent Certificate as soon as possible. He will be disqualified if latter on it is found that the date of birth claimed by him in the application differs from that entered in his Matriculation/Higher Secondary Examination or equivalent certificate, unless the discrepancy is explained to the satisfaction of the Union Public Service Commission.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in paragraph 8 of the Notification. The certificate submitted must be one

issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result, or who intends to appear at such a qualifying examination may apply for admission to this examination, but he must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Headmaster/Principal of the School concerned. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible but their admission would be deemed to be provisional. The candidature of such candidates will stand cancelled if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 15th December, 1976.

Such candidates are required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above date whether they qualify or not at the written part of the examination. If they fail to comply with this instruction, their candidature will be cancelled, and they will not be entitled to know their result.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

"This is to certify that Shri son of Shri is expected to appear/has appeared* in the month of 19 Examination conducted by (2) His date of birth as recorded in the Admission Register of this School is This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his admission to the School.

(Signature of Principal/Dean/Registrar)*
(Name of the College/University/Institution)*

Date
Place

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cms x 7 cms. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front side by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), and 3(iv) above, without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in the Note under-paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. Candidates may be required at the interview by the Services Selection Board to produce the original of any documents copies of which have been submitted.

5. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned, as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India

This is to certify that Shri son of of village/town in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950.*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*.

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971].

the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution Scheduled Tribes (Uttar Pradesh) Order 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri and/or* his family ordinarily reside(s) in Village/Town* of District/Division* of the State/Union Territory* of State

Union Territory

Place

Date

Signature

*Designation
(with seal of office)

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificate.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to the Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

6. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation, in their respective districts.
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee under paragraph 3 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Ministry of Defence, for issue of the required certificate of eligibility in his favour after he has been selected for training at the National Defence Academy.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is, however, not possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding

the result of the application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporium Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001. (ii) Sale counter of the Publications Branch Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. The Ministry of Defence, Directorate of Psychological Research) have published two monographs as mentioned below. The purpose of publishing these monographs is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Test they are given at the Services Selection Boards :—

- (1) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW I and PRW II.
- (2) Scores on Intelligence Test Bty consisting of PRW 24 and ISP 45.

The monographs are priced publications and are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi-110006, and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporium Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 (ii) Sale counter of the Publications Branch Udyog Bhawan New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

13. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.
2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE, IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. *Change in Address.*—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. *Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 13 above.*

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION, NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP) (a) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTER FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

15. Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests, if any, relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch, Rtg. 6(SP)(a), West Block 3, Wing 1, Ramakrishna Puram, New Delhi-110022.

Candidates who have to appear for any university examination should immediately after the announcement of the result of the written examination intimate the dates of such examination to the Army Headquarters, who may, if possible, take this into consideration before fixing the dates of interview.

Candidates whose names appear in the final merit list issued by the UPSC must notify their latest address to Army HQ Rtg. 6(SP) (a)(i), West Block 3, R. K. Puram, New Delhi-110022, immediately after publication of the merit list in the news papers. If there is any change, in the address already given so that joining instructions issued by Army HQ reach them in time. In case this is not done, the responsibility of non-receipt of the joining instructions will rest with the candidates.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 14th June 1975

No. F. 1/66/73-SII.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 97 of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957), the Union Public Service Commission hereby makes the following amendments to the Union Public Service Commission (Consultation by the Delhi Municipal Corporation) Regulations, 1959 :—

1. In regulation 2, for items (d) and (g) the following shall be substituted,

"(d) "General Manager" means the General Manager (Electricity) in the Delhi Electric Supply Undertaking."

"(g) "Undertaking" means the Delhi Electric Supply Undertaking or the Delhi Water Supply and Sewage Disposal Undertaking, as the case may be."

2. For Regulation 6, the following shall be substituted,

"6—Recruitment by transfer or deputation—Subject to the provisions of Section 96 recruitment to any post by transfer or deputation shall be made by the appointing authority in consultation with the Commission and in accordance with such procedure as may be advised by the Commission."

3. For regulation 11, the following shall be substituted,

"11 : Nationality—A candidate for appointment must be a citizen of India or belong to such categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Central Government."

4. For regulation 12, the following shall be substituted,

"12—Age—A candidate must fulfil the age limits prescribed—

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, and such other categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Central Government, to the extent and subject to the conditions notified in respect of each such category.

Provided further that the Commission may relax the age limit upto 3 years in exceptional circumstances.

A. C. BANDYOPADHYAY,
Secretary,
Union Public Service Commission.

